हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 मार्च, 1984

खण्ड 1, अंक 13

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 28 मार्च, 1984

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(13)1
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– चौधरी देवी लाल द्वारा	(13)17
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर	(13)18
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(13)23
वैयक्तिक स्पश्टीकरण–मुख्य मंत्री द्वारा	(13)23
विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(13)27

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 28 मार्च, 1984

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा, विधान भवन, सैक्टर–1, चंडीगढ़ मे दोपहर बाद 9.30 बजे हुई।(सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैंबर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Construction of Drain in KIloi Constituency

***640. Shri. Hari Chand Hooda**: Will the Minister for irrigation andPower be pleased to state-

(a) whether any drains were constructed in Kiloi constituency during the year 1979-80; if so, the number thereof; and

(b) whether any drains have also been constructed in the said constituency during the year from 1981 to 1984 (upto-date); if so, the number thereof?

Irrigation & Power Minister (**Ch. ShamsherSingh Surjewala**):

(a) Yes 6 NO. Link drains were constructed.

(b) Yes. 5 NO. Link drains were constructed.

श्री हरि चन्द हुड्डाः स्पीकर साहबः स्पीकर साहब, मै जानना चाहता हूं कि सरकार ने जो लिखा हुआ जवाब दिया हैं क्या वह इस पर पाबन्द रहेगी? पिछली बार भी मैने यही सवाल किया था ओर उसका भी जवाब मुझे यही मिला था कि किलोई कांस्टीच्यून्सी में 13 स्कीमें बनी थी और उनमें 11 स्कीमें 1981 से पहले बन चुकी हैं है जो दो बाकी है। वह सरकार बना देगी हैं अब जो मेरे पास जवाब आया है वह यह है। कि बाकी भी बना दी जायेगी। ओर डाईव र्न कर दिया जायेगां। मै यह आ वासन चाहता हूं कि क्या सरकार इस पर पाबन्द रहेगी?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, ये खुद ही सवाल कर रहे है। और खुद ही जवाब दे रहे है। जो हमारा जवाब था वह इन्होने पढ़ ही लिया हैं ।

चौधरी ओम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महादेय ने सवाल के पार्ट (बी) के जवाब मै बताया है कि 1981 से 1984 के दौरान 5 लिंक डेन्ज बनाई गई है। मैं यह जानना चाहता हूं कि ये किस साल में बनाई गई थी ओर पिछले साल कें फल्ड को मद्देनजर रखते हुए ओर कितनी लिंक डेन्ज सैकसन हो जायेगी?

चौधरी भाम ोर सिहं सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, धामड लिंक डेन 1982 मे बनी नांदल पम्प हाउस 1982 में लाढोत 1980 में चिडी 1981 में ओर भालोट 1981 में बनी।

चौधरी ओम प्रका ा: स्पीकर साहब, मैने यह भी पूछा था कि नई लिंक ड्रेन कितनी सैक्सन हुई हैं ओर वह कब तक कम्पलीट हो जायेगी।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, लिंक ड्रेन्ज तो बहुत सी सैक ान की गई है। अगर दो चार या दस डेन्ज के बारे में पूछते तो मैं बता देता । इनके एरिया के नजदीक जो ड्रेन्ज है उनके बारे में बता सकता हूं। के0सी0 वी0 आर0 ड्रेन के हैड रीच में जमीन एक्वायर नहीं हो सकी। क्योकि लोगों ने कोर्ट से स्टे लिया था। अब वहां जमीन एक्वायर करने के लिए सैक ान 4 ओर 6 के तहत नोटिफिकेसन हो चुके है। वहां पर जमीन लेकर जल्दी काम भाुरू करने की योजना हैं। दिल्ली पोर ान में तो डैड लाईन आलरेडी काम कर रहीं है। अप्रैल के फर्स्ट वीक में हम दिल्ली वालों से बातचीत भाुरू कर रहे है। डेन नम्बर 8 से रोहतक के लियें सबसे जयादा महत्वपूर्ण हैं अब हम इस डेन की कैपेसिटी 900 क्यूसिकंस से बढा कर 1600 क्यूसिकस कर रहे है इसकी डैड लाईन काम कर रहीं है।

श्रीमती चन्द्रावती: क्या मंत्री महोदय ने कभी यह इस्पैक्सन करवाई हैं या नाप करवाया हैं कि जो ये ड्रेने खोदी जा रही है। उनकी चोडाई ओर गहराई स्पैसिफिके ान के मुताबिक हैं यानी ठीक से खोदी जा रही हैं या नही?

चोधरी भाम ोर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैने फीता रख कर तो कभी मपवाई नहीं हैं ओर न ही कभी ऐसी जरूरत पडी है। लीडर आफ दी अपोजी ान अगर किसी ड्रेन के बारे में बताऐगी कि वह 6 फुट की जगह 3 फुट खोदी गई हैं तो मैं उसका पता करवा लूंगा।

श्री हरि चन्द हुड्डा: स्पीकर साहब, अभी मिन्सिटर साहब ने कहा हक ड्रेन नं0 8 की कैपेसिटी 900 से 1600 क्यूसिक करने जा रहे है। क्या इस कैपेसिटी को ओर जमीन एक्वायर करके बढाया जा रहा हैं या नहीं उसी ड्रेन को ओर डीप करेगे। दूसरें के.सी.आ. कड्रेन सिर्फ डीघल गांव का मसला हैं इससे आगे ड्रेन खुदी हैं सिर्फ इसको उसके साथ लिंक करना हैं अगर डीघल गांव की जमीन ले ली जाए तो वहां का सारा पानी निकल सकता हैं क्या ऐसी कोई परपोजल है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, ड्रेन नं0 8 के लिए ओर जमीन एक्वायर करने की योजना नहीं है। जो जमीन आल रेडी हैं उसी को डीप करेगे। उसके दोनो तरफ फारैस्ट के दरखत हैं जो कटवाए जा रहे है। ताकि ड्रेन पूरी तरह से फंक ान कर सकें। जहां तक दूसरी ड्रेन का ताल्लुक है। उसके लिए 10 किलोमीटर का एरिया लोगों ने एक्वायर नहीं करने दिया। उन्होनें कोर्ट से स्टे ले ली है। अब हम जमीन लेकर इस काम को कम्पलीट कर देंगे। कौथा, माइना ओर ि ामली इन तीनों गांवों में पानी की पाकेट है। ड्रेन बनने के बाद यह पानी लिया जा

सकता हैं इन्होनें जो अपना सवाल पूछना था वह छोड़ गयो। इनके गांव की जो ड्रेन खडवाली है इसके लिए जमीन लेनी थी लेकिन लोगों ने स्टे ली। स्टे वेक्ेट होने के बाद जमीन एक्वायर करेगे। इसकी लैथ चार किलोमीटर है इस पर 9.13 लाख रूपय खर्च होगे। ओर चार हजार एकड़ जमीन को फायदा पहुचेगा। इसके पेपर एल. ए. ओ. के नरा पास सबमिट कर दिए हैं अगले फलड सीजन से पहले इसको कम्पलीट कर देगैं। इसी तरह से किलोई ड्रेन सात मील लम्बी होगी ओर उस पर 11.72 लाख रूपये खर्च होगें तथा 7600 एकड़ जमीन को फायदा पहुचायेगी। इसके लिए सैक ान 4 का नोटिफिके ान हो चुका हैं अब आबजैक ान सुनने है।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, ड्रेन नं0 8 का रोहतक के साथ बडा कंसर्न है। फलड के दिनों मे मुख्य मंत्री जी ओर सुरजेवाला जी रोहतक गए थे। इन्होने देखा होगा कि उस ड्रेन में हरा घास आ जाता हैं ओर सिलटिंग हो जाती है। मै जानना चाहता हूं कि क्या अगले सीजन से पहले इसको डि–सिलटिंग करके मजबूत किया जायेगा?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, अब तो इस ड्रेन को ओर डीपन तथा वाइडन कर रहे है। सिलट रहने का तो सवाल ही नहीं हैं जहां तक हरे घास का ताल्लुक है इस पर दो पुराने ब्रिज बने हुए हैं जो हिसार ओर जीन्द वाली सड़क के रास्ते में हैं वहां पर आकर घास अटक जाता हैं ब्रिंज तो पी0

डबल्यू0 डी0 वाले बनायेगें। लेकिन ये अगले सीजन से पहले नहीं बन सकते। इसलिए हम ऐसे वक्त मे टैप्पोरेरी इन्तजाम कर लेते हैं घास को हम लगातार निकालते रहते हैं बाकी डि–सिलटिंग वगरैह खुदाई के बाद नहीं रहेगी।

श्री भले राम: स्पीकर साहब, किलोई कांस्टीच्युएंसी मे एक छपरा ड्रेन हैं जो किलोई कांस्टीच्यूएंसी को डूबोती हैं ओर यह मेरे हलके से भी गुजरती हैं मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस साल उसका भी इलाज करेगे।

चाधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, ईसापुर खेडी ड्रेन को डाइवर्ट करने की परपोजल है इसका पानी डाइव र्न ड्रेन मे डालेगें ताकि रोहतक ओर इस एरिया का नुकसान न हो। इस पर तकरीबन 90–95 लाख रूपया खर्च होगा। यह स्कीम इस साल तो पुरी तरह से एग्जीक्यूट नही हो सकेगी लेकिन पार्टली हो जाएगी।

चौधरी धीरपाल सिहं: स्पीकर साहब, पिछले साल जब फलड आया था उस समय ड्रेन नम्बर 8 मे स्कुल की 6 लडकियां डूब गई थी। उस ड्रेन पर दादरी ओर मैनपुरा की बीच एक पुल बनाया हुआ हैं जोकि सबमर्ियल पुल हैं जब भी फलड का पानी इस ड्रेन में आता हैं यह सारा पानी उस पुल के ऊपर से गुजरता हैं। जिस समय लड़कियां स्कुल मे जाने के पुल से गुजरने लगी तो वे पानी में बह गई । मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना

चाहता हूं कि उस पुल को उठा कर ऊंचा करने का विचार हैं या नया पुल बनाया जाएगा?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, मै उस गांव मे गया था जहां की लडकियां पानी मे बह गई थी वह सबमि र्यिल पुल हैं उसके परार्मट गिर गये थे। इसके अलावा महकमे वालो का यह कहना था कि उस पुल पर जा पाईप लगाए हुए थे वे सारे पाईप गांव वाले उतार कर लेगये । मैने उस समय यह कहा था कि जो पैरार्पट लगाए जाएं वे बहुत ऊंचे लगा दिए जाऐ ताकि कितना ही फलड आ जाये ये पैरार्पट नजर नही आने चाहिए। ताकि यह पता चले कियहां पर पुल हे। इसकै अलावा पुल के दोनो तरफ जो रास्ता हैं उस को ऊचा कर दिया जाये। स्पीकर साहब, वह सबमि ्रयल पुल हैं रैगुलर नहीं ह। ओर कोई ट्रैफिक वगरैह भी उसके ऊपर नहीं जाती हैं वह तो विलेज टूं विलेज जाने के लिए रास्ते पर बना हुआ पुल हैं नया पूल बनाने का सरकार को कोई विचार नहीं हैं ।

डा0 ओम प्रका ा भार्मा: स्पीकर साहब, चीन के अन्दर पहले बहुत फलड आया करते थे। उन्होनें बांध बना बना कर उस सारे पानी को कन्ट्रोल करके इरीगे ान के लिए इस्तेमाल करना भाुरू कर दिया हैं मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि हर साल फलड से बहुत भारी तबाही होती हैं बहुत ज्यादा पानी आता हैं उस पानी को बांध बना कर स्टोर करके इरीगे ान

के लिए इस्तेमाल किया जा सकता हैं क्या ऐसी कोई योजना सरकार के विचाराधीन है?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, इरीग ान डिपार्टमैट की मारकण्डा रीवर के पास एक बांध बनाकर पानी इक्ट्ठा करने की स्कीम है। वह स्कीम हरियाणा सरकार ने मंजूर करके ओर सी. डब्ल्यू. सी. से पास करवा करके प्लानिंग कमि ान के पास भेज दी है। अब वह स्कीम प्लानिंग कमी ान के पास क्लीयरैस के लिए पैडिंग हैं । इसके लिए बहुत ज्यादा पैसे की जरूरत हैं इसलिए जैसे पैसे उपलब्ध होगा उस योजना को पूरा करेगे।

Marketing Barrage Project

***564. Ch. Phool Chand**: will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to start construction work on Markanda Barrage Project; and

(b) if so, the time by which the aforesaid work is likely to be started?

Irrigation and Power Minister (Ch. ShamSher Singh Surjewala):

(a) Yes,

(b) Work can be started only after the planning Commission clears the project.

चौधरी फूल चन्द: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी का उतर सुन कर मुझे एक कहावत याद आई हैं कि ना नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी। यह प्रोजैक्ट कई वर्शो से मंजूर हुआ है। इस प्रोजैक्ट के बनने से कुरक्षेत्र जिले का फलड रूकेगा ओर उस पानी से अम्बाला ओर कुरूक्षेत्र जिले मैं इरीगे ान होगी। इन दोनों जिलों में टयूब्वैल्ज का बाटर स्टैटा खत्म हो गया है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि क्या सरकार ने इस प्रोजैक्ट को क्लीरैयस के लिए प्लानिंग कमि ान से काई एलीकेसन की गई हैं? क्या पहले इस प्रोजैक्ट की क्लीयरैस करवायेगे फिर उसके बाद इसकी कम्पली ान के लिए बजट एलोकेट करेगे?

चौधरी भाम ारे सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, 1982 के आंकडों के मुताबिक इस स्कीम पर 32.32 करोड़ रूपये खर्च होने थे। यह स्कीम सी0 डब्ल्यू0 सी0 से पास हो कर प्लानिंग के पास क्लीयरैस के लिए पैडिंग है ओर उम्मीद है कि अगले सीजन तक इसकी क्लीयरैस मिल जायेगी । जहां तक एलौकेट करने का सवाल हैं जिस समय स्कीम भुरू की जायेगी। उस समय बजट अव य एलोकेट किया जाएगा। स्कीम के लिए अभी तक प्लानिंग कमि ान से क्लीयरैस नहीं मिली हैं इसलिए इस बजट मे पैसा रखने का कोई औचित्य नहीं है।

डा0 ओम प्रका ा भार्मा: स्पीकर साहब, पांच ड्रेनो मे फलड आने से हरियाणा के अन्दर बहुत जयादा नुकसान हुआ हैं

ओर बहुत तबाही हुई है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस तबाही में कुल कितना नुकसान हुआ है?

श्री अध्यक्ष: इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि सरकार ने इस प्रोजैक्ट की स्कीम प्लानिंग कमि ान को कब सबमिट की थी? क्या प्लानिंग कमि ान ने कोई क्वायरी लगाई या कोई आबजैक्सन रेज किया जिसके कारण इस प्रोजैक्ट की कम्पली ान में डिले हुई हो?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, इस स्कीम को हरियाणा सरकार ने 27.7.1980 को सैक ान किया था। उसके बाद प्लानिंग कमि ान को स्कीम सबमिट की थी। प्लानिग कमि ान ने जो भी क्वायरीज लगाई थी उनका जवाब दिया जा चुका हैं प्लानिंग कमि ान के पास वेरियस किस्म की जो स्कीमें पैडिग हैं सरकार उनकी क्लीयरैस के लिए पुरा प्रयत्न कर रही है। वहां से क्लीयरैस मिलने के बाद ही काम भुरू किया जाता है।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने फरमाया है। कि हरियाणा सरकार ने 1980 में यह स्कीम सैक ान की थीं ओर इस समय यह स्कीम प्लांनिग कमि ान के पास पैडिंग है। इसके अलावा मंत्री जी ने यह भी फरमाया हैं कि प्लानिंग कमि ान ने जो क्वायरीज लगाई थी उनका जवाब दिया जा चुका है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से नि चत जवाब चाहता हूं कि

इस प्रोजैक्ट से किस किस एरिया को बैनीफिट होने वाला है। इसकी लोके ान क्या हे। ओर सरकार ने इस प्रोजैक्ट के लिए चार साल में क्या क्या कारगुजारी की हैं? इस बारे में मंत्री जो रो ानी डाले ताकि इनकी एफीि ाएसी का पता लगे कि ये स्टैट के इंट्रैस्ट मे कितने फायेदमंद हैं?

चोधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने यह स्कीम 1980 में सैक ान करके सी0 डब्ल्यू0 सी0 के पास भेजी थी। वहां से पास हो गई ओर इस समय यह स्कीम क्लीयरैस के लिए प्लानिंग कमि ान के पास पैडिंग है। इसके अलावा इन्होनें यह पूछा है। कि किस किस एरिया को इस स्कीम से फायदा होगा। मै इनको बताना चाहूगा कि यह पोजैक्ट मारकण्डा रिवर पर रिजरवायर बनाकर गांव धनेाला से 11 किलोमीटर दूर बराडा की साइड मे पानी को इकटठा किया जाऐगा। इसकी बाउंडरी इस तरह से होगी। मारकण्डा रीवर के साउदर्न वेस्टर्न साइड पर चुतंग नाला के साउदर्न ईस्टर्न साइड पर ओर जगाधरी रोड के साउदर्न साइड पर यह बाउडरी होगी। इस स्कीम से 57,373 एकड़ जमीन सेराब होगी। इसकी इरीगे ान इन्टेसिटी 62 परसैन्ट है ओर पानी 2.4 क्यूसिक हैं टोटल स्टोरेज कैपेसिटी 80,853 एकड़ फीट में होगी। यह प्रोजैक्ट मारकण्डा रिवर ओर टरीब्यूटरीज पर बनाया जाऐगा। इसका कैचमैट एरिया 228.54 सुकेयर माइल्ज होगा। मारकण्डा रीवर में हर सीजन में 70 हजार क्यूसिक्स पानी दो सप्ताह या

तीन सप्ताह बहता है। लेकिन सारे साल की एवरेज 10 हजार कयूसिक्स हैं इस प्रोजैक्ट से कुरूक्षेत्र ओर अम्बाला के एरियाज को इरीगे ान का भी फायदा होगा ओर फलड से भी बचाव होगा। प्लानिंग कमि ान क साथ हमारी जो कोर्सपोडैस हुई है। अगर डा0 साहब वह देखना चाहे तो मै दिखा सकता हूं।

चौधरी फूल चन्द: अध्यक्ष महोदय, अभी तक एस0 वाई0 एल0 का मामला अनसर्टन हैं । इस बात को ध्यान में रखते हुए क्या इस पोजैक्ट को पर्सनल लेवल पर डील करने की कोि ा ा करेगे ताकि पैसे का सदुपयोंग हो सके?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, कल या परसों भी मैने कहा था कि दादुपुर से 590 क्यूसिक्स की एक नहर निकाले जाने की योजना है। इस नहर के निकलने से तकरीबन 4 5 कास्टीच्यूंएसीज को फायदा होगा। एक तो वह स्कीम हैं और दूसरी यह मारकण्डा वैराज की स्कीम है। मेरा ओर डिपार्टमैट का यही ख्याल हैं कि दादुपुर वाली स्कीम जयादा लाभदायक होगी क्योकि इस पर 15 करोड़ खर्च होने हैं ओर मारकंण्डा बैराज पर 33 करोड़ रूपये खर्च होने है। यह सवाल यह है कि इन दोनो स्कीमों मे से किस को प्रायरिटी दी जाये। यह डिटरमीन किया जा सकता है। बैठकर फेसला किया जा सकता है। हाउस को मै बताना चाहूगा कि जेसे जेसे फण्डज उपलब्ध होगे उसी हिसाब से सारी स्कीमों को लागू किया जाएगा।

श्री लक्षमण सिंह: यह बात ठीक हैं कि इस पर बहुत ज्यादा पैसा खर्च होगा। जैसा अभी फूल चन्द जी ने कहा है कि एस0 वाई0 एल0 का मामला अभी लटका हुआ है। ओर पता नहीं कब फैसला होगा ओर कब कुरूक्षेत्र ओर अम्बाला जिले को पानी मिलेगा। एस0 वाई0 एल0 के मामले मे बडी ढील चल रहीं है। मै तो समझ रहा हू कि it may take years and years ओर इस विधान सभा की लाईफ में तो यह नहर बनने वाली है। नहीं। इन्होनें वहां पर 20 25 करोड़ रूपया खर्च कर दिया लेकिन अभी तक कुछ भी काम नही हुआ है। मै जानना चाहूगा कि क्या ये इधर से उधर से पेसा निकाल कर इस स्कीम को पूरा कराने के लिए प्लानिंग कमी ान को कहेगें कि हमारे पास इतने फण्ड अवलेबल है ओर आप भी अपनी कन्ट्रीब्यू ान इस मे डाल दें ओर हमें इसे बनाने के लिए कलियरैस दे दे?

चोधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदयख एस0 वाई0 एल0 का मामला कोई बर्डन नहीं है। जो बात यह कह रहे है। कि यह नहर बनेगी ही नहीं। यह बिल्कुल गलत कह रहे है। मै हाउस को बताना चाहूंगा कि यह नहर कुछ अर्से मे बन जायेगी । सरकार के पास ऐसे कारण मौजूद हैं जिनकी वजह से इस नहर पर काम बहुत तेजी से होगां ओर जल्दी ही तैयार हो जायेगी। जो बात इन्होनें यह कही कि इस विधान सभा की टर्म में यह पूरी नहीं होगी। यह इनकी गलत बात हैं वैसे देखा जाये तो एस0 वाई0 एल0 का पानी ज्यादातर उन स्थानेां के लिए हैं जहां पर

पानी नहीं पहुचा। सरकार दोनों स्कीमों को प्राथमिकता के आधार पर कम्पलीट करना चाहती है। ताकि सभी इलाकों को फायदा पहुंच सके।

चौधरी साहब सिंह सैनी: अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भीकई जिक्र किया है कि नलवी लिफट इरीगे ान ओर जोगना खेडा लिफ्ट इरीगे ान स्कीमों को जल्दी से जल्दी पूरा किया जाय। मै मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहूगा कि क्या वे इन स्कीमेां पर वि ोश रूचि लेकर पूरा करवाने की कोि ा करेगे ताकि अम्बाला ओर कुरूक्षेत्र जिले को अधिक से अधिक फायदा पहुच सके?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: हम स्कीम मे पूरी रूचि लेते है ओर इस स्कीम को भी पूरा करवाने मे पूरी रूचि लेगे।

सेठ राम दास धमीजा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने कहा हैं कि इस स्कीम पर 33 करोड़ रूपये खर्च होगे। पता नहीं सरकार कयो घबरा रही हैं मैं कहना चाहता हू कि 33 करोड़ रूपये खर्च करने मे यदि 100 करोड़ आते हो तो फिर 33 करोड़ रूप्ये खर्च करने ंमे क्या दिक्कत हैं? इसीलिये क्या मंत्री जी मारकंण्डा बैराज को टोप प्रायरिटी देकर बनाने की कोि ा ा करेगे?

चौधरी भाम ेर सिहं सुरजेवाला: स्पीकर साहब, इसमें घबराने की कोई बात नहीं है। सरकार हर स्कीम को प्रायरिटी देती है। मौजूदा फाइनेि ायल रिसोजिज के तहत जो काम किया जा सकता हैं वह किया जा रहा है। इस बात को हाउस के मैम्बर भी नही चाहेगें कि हरियाणा की जनता पर ओर टैक्स लगाये जाये। इस समय जो सीमित रिसोर्सिज हैं उसको ध्यान में रखते हुए हर स्कीम को प्राथमिकता देते है।

Sanjai Memorial POlytechnical Institute Bhiwani

*689. Shri. Hira Nand Arya: will the Minister for Industires be pleased to state-

(a) whether an ycomplaint has been received by the Government or the Deputy Commissioner, Bhiwani against Sanjai Memorial POlytechnical Institute, District Bhiwani during the years 1981 to 1984 (to-date); if so, action , if any, taken thereon; and

(b) whether any grant has been given to the said institution during the period referred to in part (a) above; if so, whether it has been properly utilized?

उद्योग मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया):

(क) हां ि ाकायते प्राप्त हुई थी। यह ि ाकायते प्राप्त होने पर इस संस्थान के प्रबन्धकौ को एक नोटिस दे दिया गया है। ओर आदे ा दिये गये हैं कि भवन, म ीनरी, अन्य उपकरण, फर्नीचर व स्टाफ की कमियों को भीघ्र दूर करे। ओर दिनांक 5.4.

84 तक रिपोर्ट दे। उन्हे यह भी आदे ा दिये गये है। कि आगामी आदे ाों तक इन कोर्सो मे कोई दाखिला न किया जाये।

(ख) इस संस्थान के प्रबन्धकों को संस्थान के भवन निर्माण के लिए 5.00000 रूपये की रा ि ा वर्श 1981–82 (मार्च 1982) में अनुदान के रूप में दी गई थी। यद्यपि बाद में खर्च वर्श 1982–83 मे करने की स्वीकृति दी गई थाी किन्तु अभी तक उनसे इस रा ि ा के व्यय के बारे में उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मै जानना चाहूंगा कि क्या यह ठीक बात नहींहै। कि भारत सरकार की एक टीम 11. 11.83 को निरीक्षण के लिए वहां पर गयी थी? उस टीम ने निरीक्षण के समय इस इन्टीन्यू ान की न कोई बिल्डिंग न पुस्तकालय, न फर्नीचर ओर न हीं म ाीनरी आदि देखी। जुलाई 1983 में 40 बच्चों का स्टैनोग्रफी ट्रेड में एगजाम हुआ था लेकिन उसका परिणाम आज तक घोशित नहीं हो पाया है। क्योकि अभी तक सरकार की तरफ से उस इन्स्टीच्यू ान को मान्यता प्राप्त नहीं हुई हैं यहों पर लाखों रूपया बच्चों से दाखले के वक्त इक्ट्डा किया गया। यदि ये लिस्ट देखना चाहें तो मै वह लिस्ट भी इन्हें दिखा सकता हूं जिन से पैसा इकट्डा किया गया।

श्री मती भाकुतला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदय, ऐसी संस्थाएं भारत सरकार की सहायता से स्टेट गवर्नमैट के तहत

चलायी जाती हैं उस टीम ने वहां पर जाकर निरीक्षण किया था। यदि सैन्टर की टीम निरीक्षण के बाद ठीक समझे तो उस संस्था को मान्यता दे सकती हैं अगर ठीक न समझे तो मान्यता नही दी जाती। हम मान्यता प्राप्त करने कि लिए पूरी पूरी कोि ा ा कर रहे है। ताकि बच्चों का भविश्य ठीक हो।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मैन पूछा है कि क्या 11.11.83 को भारत सरकार की कोई टीम निरीक्षण के लिए गयी थी? यदि उस निरीक्षण के समय उस टीम ने इन्स्टीच्यू ान का कोई भवन, लाईब्रेरी आदि पाई थी या नहीं?

श्रीमती भाकुतला भगवाडिया: मैने बताया हैं कि ऐसी प्राईवेट संस्थाओं को मान्यता प्रदान करने में पहले भारत सरकर की टीम आती हैं यदि वह ठीक समझे तो मान्यता मिल जाती है ओर ठीक न समझे तो मान्यता नही मिलती । लेकिन अभी तक स्टेट गवर्नमैट को भारत सरकार से इस संस्था की मान्यता प्राप्त नहीं हुई है।

डा0 भीम सिंह दहिया: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में माना है कि संस्था के खिलाफ कुछ कम्पलेटस आयी है। और कम्पलेटस के आधार पर नोटिस दिया गया था ओर उस 5.4.84 तक रिपोर्ट देने के लिए लिखा गया हैं मैं जानना चाहता हूं कि यह ि ाकयते कब आई? किसने दी तथा आपने उस संस्था को कब नोटिस दिया?

श्री अध्यक्षः यह बात सरकार ने मानी हे। कि ि ाकायते आयी हैं ओर उनको नोटिस दिया हुआ हैं अगर अब आप यह पूछे कि कब ि ाकायत आयी किसने दी ओर कब नोटिस दिया गया तो यह बात बनती नहीं। यदि इस तरह से एक एक डिटेल पर जायेगे तो सारे हाउस को तसल्ली नही हो सकेगी। आप ठीक सवाल पूछें। आप इनको बता दे कि कम्पलेट कब आयी थी।

श्रीमती भाकुतला भगवाडियाः जब मै वहां ग्रिवेंसिज कमेटी की मींटिंग में गई थी तो यह ि ाकायत मेरे नोटिस में आई थाी मेरे साथ उस मीटिंग में आर्य साहब भी मोजूद थे। कोन सेी तारीख थी यह मुझे ठीक याद नहीं।

श्री मंगल सैनः बहन जी, क्या आप यह बताने की कृपा करेगी कि जिस संस्था की ि ाकायत आपके पास आयी हैं उसके पदाधिकारी कोन कोन है।

10.00 बजे

श्रीमती भाुकतला भगवाडियाः अध्यक्ष महोदय, इस कमेटी के पदाधिकारी के नाम इस प्रकार हैं ठाकुर बीर सिंह, दुर्गा पैलेस, भिवानी, भूतपूर्व सहकारिता मंत्री, श्री सज्जन सिंह सपुत्र ठाकुर बलवन्त सिंह, लोहड, भिवानी, श्री भंवत सिंह कप्तान, लोहड बाजार भिवानी, श्री ब्रहमजीत सिंह सपुत्र श्री ठाकुर बीर सिंह, दुर्गा पैलेस, भिवानी, श्रीम सरजीत सिंह सपुत्र श्री आ ाा सिंह, पी टी आई, वै य हाई स्कुल, भिवानी, मेजर राम सरूप सिंह, गांव

सिरसा घादेडा, भिवानी, श्री आ ापत सिंह सपुत्र श्री राय सिंह गांव व डाकखाना आजेका गांव सिरसा श्री अजीत सिंह एडवौकेट, भिवानी, श्री महीपाल सिंह सपुत्र श्री बाबू सिंह, मन्दिर, जिला करनाल, श्री सुरजपाल सिंह, चेयरमैन हरियाणा स्टेट लैण्ड डवैल्पमैट बैक चण्डीगढ ओर कप्तान गनपत सिंह गांव केलंगा, जिला भिवानी। जहां तक संस्था के खिलाफ ि ाकायत का ताल्लुक है इस संस्था में न पूरे निदे ाक थे न प्रयोग ाला थी न कोई सामान था न लडकों को बेठने के लिए कोई स्थान न था न कोई बिजली आदि की सुविधाएं प्राप्त थी ओर न ही यह संस्था रजिस्र्टड थी यह बताया गया कि संस्था ने प्रत्येक छात्र से दाखिले केसमय दो हजार से सात हजार रूपए तक पैसे लिऐ। इसके इलावा जुलाई, 1983 में स्टैनो के पेपर हुए थे। लेकिन इसका परिणाम अभी तक नहीं निकाला गया ओर आगे के लिए छात्रों के पेपर होने की कोई आ ाा नहीं है।

श्रीमती चन्दावती: स्पीकर साहब, मै खास तौर पर मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि जिस संस्था को कोई मान्यता न हो, जिस में कोई म ाीनरी हा, न सामान हो, न स्टाफ हो, क्या ऐसी संस्था को 5 लाख रूपये का अनुदान दिया जा सकता हैं? अगर सरकार ने दिया हैं तो किस कानून ओर कायदे के तहत दिया है?

मुंख्य मंत्री (चोधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने बडी तफसील के साथ सारी बात हाउस को बताई हैं इस

वक्त बहुत सी प्राईवेट मैनेजमैट की संस्थाएं चल रही है। केवल यही एक संस्था नहीं हैं ओर भी है। यह बात बिल्कुल ठीक है। कि भारत सरकार की एक कमेटी आई थी ओर उस कमेटी ने इस संस्था के बारे में कुछ इतराज किए कि इस संस्था में ये ये चीजें ओर होनी चाहिऐं इसलिये उन्होनें मान्यता नही दी । (व्यवधान) मै आपको सारी बात बता रहा हूं आप सुन लीजिए। हमने नोटिस दिया कि 5.4.84 तक जो कभी कमी हे पूरी करनी होगी।

श्रीमगल सैन: आपने नोटिस कब दिया था?

चौधरी भजन लाल: क्योकि ि ाकायते आई थी उनके आधार पर हमने उनको 1983 में नोटिस दे दिया। अब पता लगा हैं कि 16 कमरे कम्पलीट हो चुके है। बहुत सा सामान भी ले लिया है और उनका कहना हैं कि 5.4.84 से पहले पहले भारत सरकार ने जो एतराज उठाए है उनको दूर कर दिया जाएगा ओर सारा काम पूरा कर दिया जाएगा। जहां तक पैसा देने का सवाल है। इस संस्था को 5 लाख रूपये की ग्रांट दी हैं। हर एक संस्था को गांट देते हैं इसमें कोई गलत बात नहीं है।

श्रीमती चन्दावती: जब उनको मान्यता ही नहीं हैं तो आपने पैसा कैसे दे दिया? (व्यधान)

चौधरी भजन लाल: आप पूरी बात सुन तो लीजिए। पेसा देने से पहले सरकार ने यह देखना होता हैं कि जो पेसा हम दे रहं हैं वह ठीक तरह से खर्च होगा या नहीं? उनको पैसे का

हिसाब देना पड़ता हैं जहां तक इमितहान की बात है 32 लडको ने इम्तिहान दिया था उनका रिजल्ट आ चुका है ओर हम पूरी कोि ा ा कर रहे है। कि इस संस्था को मान्यता मिले। जयो ही यह संस्था भारत सरकार की ंकडी ान्ज को पूरा करेगी भारत सरकार इसको मान्यता दे देगी।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जो अनलिमिटेड प्राईवेट कम्पनी को सरकार ने पांच लाख रूपये दिय हैं क्या इसके लिए सरकार के पास कोई रूल्ज हैं? यह पैसा क्या हरियाणा सरकार ने दिया हैं या भारत सरकार न दिया है? अगर हरियाणा सरकार ने दिया हे तो क्या सरकार बतायेगी कि क्या ऐसे कोई रूल्ज हे जिनके तहत पांच लाख रूपया दिया गया है।?

चौधरी भजन लालः यह पांच लाख रूपया हरियाणा सरकार ने दिया हैं ओर देने से पहले सरकार यह देखती हैं कि यह पैसा ठीक ढंग से खर्च होगा या नहीं होगा, जब सरकार की पूरी तसल्ली हो जाती हैं तो पेसा देती हैं और इस केस में हमारी पूरी तसल्ली हैं इस संस्था ने अब 16 कमरे बनाकर तैयार कर दिये हैं और संस्था बाकायदा चल रहीं है।

चौधरी सुरेन्द सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने एक बात बताई कि उन्हें यह पता लगा है कि 16 कमरे तैया हैं क्या वे बतायेगें कि वे कमरे कहां बने है? इस संस्था का सबसे

पहला प्रौस्पैक्टस मेरे पास हैं जिसको हिन्दी में विवरण पत्रिका कहा जाता हैं इस प्रौस्पैक्टस के अनुसार यह संस्था रजिस्र्टड दिखाई गई है। यह सीरियल नं0 25 पर लिखा हैं इसके बाद दाखिला के सिलसिले मे जो एडवरटाइजमैट इन्होनें ट्रिब्यून अखबार में दी हैं उस में भी इस संस्था को रजिस्र्टड दिखाया हैं इसके बाद संस्था ने 40 लड़को के इम्तिहान लिए ओर जो पर्चा दूसरे आई टी आई को दिया गया था वह यहां नहीं आया था। और इन लड़को को साईक्लोस्टाईल्ड पर्चा दिया गया। जब ऐसी पोजी ान हो तो परिणाम कहां से आयेगा। क्योकि वास्तव में यह एग्जाम नहीं था और न ही यह संस्था रजिस्र्टड हैं नं ही इसकी सैक ान आई है न ही 5 लाख रूपये का यूटिलाइजे ान सर्टिफिकेट आया हैं मुझे तो यह लगता हैं कि यह संस्था भिवानी जिले में बनी हैं जहां तक मै जानता हूं एक भी कमरा नही बना है। जहां पर मुख्य मंत्री ने पत्थर लगाया था वहां कोई कमरा नही बना। स्पीकर साहब, यह एक बड़ा सीरियल एलीगे ान है कि मैक्सिम लडकों से दो हजार से लेकर सात हजार रूपये तक डौनेसन ली गई । लेकिन उनको कोई र ाीद नही दी गई। अगर कोई संस्था किसी व्यक्ति से डोने ान ले तो उसकी र ाीद बहुत जरूरी हैं इसके अलावा सबसे बड़ा प्रूंफ सबसे बडा डाकुमैट यूंटिलाईजे ान सर्टिफिकेट हैं जो गवर्नमैट को संस्था की तरफ से मिलना चाहिए लेकिन वह नहीं मिला हो सकता हैं बोगस रसीदें दी हो। कया मुख्यमंत्री महादेय इस सारे मामले की इन्क्वायरी करवायेगे?

चौधरी भजन लाल: मैने कहा है 16 कमरे बने हैं यह बिल्कुल सही बात हैं 16 कमरे बनकर बिलकुल तैयार हो गये है। जहां तक डोनेसन लेकर रसीद न देने की ि ाकायत है बहुत सी संस्थाएं डोने ान लेती हैं ओर रसीद देती हैं अगर माननीय सदस्य को भाक हैं कि इसमें कोई गडबढ हुई है। तो मेरे नोटिस में लाये हम इसकी इन्यवायरी करेगे (व्यवधान)

श्रीमती चन्दावती: किस तरह से आपके नोटिस में लाये। (व्यवधान) कैसे नोटिस में लाया जायेगा?(व्यवधान)

चौधरी भजन लाल: मेरी अगली बात सुनिये(व्यवधान)

श्रीमती चन्दावती: .....

श्री अध्यक्ष: यह रिमार्क्स रिकार्ड न किए जाये।(व्यवधान)

चौधरी देवी लाल: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री अध्यक्ष: क्वै यन आवर मे प्वायंट आफ आर्डर नहीं होता आप बैठ जाइए।

चौधरी देवी लाल:.....

श्री अध्यक्ष: मेरी परमि ान के बगैर जो कुछ बोला गया है वह रिकार्ड न किया जाये। (व्यवधान) जो मैम्बर बिना परमि ान से बोलेगा वह रिकार्ड नही होगा।

चोधरी देवी लाल: अध्यक्ष महोदय, मै हाउस के अन्दर जो बात कह रहा हूं पूरी जिम्मेवारी के साथ कह रहा हूं माननीय सदस्य मेरी बात पुरी होने दे। चौधरी सुरेन्द सिंह जी ने डोने ान लेकर रसीद न देने की बात कही हैं इस पर मै यह कह रहा था कि कोई भी मैम्बर इस बात को सरकार के नोटिस में पहले नहीं लाया आज ही यह बात इन्होने हाउस में कही है। हम इसी बात पर इसकी इन्कवायरी करवा लेगे। अगर किसी का फाल्ट मिलेगा। चाहे कोई कितना ही बडा आदमी क्यों न हो सरकार उसके खिलाफ जरूर एक ान लेगी।

श्रीमती चन्दावती: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी का यह कहना हैं कि उनके नोटिस में नही लाया गया हैं सही नही है। जब इनकी मिनिस्टर साहिबा ग्रिवेसिज कमेटी की मीटिंग में गई थी तो वहां के लोगों ने इनसे ि ाकयत की थी। जब लोगों ने रिटन ि ाकायत की हो तो क्या मंत्री महोदया बतायेगी कि रिटन ि ाकायत के इलावा ओर कोन सा तरीका है। जिस के द्वारा उनके नोटिस मे लाया जाए? हम लोग इनके नोटिस में पहले ही लो चुके हैं ओर अब हम चाहते है। कि इसकी इन्कवायरी होनी चाहिए।

श्रीमती भाकुतला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदय, इसी लिए तो इस संस्था को नोटिस दिया है मैं वहां गई ि ाकायतें सुनी। इसीलिये तो इस संस्था को नोटिस दिया है अन्यथा इससे पहले तो कोई नोटिस ही नही ंदिया था।

श्री हीरा नन्दआर्य: अध्यक्ष महोदय, एक तरफ मुख्य मंत्री ने कहा कि यह सरकार के नोटिस में नही ंथा ओर दूसरी तरफ मुंख्य मंत्री महोदया कह रही है कि लोग उनके नोटिस मे लाये थे क्या यह दोनो बाते कंट्राडिक्टरी नहीं है?

श्री अध्यक्ष: आप दोनों बातें सुनिए। वे कह रही हैं कि ग्रिंवैसिज कमेटी में जब बात मेरे नोटिस में लाई गई तो मैने इसका नोटिस लिया। दूसरी बात यह कही गई कि दो हजार से सात हजार तक का डोने ान लिया गया था इस के बारे में में आप इनसे बात कर ले। अगर इनकी तसल्ली हो जायेगी। तो ये इंक्वायरी के लिए तैयार है।

श्रीहीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, 13 अग्रस्त, 1983 की ट्रिब्यून में एक एडटाइजमैट छपी थी जिसके तहत यह दाखिला हुआ था उसे हरियाणा सरकार ने केन्द्र सरकार की बात तो छोडी मान्यता नहीं दी थी इसके बावजूद भी 160 लडके दाखिल किए गए। क्या मुख्य मंत्री जी बतायेगें कि यह बात ठीक हैं फिर अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया को जो मैमोरेन्डम दिया गया था उसूमें लाखों रूपये के घपले की बात लिखल हुई थी । उसमें यह भी लिखा था कि किस किस छात्र ने कितने कितने रूप्यें दिये थे। क्या मंत्री जी बतायेगें कि उन्हे इस तरह का मैमोरैन्डम मिला था।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जहां तक इस बात का संबंध है कि इन्होने एडवर्टाइजमैट करके दाखिला किया 247

लडकों के दाखिले हुए हैं यह ठीक बात हैं (विघ्न) जहां तक हरियाणा सरकार द्वारा मान्यता देने का सवाल हैं यह मान्यता तब देती हैं जब पहले भारत सरकार मान्यता दे दे। भारत सरकार को हमने केस रिकामैन्ड करके भेजा कि इस संस्था को मान्यता दी जाय। इस के बाद भारत सरकार की एक टीम आती हैं उसने देखना होता हैं कि संस्था सारी कंडी ान्ज पूरा करती हैं या नहीं। चूकि इस संस्था ने सारी कंडी ान्ज पुरी नहीं की थी इसलिए उन्होने इसे मान्यता नही दी अब सारी कंडी ानज को 5. 4.1984 तक पुरा करने के लिए दोबारा समय दिया गया हैं उसके बाद कमेटी उसे देखेगी। अगर उसकी तसल्ली हो जायेगी तो मान्यता मिलेगी।

श्री वीरेन्द सिंह: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने आ वासन दिया है कि अब इंक्वायरी हो जायेगी। लेकिन बहन जी ने जो कंपलेन्ट पत्र पढ कर सुनाया उसमें स्पैसिफिक ऐलीगेशन है कि जो लडके दाखिल हुए उनमे दो हजार रूपयें से लेकर 7 हजार रूप्ये तक की घूंस ली गई यह कम्पलेन्ट इन्हें 1983 में मिली थी क्या मंत्री जी बतायेगी कि इस कम्पलेन्ट पर क्या कोई इंक्वायरी करवाई गई ? अगर करवाई गई तो वह किस स्टेज पर हैं ओर कोन आफिसर उसकी इंक्वायरी कर रही हैं

श्रीमती भाकुतला भगवाडिया: स्पीकर साहब, मैने सारी ि ाकायते हाउस को बताई हैं इस संस्था का निरीक्षण भी किया गया। जब मै वहां गई तो लोगो ने ि ाकायते की थी 4 5

स्टुडैन्टस भी मुझे मिले थें। आर्य साहब भी वहां मौजुद थे। मैने आ वासन दिया था कि मै किसी आफिसर को भेजूगी। मैने यहां आते ही डायरैक्टर को टेलिफोन किया ओर बुलाकर उन्हे बताया कि मैने इस किस्म की ि ाकायते वहां सुनी हैं मैं इस समय यह तो नहीं बता सकूंगी कि किस तारीख को अधिकारी वहां गया लेकिन यह बात सही हैं कि इस संस्था में कुछ कमियां पाई गई हैं जहां तक पैसे का संबंध हैं कोई आदमी अब तक इस का प्रमाण नहीं दे सका हैं अगर कोई प्रंमाण दे सकता हैं तो हम इंक्वायरी के लिए तैयार है।

श्रीमंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, मै अपनी काबिल बहन जी से यह जानना चाहता हू कि सन् 1983 में ि ाकायत मिलने के बावजूद भी आपने अब तक इंक्वायरी क्यों नहीं करवाई?

श्रीअध्यक्ष: वे कह रही हैं कि पैसे के मुतालिक कोई सबस्टाांटिव बात नही मिली।

श्रीमंगल सैन: क्या इन की जानकारी में यह बात हैं कि उस मैमोरैनडम में लिखा हुआ था कि जो लाखों रूपया सरकार ने दिया है। उसका सदुपयोग नहीं किया गया बल्कि दुरूपयोग किया गया? स्पीकर साहब, एक बात में इन से ओर पूछना चाहता हू। मुंख्य मंत्री जी ने बताया कि इन्होनें तो भारत सरकार को रिकोमैन्ड करके भेज दिया था कि इस संस्था को मान्यता दी जाये। लेकिन भारत सरकार की कोई गारण्टी वहां गई ओर उस

ने सारी कंडी ानज को देखा। मैं इन से यह जानना चाहता हूं कि अगर सारी कंडी ानज सही थी तो उसे मान्यता क्यों नहीं मिली ओर अगर सही नहीं थी तो इन्होनें मान्यता देने के लिए क्यों रिकोमैन्डे ान की थी?

श्रीमती भाकुतला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदय, यह सत्य हैं कि हरियाणा सरकार ने उस संस्था को 5 लाख रूपया दिया । सरकार का हमे ाा प्रयत्न रहता हैं कि जो पेसा दिया गया हैं वह ठीक रूप ` लगे। स्पीकर सर, यह बात भी सही है। कि भारत सरकार से जो टीम आई थी उसने देखा कि उस संस्था में जो चीजे चाहिएं थी चाहें वह म ाीनरी थी चाहे अध्यापक थे यह बिल्डिंग थी उन में कुछ कमी पाई गई हम ने इस बात को लिखित में माना हैं ओर इसी वजह से उन्हे नोटिस भी दिया गया हैं ।

श्री निहाल सिंह: क्या मंत्री जी बतायेगी कि कोन से ऐसे कंपैलिंग सरकमस्टांसिज थे जिन की वजह से अन–रजिस्टर्ड संस्था की कंडी ान्ज पुरी न होने के बावजुद भी 5 लाख रूप्ये की ग्रांन्ट दी गई है।? क्या ग्रान्ट देते वक्त कोई ऐसी भार्त लगाई गई थी कि अगर यह पैसा सही तौर पर इस्तेमाल नहीं किया गया तो वापिस करना पडेगा?

चौधरी भजनलाल: अध्यक्ष महोदय, जब अनुदान देते हैं तो बहुत सी बाते देखते हैं क्या उन के पास जमीन मौजूद हैं या

नहीं हैं क्या ऊपर कुछ पैसा खर्च किया गय है या नही किया गया हैं? इन सारी बातों को देखकर जब सरकार की तसल्ली हो जाए तब हम अनुदान करते हैं (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अब भी बहुत सी संस्थाएं ऐसी हैं जो रजिस्टर्ड नही हैं लेकिन देखना यह होता हैं कि आया ये संस्थाएं ठीक चल रहीं हैं या नहीं संस्था का परचज क्या है। इससे प्रांत के लोगों को प्रान्त के पढने वाले बच्चों को क्या लाभ मिलने वाला है। ये सारी बाते देखकर हमने भारत सरकार को इस संस्था को मान्यता देने के लिए रिकोमैन्डे ान की थी। हमने सोचा था कि इस संस्था से पढे लिखे बच्चों को आसानी से काम मिलेंगा। (विघ्न) यह बात ठीक हैं कि हमने इस बात की स्वीकृति दी कि ये ये कोर्स आप चालू करे। हमारे आदे ा से ही उन्होने दाखिला भुरू किया हैं (ाोर)

श्री ए0 सी0 चौधरी: स्पीकर साहब जिस तरीके से मंत्री साहिबा ने बताया कि इस संस्था की कमेटी के फलां फलां नाम है। उसको सुनने के बाद मेरे मन मैं एक वहम हो गया हैं कि ये एक ही फैमिली के लोगों के नाम हैं सरकार को इस मामले में तो छानबीन करनी ही चाहिए। यह एक पैक्यूलियर सवाल हैं जो मै मंत्री महोदया से पूछना चाहता हूं(विघ्न)

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, क्या एक ही बिरादरी के लोग इंस्टिच्यू ान रन नहीं कर सकते?

श्री ए0सी0 चौधरी: स्पीकर साहब, मैने कुनबा कहा था बिरादारी नहीं। सरकार इस की इंक्वायरी कराये या न कराये यह इन की मर्जी है (विघ्न)। स्पीकर साहब, मेरा सवाल है कि जिन मां बाप ने अपने खुन पसीने की कमाई से दो हजार रूपये से लेकर सात हजार रूपये तक उस संस्था को अनुदान के रूप मे दिये है इस ख्याल से कि उनके बच्चे पढ लिखकर दे ा की सेवा करेगें। क्या उन बच्चों के बारे में सरकार ने कभी सोचा कि आज के दिन उनका भविश्य क्या हैं? क्या इन्होनें यह चेक किया कि जिस इंस्टिच्यू ान को मान्यता ही नहीं दी गई उसने इम्तिहान कैसे कंडक्ट किये ओर आज के दिन उस इंस्टिच्यू ान से इम्तिहान दिए बच्चों क बारे में इन्होने क्या फेसला लिया हैं? क्या सरकार उन्हे किसी और मन्जूर ाुदा आई टी आई से सर्टिफिकट दिलवा करके उनका भविश्य रो ान करेगी?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हम बच्चों के भविश्य को बिल्कुल उजजवल रखेगे। अगर इस संस्था को मान्यता नही मिली तो उन्हें आई टी आई में दाखिला कर के उनका इम्तिहान दिलायेगे ताकि उन का जीवन खराब न हो।

श्री सागर राम गुप्ता: मुझे इस बात की खु ाी है कि इस इंस्टीच्यु ान से जिन बच्चों का भविश्य खराब हो गया था उनके बारे मे चीफ मिनिस्टर ने कहा हैं कि हम सम्भाल लेगे। चीफ मिनिस्टर साहब ने अभी कहा कि वहां पर 16 कमरे बने हुए हैं मै भिवानी का रहने वाला हूं ओर वही पर रह रहा हूं। वहां का

कंस्ट्रक ान वर्क मेरे नोटिस मे हैं चीफ मिनिस्टर साहब ने जो जगह मुकर्रर की थी वहां पर एक भी कमरा नहीं बना हैं मुझे पता नही कि यह रिपोर्ट इन्हें कहां से मिली है। कि वहां पर कमरे बने हुए हैं मैं चीफ मिनिस्टर महोदय से जानना चाहुगा कि वे कमरे कहां पर बने हुए हैं?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, ये जगह के बारे मे कहते हैं कि कहां बने हैं? मेरे पास इस वक्त नक ाा नहीं हैं जो मैं यह बता सकू कि कहां बने हैं हो सकता हैं जगह चेंज कर ली हो। पहली जगह न बनाए हो लेकिन 16 कमरे बनने में कोई सन्देह नही हैं वे बने हैं ।

श्री भागी राम: क्या यह बात सत्य हैं कि ठाकुर बीर सिंह जो पार्टी छोड कर इनकी पार्टी मे आकर मिनिस्टर बने। ये पांच लाख रूपये की ग्रांट उनकी वजह से दी गई थी? क्या यह भी सत्य है कि वे इस संस्था के मालिक हैं?

चौधरी भजन लाल: इस में कोई दो राय नही कि वे मेरी कैबनिट में मंत्री थे। मैने पिछली बार भी सदन में कहा था कि चोधरी देवी लाल ओर इनकी पार्टी के सदस्य इस पार्टी मे नहीं रहेगे। ओर अगले सैसन में वे जिस पार्टी मे आज बैठै हे उसमे भी नहीं रहेगे। आप बे ाक पिछला रिकार्ड निकलवा कर देख ले मैने ऐसा कहा था ओर जो मैने आज कहा हैं इसे भी नोट कर ले।अगला सै ान भी आ आयेंगा।

चौधरी देवी लाल: स्पीकर साहब, मैं परसनल एकसप्लेने ान तो दे सकता हूं।

श्री अध्यक्ष: जी हां।

चौधरी देवी लाल:.....मै इनको क्या कहू चीफ मिनिस्टर कहूं या लीडर आफ दि हाउस कहूं। इनके लायक ये हैं नहीं लेकिन मुझ पर ये अल्जाम लगाते हैं कि अगली दफा में इस साइड मे नही हूंगा। मैने आज तक गवर्नमैट से टक्कर ली हैं गवर्नमैट को छोडकर अपोजी ान में आया हूं । इनकी तरह से मिनिस्टरी की तरफ नहीं भागा हूं इसलिए मै आउंगा इस में कोई भाक नहीं मैं इधर नहीं रहूगा। मैं अगली दफा उधर आऊंगा ओर सब को भगा दूंगा । (ाोर) मै आप से दरखास्त करता हूं स्पीकर हैं जहां इतनी धांधली मची हुई हैं सारे भिवानी जिले के मैम्बर कह रहें कि कोई मकान नहीं बना। क्या इसकी इंक्वायरी नहीं करवा सकते? अगर आपको इनका डर लगता हैं तो मै आपसे इतना कह सकता हूं कि आपको इंडिपैटैड खडा कर सकता है। ओर आपके मुकाबले मे आदमी नहीं खडा करूंगा। बस मे यही अपनी एक्सप्लेने ान देना चाहता था।

श्री अध्यक्ष: हालाकि क्वै न आवर में कोई परसनल एकसप्ले ान नही हो सकती फिर भी मैने आपको समय दिया हैं ।

चौधरी देवी लाल: इन्होने इल्जाम लगाया। आप तो कह रहे है कि क्वै न आवर में प्वायंट आफ आर्डर भी नहीं होता।

श्री अध्यक्ष: ये रूल्ज मेरे बनाये हुए नहींहैं रूल्ज पार्लियामैट के बनाये हुऐ हैं विधान सभा के बनाये हुए हैं दूसरी बात यह है कि आप सब को यह भी पता हैं कि क्वै न आवर में परसनल एक्सप्ले ोन नहीं होती है। फिर भी सीनियर मैम्बर होने के नाते मैने आपको समय दिया जहां तक इस बात का संबंध हैं कि मै डरता हूं चोधरी साहब, मै आपसे भी कभी नही डरा । जब आप चीफ मिनिस्टर थे। उस वक्त भी मै नही डरा। मैने जूती के ऊपर रख कर आपकी मिनिस्टरी को फैक दिया था। (ाोर) मैने जितना सप्लीमैटरी करने का मोका अपोजी ाीन को दिया हैं उतना किसी को नहीं दिया । इस कवे न पर इधर से तीन मैम्बर्ज को मौका दिया हैं

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेंवाला: बहुत ही निहायत अफसोस की बात है जब चौधरी देवी लाल जैसे सीनियर मैंम्बर से स्पीकर पर अस्प ार्न कास्ट की हैं यह ठीक नही किया यह एक्सपंज होना चाहिए।(ाोर)

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, ये कैसे बोल रहे है?(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: ये पार्लियामैटरी अफेयर्ज के इन्चार्ज है इन्हे भी कहने का हक हैं (ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: बाकी सब कुछ बाते करने से पहले मैं यह दरख्सात करूंगा कि जो चेयर के बारे में अस्प ार्न कास्ट की गइ है वह एक्सपंज कर देनी चाहिए।

श्रीमती चन्दावती: स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान यह हैं कि मुख्य मंत्री जी ने सवालों के जवाब...(ाोर)

श्री अध्यक्ष: क्या इस तरह से हाउस चलने की मैं इजाजत दूंगा? क्या आप मुकेबाजी चाहते हैं ? (ाोर)

श्रीमती चन्दावती: स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान यह थी कि मुख्य मंत्री जी ने क्वै न आवर में विरोधी दल को प्रोवोक किया.....।

श्री अध्यक्ष: यह रिकार्ड न किया जाये।

चौधरी भजन लाल: आपको याद होगा जब उन्होने यह कहा कि ठाकुर बीर सिंह उधर से दल बदलकर चले गये थे। तब मैने दल बदल की बात भाुरू की वरना मुझे आव यकता नहीं थी पहले ये दल बदल की बात करते है। जब भी बोलते हैं दल बदल की बात करते हैं चौधरी देवी लाल ने कहा कि अगली बार तो मैं उस कुर्सी पर बैठूंगा। जब अगली बार आ जायेगे तो देख लेगे।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Utilisation of water from S.Y.L. Scheme

*__593. Ch. Balbir Singh Grewal__: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the total amount of water falling to the share of Haryana under S.Y.L. Scheme;and

(b) whether any water out of the water, as referred to in part(a) above, is already being received in the State; if so, the total quantity of water actually received in the State, during the year 1981-82 1982-83 and 1983-84 separately togetherwith the manner of distribution and utilisation thereof in the State?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):

(a) total amount of surplus Ravi-Beas water falling of Haryana is 3.5 M.A.F.

(b) Yes, The total quantity of water actually received in the State during the years 1981-82, 1982-83 and 1983-84 are:-

1981-82 1.887 M.A.F.

1982-83 1.732 M.A.F.

1983-84(upto Dect. 83) 1.246 M.A.F

The manner of distribution andutilisation of the above water in the State of Haryana are as below:-

year	Utilisation in Bhakra area		WJC including lift canals	Gurgaon Canal	Total utilisation (M.A.F.)
	Tail BML area.	Narwana Br. area.			
1981-82	0.764	0258	0.613	0.252	1.1887
1982-83	0.636	0.215	0.678	0.203	1.732
1983-84	0.482	0.164	0.494	0.106	1.126

Widening and repair of the Roads

***600. Shri. Ram Bilas Sharma**: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to widen and repair the road between Kanina and MOhindergarh;and

(b) if so, the timeby which the aforesaid proposal is likely to materalise?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां, महेन्दगढ कनीना सडक किलोमीटर 0 से 18/10 को चौडा करने ओर मजबूत करने का प्रस्ताव है। सामायन्त मुरम्मत का कार्य चालू है।

(ख) प्रस्ताव अभी विचाराधीन हैं अतः समय अवधि अभी निर्धारित नहीं का जा सकती।

Scheme for Raising the Water Table

***606. Shri. Kitab Singh**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleaded to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to raise the water table of such places in the States where the water has gone down to the extent of forty feet; and

(b) if so, the time by which the said scheme is likely to be limplemented.?

Irrigation and Power Minister (**Ch. Shamsher Singh Surjewala**):

(a) &(b) Since 1974 Ground Water Directorate of Haryana State Minor Irrigation (Tubewells) Corporation has been studying water table fluctuations. According to their study water table has gone down in the following tracts:-

(i)	Abala block	5 to 6 feet
(ii)	Karnal Panipat tract	3 to 4 feet

(iii)	Shahbad Thanesar area	15 to 20 feet
(iv)	Ballabgarh	3 to 5 feet

Main reason would be lack of adquate rainfall to compensate the heavy drawal of sub surface water through shallow tubewells. Their number has increased tremendously.

No special scheme has been formulated. However, 80 syphons capable of contributing about 3000 to 3500 acre feet of water every season have been fitted to Narwana Branch to draw surplus canal water into Augmentation Tubewells.

Draining out of Flood Water in Badli Constituency

***612. Ch. Dhir Pal Singh**: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there any villages in Badli Constituency which are still under flood water; and

(b) if so, the names of all such villages togetherwith the area of land still under flood water and the reasons for not dewatering such areas uptil now?

Irrigation and Power Minister (**Ch. Shamsher Singh Surjewala**):

Yes, there is only village viz Luksar where flood water is (a) & (b) still standing in small area of about 50 acres along Haryana Delhi Border. This could not be cleared because of locked up conditions due to non-construction of Chhudani

Bhupania outfall drain in the adjoining Delhi territory which is the only exit/disposal point available.

Lining of Kichhana Minor

***619. Ch. Nar Singh Dhanda**: Will the Minister forIrrigatioin and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government for lining the Kichhana Minor; and

(b) if so, the time by which it is likely to be done togetherwith the time by which the water is likely to be made available at the tail of the said minor.?

Irrigation and Power Minister (**Ch. Shamsher Singh Surjewala**):

(a) & (b) Yes. There is a proposal under consideration to commence the work of lining of Kichhana Minor during January, 1985 and to complete it by June, the same year.

Appointment of Lok-Ayukat in the State

***634. Shri NIhal Singh**: will the chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to appoint a LOk-Ayukat in the state; and

(b) if so, the time by which the said proposal is likely to materalise.?

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां।

(ख) प्र न नहीं उठता।

Extension of Bus-Stand

*695. Seth Ram Dass Dhamija: Will the Miniser for Transport be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to extend the existing Bus-Stand at Ambala Cantt. and

(b) if so, the time by which the aforesaid Bus-Stand is likely to be extended?

Transport Minister (**Col. Rao Ram Singh**):

(a) yes.

(b) Work on the extension of bus stand Ambala Cantt. is likely to be taken during the next financial year 1984-85.

Free travel by school going children in Roadways Buses

***706. Shri. Fateh Chand Vij**: Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether it is a fact the the travelling facility given to children in the rural areas for going to and returning

from the schools in State Roadways buses has been withdrawn; and

(b) if the reply to part (a) above be in the negative whether it is in the notice of the government that the said children are not allowed to travel in the State Roadways buses for the said purpose; ifso, the steps, if any, taken or proposed to be taken by the Government in the matter?

Transport Minister (**Col. Rao Ram Singh**):

(a) No.

(b) No such complaint has been received.

Registration of Sale-deeds without Stamp Duty

***531. Prof. Samat Singh**: Will the Minister of State for Revenue be pleased to state-

(a) whether any sale deeds were executed in District Hissar without the prescribed stamp duty during the period from January, 1982 to November, 1983;

(b) if so, the number of such sale deeds togetherwith the names and addresses of the concerned persons/societies;

(c) whether any of the sale deeds out of those referred to in part (a) above, have been impounded or are proposed to be impounded; if so, the details thereof; and

(d) whether any action has been taken or isproposed to be taken against the officers/officials responsible for

registering the sale deeds without the prescribed stamp duty; if so, details thereof?

राजस्व राज्य मंत्री (श्री लक्षमण दास अरोडा):

(क) जी हां।

(ख) केवल एक विक्रय प्रलेख क्रंमाक 2441 दिनांक 5.1. 1983 गुरू जम्भेवर सल्फर व गुड एवम् खाण्डसारी उत्पादन औद्योगिक समिति लिमिटिड ढनीमाजरा तहसील फतेहाबाद के हक में लिखा गया था।

(ग) इस मूल विक्रय प्रलेख को मुल रूप में सब रजिस्ट्रार फतेहाबाद द्वारा रोका (इम्पाउड) गया था। भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारी 33 के अधीन इस पर उचित स्टाम्प भाुल्क निधार्रित करने के लिए इसे कलैक्टर हिसार को भेजा गया। इस केस का फैसला दिनांक 2.3ण्1984 को ही चुका है।

(घ) जी नहीं।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री हीरानन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धयान एक जन महत्व के मामले की ओर दिलाना चाहता हूं । आज के अखबार मे आया हैं कि हरियाणा सरकार में पैस्टीसाईन्ज के सिलसिलें में बडा भारी घोटाला है। ओर उसमे अनके

अनियमिततांऐ की गई है। इस खबर कर हैडिंग भजन इन पैस्टीसाईडज हैं (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह: सर, इस के बारे में मैने भी काल अटैन ान मो ान दिया हुआ है। यह एक बडा गम्भीर मामला है।

श्री अध्यक्ष: मै उसको कंसीडर करूंगा।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इन्होनें एक अखबार दिखाकर मेरा नाम लेकर कह दिया इसीलिये मुझे भी इस बारे में कहना पडेगा। (व्यवधान)

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खडे हो गये)

श्री अध्यक्ष: एक मिनट केलिए सब साहेबान बैठ जायं। जो भी चेयर के मुताबिक बाते कही गई हैं। उनको एक्सपंज कर दिया जाये तथा रिकार्ड न किया जाये।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

मुख्य मंत्री द्वारा

मुख्य मंत्री (**चौधरी भजन लाल**): अध्यक्ष महोदय, इन पैस्टीसाईड दवाईयों के बारे मे एक हाई पावर्ड कमेटी के बारे मे आज के अखबार में जिक्र आया हैं यह खबर मैने भी पढी है। अखबार में लिखी हुई बात की अगर हम इस तह में जाये तो ठीक

बात लिखी है। अध्यक्ष महोदय, पहले कया होता था जब दवाईयां या दूसरा कोई सामान हम खरीदते थें। तो बहुत सी पार्टियों मिलकर पूल करके टैडर दे दिया करती थी ओर कान्ट्रैक्ट ऊंचे भाव पर ले जाती थी। सरकार ने यह महसूस किया कि इसके लिए एक हाई पावर्ड कमेटी बनायी जाये जिस का चेयरमैन चीफ मिनिस्टर हो। जिस महकमें के लिए दवाई या कोई सामान खरीदता हैं तो उसे महकमे कां मंत्री वित मंत्री तथा उद्योग मंत्री भी उस कमेटी में मैम्बर होता हैं इसके अलावा उस महकमें का सैक्रटरी ओर हैड आफ दि डिपार्टमैट ये सारे के सारे उस कमेटी मैं आते हैं उस हाई पावर्ड कमेटी की जब कभी मीटिंग होती हैं तो कम से कम 14–15 मैम्बर्ज उस में आते हैं उन सब के सामने सारी बाते आती है। पहले खरीदने का ढंग दूसरा था। हमने एक चीज लेनी है। मान लो तीन पार्टियों ने टैडर्ज भेजे लेकिन तीनों आदमी आपस में पूल करके एक ही रेट दे देते है। मै सदन को यह बताना चाहता हूं और मैम्बर साहेबान कोयह जानबूझकर खु ी होनी चाहिए कि इस हाई पावर्ड कमेटी के बनने के बाद करोडों रूपये का सरकार को फायदा हुआ है जो कि रिकार्ड की बात करता हैं (व्यवधान)

श्री हीरानन्द आर्य: आपको फायदा हुआ होगा। (व्यवधान)

चौधरी भजन लाल: यह रिकार्ड की बात हैं जिन्होनें टैडर दिए हैं अगर उनमें से तीन पार्टीज ने पूल करके 100 रूपये

का किसी चीज का रेट कोट किया है। तो हमने उन पार्टियों में से किसी एक से 80 रूपये के भाव पर वह चीज ली है। सरदार लक्षमण सिंह ती भी यहां पर सदन में बैडे हुए हैं इनके पास भी पहले इन्डस्ट्रीज का महकमा था। अब यह बे ाक मंत्री नहीं है। लेकिन वे भी मेरी इस बात से सहमत होगें कि हमने इस तरह से एक ही आईटम में 20 लाख रूपये का एक ही दिन में स्टेट का फायदा किया हैं हमने तो स्टेट के हित में में काम किया है। लेकिन यह कहते हैं कि साहब, इस तरह हाई पावर्ड कमेटी के सामने जब टैडर आते हैं तो लोग ऊंचे टैडर देने लग गए। इसमें उचे टेडर का सवाल नहीं है। नेगोि ाऐन्ड भी हम सबके सामने बैठकर करते है। फर्ज करो हमने एक च मा खरीदता हैं । एक आदमी अगर कहता हे। कि मै 5 रूपये मे दूंगा तो हम दूसरे से कहते है बोल भाई ते कितने में देगा वह कहता हैं साढे चार मे `दूगा। तीसरा कहेगा कि चार में दूगा। चार रूपये से कम अगर कोई भी आदमी नही ंकरता तो हम चार वाले से ले लेते हैं। ताकि कोई बेईमानी न हो सके। कोई कुरप ान न हो ओर स्टेट का उसमें फायदा हो जाये।

श्री वीरेन्द सिंह: स्पीकर साहब, मैने यह कहा है कि अखबार में जो खबर आई है। इसके बारे में मैने एक डिटेल्ड काल अटैसन मो ान दिया है। मुख्य मंत्री जी ने बोलते हुए यह कहा हैं कि मैने कई करोडों रूपये का स्टेट का पैसा बचा लिया हैं और यह खबर इनको स्पोर्ट करती है। इन्होनें यह फरमाया हैं

कि अगर इसको डीपली पढा जाये तो यह पता चलेगा कि इससे स्टेट को फायदा हुआ हैं हमने एक बार नहीं तीन तीन बार इसको पढा है। स्पीकर साहब, इसमें स्पेसिफिक एलीगे ान्ज है कि जितनी भी फर्मो से नैगो ीिऐन्ज की गयी उन सब फर्मो ने इस कमेटी के बनने के बाद रेट ड्योढे से दुगने कोट करने भाुरू कर दिये है। मुख्य मंत्री जी ने कहा उनसे 10–15 रूपये घटवा लिये होगे। अगर वह पहले किसी चीज को 118 रूपये के भाव पर सप्लाई करते थे। तो अब उसे 155–156 रूपये के भाव से देना भाुरू कर दिया हैं इसके अलावा एक आइटम हे। जिसके बारे में रूल्ज यह कहते है। कि हरियाणा बेस्ड फर्म्ज द्वारा अपने यह चीज सप्लाई होनी है। तो उस फर्म को प्रैफरेन्स दिया जाता है। लेकिन उस फर्म को इग्नोर किया जाता है। जिस फर्म ने हाईएस्ट रेट दिया है। वह मल्टी ने ानल फर्म है। उसने इन्होनें डील किया हैं करोडों रूपये का घपला हुआ हैं करोडों रूपयो ये खा चुके है। लेकिन आज कहते है कि हमने करोडों रूपए बचा लिए हैं

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, इन्होनें यह कहा हैं कि करेाडों रूपए का घपला है। अगर यह साबित कर दे तो मैं अपना इस्तीफा दे दुगा।

श्री वीरेन्द सिंह: स्पीकर साहब, इस बारे में जुडीि ायल इन्कवायरी करा ले। हाई कोर्ट के जज से इन्कवायरी करा ले। अगर हमचार्ज न प्रूव कर सके तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

चौधरी भजन लाल: इसमें एक आदमी की बात नहींहै। हाई पावर्ड कमेटी बाकायदा सब बाते देखती है। सबके सामने बैठकर बात होती है। (व्यवधान) छाज तो बोले छलनी क्या बोले जिसमें हजारों सुराख हो। आपने कहा कि स्टेट में लगी हुइ फर्म्ज को प्रैफरैन्स नहीं दिया गया। मैं यह बताना चाहता हूं कि स्टेट बेस्ट फर्म्ज को हम पहल देते है। अगर उसके रेट 10 प्रति ात ओरो से ऊंचे भी हो तो भी उनको प्रैफरैन्स दिया जाता है। (व्यवधान)

(इस समय बहुत से मैम्बर्ज बोलने के लिए खडे हो गए)

श्री अध्यक्ष: जब मैं आपको बोलने के लिए पूरा टाईम देता हूं फिर भी आप ऐसे करते हैं मुझे एक बात बता दीजिए कि जब मै टाईम दूं तो पहले किसको दूं। आप की पार्टी/गुप के मैम्बर्ज में कोहीजन नहीं है। ओर न हीं कोई डिसिप्लिन हैं । सारे मैम्बर्ज खडे होकर एक साथ ही बोलना भाुरू कर देते है। एक और बात है मुझे आज बार बार देखकर बडी हेरानी हो रहीं है। कि हाउस में कोई डैकोरम नही है। एलीगे ान लगाने के बारे में यहां तक बात हुई है कि मेरे तक भी मैमबराज पहंच गये हैं मैं यह चाहता हूं कि सारा काम रोक कर पहले इस बात को देख लिया जाये कि कितने सप्लीमैट्रीज किस किस मैम्बर को अलाऊ किये गये है।

Shri Verender Singh: Sir, we are satisfid with the time you are giving to us. (interruptions)

श्री अध्यक्षः वे मैम्बर जो इतने पुराने लीडर हैं वे खडे होकर मुझे यह कर दे कि मै गवर्नमैट को स्पोर्ट करता हू ओर अपोजी ान को अपोच कर रहा हूं यह बडे ही अफसोस की बात हैं चौधरी साहब, आपकी बात सुनकर मेरे जिस्म में आग लग रही है। आप यह बात कैसे कहते हो? अगर आप यह बात ठीक समझते हो तो रिकार्ड चैक करवा ले (व्यवधान)

चौधरी देवी लालः आप हर बात को एक्सपंज कर रहे हो।(व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जो एकसपंज करने वाली बात होगी वह जरूर एक्संपंज होगी। दूसरी बात इन्होनें यह कह दी कि हम आपको बनायेगे। तभी बनाओगे जब मै बनने के लिये तैयार हूंगा। तो सब की बात हैं बाहर बात कर लेगें आपने मेरे पास अपने भाई को मुझे चीफ मिनिस्टर बनाने के लिए भेजा था। मैने उस वक्त भी आपको औफर ठुकरा दी थी। कि मैं आपकें बनाया हुआ चीफ मिनिस्टर बनने के लिये तैयार नहीं हूं आपका भाई चोधरी साहब राम मेरे पास आया ओर कहा कि मुझे देवी लाल ने भेजा है हमारे पास इतने एम0 ए0 एज0 हैं । कांग्रेस के मैम्बर्ज टुट कर आ रहे हैं । हम आपको चीफ मिनिस्टर बनाते है। मैने आपकी वह आफर ठुकरा दी थी। आज मै आपको बताता है। (व्यवधान)

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, हाउस में चीफ मिनिस्टर के खिलाफ इतने बडे एलीगे ान लग रहें है। ओ

भिवानी जिले के सारे के सारि एप0 एल0 एज0 यह कहते हे। कि वहां पर कोई मकान नहीं है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मै ईमानदारी के साथ इस कुर्सी पर बैठकर यह कहता हूं कि चोधरी साहब राम को इन्होनें मेरे पास भेजा था कि मै ओर कांग्रेस के कुछ मैम्बर्ज जिनक नाम उन्होनें लिये थें अपने साथ ले आऊं ताकि यह मुझे चीफ मिनिस्टर बना दे । मैने कहा कि ऐसी चीफ मिनिस्टर को मै ठुकराता हूं मै चौधरी देवी लाल के साथ मिनिस्टर रहना पसन्द नही करता तों मै। चीफ मिनिस्टर कैसे मन्जुर करूंगा? (व्यवधान) चौधरी साहब राम यह कह दे कि यह बात गलत है। (व्यवधान)

चौधरी देवीलाल: स्पीकर साहब, आपने भाोर मे उस चीज को भी गुजार दिया कि रूलिंग पार्टी के लोग यह कहते हैं कि वहां पर कोई मकान नहीं है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैने इधर से श्री सागर राम गुप्ता को बुलाया चौधरी सुरेन्द सिंह को बुलाया ओर श्री ए0 सी0 चोधरी को बुलाया। आपके मैम्बर्ज को भी बुलाया फिर भी आपकी तसल्ली नहीं हुई है।?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं यह कहना चाहता हं कि चोधरी वीरेन्द सिह जी ने डाक्टर साहब ने ओर कुछ दूसरे सदस्यों ने पैस्टीसाईज की खदीद के बारे में काल अटैन् ान मो ानज दिये हैं । आपने

उनको न तो अभी एडमिट किया ओर न रिजैक्ट ही किया हैं । उससे पहले सारा कुछ लिखकर देने के बावजूद क्या कोई मैम्बर खडा होकर यहां पर उसके बारे में कुछ कह सकता है? दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं । कि चौधरी देवी लाल ने चेयर के बारे मै एस्प ार्न कास्ट की है वह एक्प ार्न होनी चाहिऐ।

श्री अध्यक्ष: उसके बारे में मैने पहले ही कह दिया है।... .....

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: एक बात इन्होनें मैम्बर्ज के बारे मै यह कह इसको भी एक्प ार्न करना चाहिऐ।

चौधरी देवीलाल: मैने गलत क्या कहा है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल ने जो कुछ कहा है। वह एकप ार्न होना चाहिए। (व्यवधान)

चौधरी देवी लाल: हाउस में आकर क्या करे?(ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, मैं अपनी बात खत्म करने के पहले एक बात कहना चाहता हूं । जैसे कि आपने फरमाया कि इन्होनें अपना भाई आपके पास भेजा हैं यह कोई नहीं बात नहीं हैं। यह एक वक्त मे दस आदमियों भेजते हैं यह इनका पुराना रवैया है। (ाोर)

विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

श्री मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, आज पौने बजे मैने दो काल अटैन्ा न मो ाज दिये थें। इंडियन ऐक्सप्रैस के फंट पेज पर न्युज आइटम हैं Bhajan in pesticides deals इसके नीचे लिखा हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जो काल अटैन्ा न मो ाज आपने दिये है वे मेरे पास अभी नहीं आऐ है। There should be no reading of the newspaper.

चौधरी भाम ोंर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत के बगैर जो कोई बोले वह रिकार्ड नहीं चाहिए। चोधरी देवी लाल आपकी इजाजत के बगैर बोले हैं यह रिकाार्ड नहीं होना चाहिए।(ाोर)

चौधरी देवी लाल: आप मिनिस्टर ओर चीफ मिनिस्टर के कहने पर हाउस में हर बात को ऐक्सपंज कर दें यह कहां तक ठीक है। ? (ाोर)

श्री अध्यक्ष: जब मैं आपको आर्डर करूंगा फिर मुझे कहना (ाोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जो मेरी परमि ान के बगैर बोला गया है।वह रिकार्ड नहीं हेागा है।

श्रीमंगल सैन: दूसरे पैराग्राफ में लिखा हैं..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, नो प्लीज। कल भी यह बात हुई थी । कि क्या कोई आनरैबल मैम्बर अखबार पढ सकता हैं। ओर आपने खुद ही कहा था कि नहीं पढ सकता हैं आप जो पढना चाहते हैं ओर उसी सबजैक्ट पर आपने काल कटैक्सन मो ान भी दिया इसीलिए जो आप कहना चाहते हैं जबानी कह सकते है। (ाोर)

श्रीमंगल सैनः स्पीकर साहब, हाई पावर्ड कमेटी बनाने के बावजुद मालप्रैक्टिस रूकी नहीं है। भ्रश्टाचार रूका नहीं है। पहले से मंहगी दवाई ली जा रही है। पूना की एक फर्म का लोएस्ट टैन्डर था उससे नहीं खरीदी गई है। बल्कि एक मल्टी नै ानल फर्म है। जिसका टेन्डर हाइऐस्ट था उससे खरीदी गई। है। दूसरा मेरा काल अटैन् ान मो ान यह है। कि सरकार ने 95 परसेनट ग्रान्ट कालेसिज के लिए दी थी लेकिन सरकार ने 33 परसेन्ट कट लगा दी हैं इस वजह से सारे टीचर में मैनजमैट में आम जनता में ओर स्टडैन्टस में बडा भारी अनरैस्ट है। ऐसा क्यों किया गया है। इस बारे में इनको स्टेंटमैट देना चाहिए। स्पीकर साहब, मुझे माफ करे। आज आपकी तरफ से कुछ ऐसी बाते आ रही हैं जो अच्छी नहीं लगरही है।। अगर चौधरी देवीलाल ने कोई एतराज उठाया है। तो सारे हाउस को उस बारे में सैटिसफाई किया जाए जिससे बाहर यह इम्प्रेरूान जाए कि हाउस बहुत अच्छी तरह से चल रहा हैं यह आपका पर्सनल मामला है। कि आपके पास कौन गया था और आप किसके पास गये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मै बता देता हूं कि इस क्वै न के ऊपर अपोजीसन ने कितने सप्लीमैटरी पूछे यह आप रिकार्ड से देख सकते है। चौधरी सुरेन्द्र सिंह भिवानी के हैं श्री सागर राम भी भिवानी के है और उधर से श्री ए0 सी0 चोधरी किसी ने भी कोई सरकार के हक में बात नहीं कहीं। आप मुझे से सहमत होंगें। कि कौन सा मैम्बर कैसे बोलेगा। क्या बोलेगा इसका मुझे पता नहीं होता । मैने कोि ा ा की कि जयादा से ज्यादा मैम्बर्ज इस सवाल पर सप्लीमैटरी पूछ सकें ओर उनको टाईम दिया जाऐ। फिर भी कोई आनरेबल मैम्बर खडा होकर यह कह दे कि आप गवर्नमैट को स्पोर्ट कर रहे है। यह कहां तक ठीक है। मैं कोई धर्मात्मा सन्त या पुजारी तो हु नही। (ाोर)

श्रीमंगल सैनः हम आपसे आ ाा करते हैं..... (व्यवधान)

श्रीअध्यक्षः मै ऐसा इन्सान तो हूं नहीं कि अपनी इंसल्ट करवा कर बदा ात कर लूं। चौधरी साहब को ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए थी। (ाोर)

श्रीमंगल सैनः आप बार बार फरमाते हैं कि मै अपोजीसन वालों को टाईम देता हूं आप तो बडे कामयाब वकील रहे है। क्या सरकारी बैन्चिज पर बैठने वाले अपने घर का पर्दा उठा कर देखेगें कि क्या हो रहा हैं? वह तो अपोजी ान वालें मैम्बर ही पूछेगे? (ाोर)

श्री अध्यक्षः मै तो अपोजीसन वालो को ही टाईम दे रहा हूं।

श्री मंगल सैनः अपोजी ान के मैम्बर्ज तो पूछेगें ही।

श्रीरामबिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, कल आपने फरमाया था कि जो मैने गौड ब्रंहामण कालिज के बारे में काल अटै ान मो ान दी हैं उसको मै कंसीडर कर रहा हूं (ाोर)

श्रीम अध्यक्षः वह मैनें डिसअलाउ कर दिया है।

श्रीराम बिलास भार्माः उसका जवाब मेरे पास नहीं पहुचा हैं (ाोर) मुख्य मंत्री जी इस कालेज के लिए सात लाख रूपय की ग्रान्ट देने का एलान करके आए थे लेकिन अभी तक नहीं की है। इन्होनें खुद मंजूर की थी। (ाोर) कालेज के प्रोफेसर को तनखाह नहीं मिल रहीं है। उनमें असन्तोंश हैं

श्री अध्यक्षः जब मैने आपको कह दिया कि वह मैने डिसअलाउ कर दी हैं तो आप बैठ जाइये । प्रोफैसर्ज को तनखाह मिलना न मिलना यह तो डे टु डे वर्किग की बात हैं । (ाोर)

श्रीम मंगल सैनः जब ग्रान्ट के लिए एलान किया था तो वह गांट मिलनी चाहिएं।

श्री अध्यक्षः तनखाह न मिलना काल अटैन्ा ान मो ान का सब्जैक्ट नहीं बनता। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: मैने कट मो ान्ज दी तो आपके आफिस ने जवाब दे दिया है कि कट मो ान्ज का आब्जैक्ट नहीं दिया गया । मैने कट मो ान्ज को डिसकस करने का आब्जैक्ट लिखा था। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: वह डिसअलाउ कर दिया हैं। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरी डिमांड्ज के ऊपर कट मो ान्ज थी वह भी डिसअलाउ कर दी। मेरे बहुत सारे क्वै न थें वह भी रिजैक्ट कर दिये। इसी तरह काल अटैन्ा न मो ान दिये थे उनके बारे में भी वेग जवाब लिखकर भेज दिया हैं । (ाोर)

श्री अध्यक्ष: जब रूल्ज परमिट नहीं करते थे तो सवाल ओर काल अटैन्ा न मो ान्ज कैसे एडमिट किए जा सकते थे? जहां तक कट मो ान्ज का ताल्लुक है वे विद इन टाईम नहीं दी गई थीं क्योकि जितना टाईम परस्क्राईब्ड हैं उसके मुताबिक नहीं दी गई थीं । इसीलिये ये डिसअलाउ कर दी गई है। ओर मैने रूल भी कोट किया है इसमें दो तीन रीजन्ज लिखे हैं ।

श्री राम बिलास भार्मा: आपने रूल 194 लिखा हैं।

Mr. Speaker: I have disallowed the notices of cut motions on the following grounds:-

(i) the notice is not in time as required under Rule 194(2).

(ii) the objects of thecut motions are not specific as required under Rule 195 (1); and

(iii) the hon.Member should have given notice of each cut motion for each demand separately.

Shri Ram Bilas Sharma: Sir, on a point of order.

Mr. Speaker: I have given my ruling. Please of order.

श्री राम बिलास भार्मा: मुझे जो जवाब मिला है। उसमें कुछ ओर लिखा हैं (ाोर)

श्री अध्यक्ष: मैनें रूलिंग दे दी हैं । (ाोर) अब आप बैठिए।

श्री राम बिलास भार्मा: आप कुछ फरमा रहं है। ओर आप का औफिस कुछ कहता हैं ।

श्री अध्यक्ष: जो कुछ भी मैने कहा हैं वहीं औफिस ने लिख कर भेजा हैं। जो मैने रूलिंग पढी हैं अगर उससे आपका डिफरैस है। तो मेरे पास 11.30 बजे चैम्बर में आ जायें We will discuss it.

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मैं एक महत्वपूर्ण बात की आरे आप का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि 23 तारीख को पुलिस स्टे ान सिवानी मैं एक डाक्टर को बुलाकर ओर बन्दूक की

नली दिखा कर सर्टिफिकेट लेना चाहा। (ाोर) इस पर मैने एक अटैन ान मो ान दिया था।

श्री अध्यक्ष: उस पर मैनें 24 घंटे के अन्दर अन्दर गवर्नमैट के कमैन्ट्स मंगवाए है।

प्रो0 सम्पत सिंह: इस संबध मे मैनें भी एक काल अटैन ान मो ान दी थी। बन्दूक की पर सर्टिफिकेट.....

श्री अध्यक्ष: मैनें कमैन्टस मंगवाए है।

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मेरी एक ओर सबमि ान हैं सरकार कालेजिज को 95 परसैन्ट ग्रान्ट देती है। मैनजमैट वाले कहते है। कि उस पर 33 परसैनट की कट लगा दी है। लेकिन यह सरकार कर रही है। कि नहीं लगाई है। इसको क्लीयर कर दे कि कोन सी बात ठीक है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: एक ही प्वायंट पर आप दोनों कैसे बोल रहे है। (व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंह: ये कल की कह रहे थे कि कट नही लगाई है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब,मैने एक्सीअन पब्लिक हैल्थ जीन्द के बारे में काल अटैन ान मो ान

दिय था। वहां पर 25 करोड़ के लगभग घपला हुआ हैं मै अपनी काल अटैन ान मो ान का फेट जानना चाहता हूं कि उसका कया बना?

श्री अध्यक्ष: इस पर मैने सरकार से कमैन्ट्स मंगवायें है।

चौधरी बलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, वक्फ बोर्ड की जमीन के बारे में मैने एक काल अटैन ान मो ान दे थी। वह जमीन एक ही आदमी के पास हैं ओर वह उसका मिसयुज कर रहा है। इस बारे में बता दीजिए क्या बना।

श्री अध्यक्ष: इस पर भी मैने 24 घंटे के अन्दर अन्दर कमैन्ट्स मंगवाये है।

श्री लक्षमण सिंह: स्पीकर साहब, पैस्टीसाइड दवाई खरीदने के सिलसिले में टैन्डर आये थें। ओर यहां पर कहा गया कि इसमें सरकार को नुकसान हुआ है। मैं यह बताना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय की हाजिरी में ओर भी बहुत से अफसर वहां मौजुद थे। मेरी नेगोि ाऐ ान से सब कुछ हुआ रेट घटे है। ओर सरकार को 20–25 लाख रूपये का फायदा हुआ है। इसी प्रकार पंजाब को भी भाायद 50 लाख रूपये के करीब फायदा हुआ है।

श्री अध्यक्ष: ठीक है। यह अच्छी बात है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

चौधरी देवी लाल द्वारा

चौधरी देवीलाल: स्पीकर साहब, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है। आपने मेरी बावत यह कहा हैं कि मैनें अपने भाई को आपके पास भेजा था। यह आपकी बात बिल्कुल गलत है मैने कभी भी किसी को आपके पास नहीं भेजा। (विघ्न) आप के बारे में मे स्पीकर साहब, जो कुछ मैनें कहा हैं वह बिल्कुल ठीक ही रहा है कोई गलत नही कहा है। आप हर मामले में हर बात को एक्सपंज करवादेते हैं ओर प्रोसीडिगज मैं नहीं आने देते। जो कुछ यहां पद कहा जाता हैं वह सब कुछ हाउस की प्रोसीडिगज में आना चाहिऐं क्योकि पब्लिक सब कुछ सुन रहीं है। प्रैस भी यहां पर बैठी है अगर आप इस तरह से हाउस की प्रोसीडिगज को एक्सपंज करवाते रहेगें तो सरकार के खिलाफ पब्लिक ओपीजसन केसे बन पाएगी? (ाोर) मैने कहा वह कोई गलत बात नहीं है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, मैं जो कुछ इस हाउस मै बैठकर करता हूं वह कोई अन्धेरी कोठरी में बैठकर नही करता, उसको पब्लिक भी देखती है। प्रैस भी देखती है। ओर आनरेबज मैम्बर्ज भी देखते हैं। मुझे यह कहने में बिल्कुल भी हिचकचाहट नहीं हैं कि लीडर आफ दा अपोजीसन ने मुझे 10 दफा आकर यह कहा है कि आपकी तरफ से कोई कमी नहीं है। अगर हमारे

मैम्बर्ज ठीक ढंग से बात नहीं करते हो हम आपके ऊपर किसी बात का गिला नहीं कर सकते । दूसरी बात आपने यह कही है। कि मै यहां होने वाली हाउस की प्रोसीड्डिगज को एक्सपंज करवा देता हूं । कोई ऐसी बात जो एक्संपज न होने वाली मैने एक्सपंज करवायी हो तो आप बता देवें। आपको मैं बताना चाहता हूं कि पीछे अखबारेां में भी यह आया था कि स्पीकर हरियाणा ने बैस्ट कंडक्ट किया है। तो आप चेयर के बारे में ऐसी बाते कैसे कह सकतें है?

श्रीमती चन्दावती: स्पीकर साहब, मैं एक बात बताना चाहती हूं हमने पहले भी कहा है। कि हम किसी भी हालत में चेयर से झगड़ा नहीं लेना चाहते है। हम तो सरकार के गलत कामों पर सरकार से लडने के लिए नोटिस संरक्षण चाहते है। आप हमें इसके लिए संरक्षण दे। मै कई बार आपके नोटिस में भी लायी हू कि फलां फलां मिनिस्टर साहब उठकर झट से यूहीं कह देते है।कि स्पीकर साहब, यह यह भाब्द एक्सपंज होने चाहिए। ओर हाउस की कार्यवाही मे से निकाल दिये जाने चाहिए। फला फला भाब्द हाउस की कार्यवाही का पार्ट नहीं बनने चाहिएं। वगैरह वगैरह जनाब मैं यह कहना चाहताी हूँ कि हाउस की कार्यवाही में से किसी ऐसे वेसे वर्ड को एक्सपंज करने के लिए हाउस के रूल्ज एंड रैगुले ान की एक किताब बनी हुई है। जिसके आधार पर एक्सपंज किया जाता है। कम से कम उस किताब को आधार माने कर हाउस की कार्यवाही चलनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष: बहन जी, आप मुझे एक भी ऐसी इन्टान्स बता दीजिएगा कि फलां फलां जगह पर फंला वर्ड यू ही एक्सपंज करवाया जाता है।

चौधरी चन्दावती: स्पीकर साहब, सर इन्सटान्स तो मुझे याद नहीं लेकिन मैनें कई बार आपके नोटिस में ये सारी बाते लाने का प्रयत्न किया है। और कहा भी है कि ये भाब्द यू ही एक्सपंज करवाये जा रहे है। मैं ईमानदारी से कह रही हूं।

श्री अध्यक्ष: अब आप बैठिए।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

सब स्टैडर्ड आयुर्वेदिक औशधियां खरीदनें संबंधी।

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, मुझे श्री किताब सिंह एम0 एल0 ए0 की तरफ से सब स्टेडर्ड आयुर्वेदिक मैडीसन्ज के बारे में एक काल अटैन ान मो ान का नोटिस मिला है। मै। इस एडमिट करता हूं। आनरेबल मैम्बर कृपया अपना नोटिस पढ़ ले। उसके बाद महोदय, आज कोई जवाब देना चाहे तो दे दें।

श्री किताब सिंह: मैं सरकार का ध्यान एक अत्यधिक जन महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि उद्योग विभाग हरियाणा ने अनुसुची ए टैन्डर नोटिस नं0 14/1982–83, टैण्डर का क्रंमाक जी0एल/आर0सी/ 568/82–83 तथा टैन्डर खुलने की तिथि की दिनांक 7.10.82 के 2.00 बजे मध्याह्न प चात तक

थी। द्वारा आयुर्वेदिक ओशधिाए जो कि किट में संख्या में चौबीस थी ऊंचे टेण्डर पर खरीदी जबकि दोनों ओशधियों जाति फलादि बटी तथा कपूर इस प्रयोग ाला में टैस्ट करने पर सब स्टैर्डड की पाई जाती है। अतः सरकार को इस प्रंकार की घटिया किस्म की दर्वायां नहीं खरीदनी चाहिए। क्योंकि इस मे जीवन का सवाल है। अतः सरकार मामले की जांच करवा के दोशियों को सजा दे तथा इस बारे में सदन को सुचित करे।

वक्तव्य–

उद्योग मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्याानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

उद्योग मंत्री (श्रीमती भाकुतला भगवाडिया): आयुर्वेदिक औशधिओं की किटों की पूर्ति हुते वार्शिक दर संविदा करने के लिए प्रैस विज्ञापन द्वारा निविदायें मंगवाई गई थी जोकि 8.10.82 को खोली गई थी। कुल मिलाकर निम्नलिखित 14 निविदाताओं ने इसमें अपने दर दिये:–

1	मै0 जन कल्याण आयुव्रेदिक फार्मेसी हरिद्धार	रू0 54–80 प्रत्येक
2	मै0 अतरी आयुर्वेदिक फार्मेसी बेरूत	रू0 54–95 प्रत्येक
3	मै0 संजीवनी रिसर्च लैबोरेट्री गोहाना	रू0 58–80 प्रत्येक
4	मै0 भारत आयुर्वेदिक फार्मेसी अमृतसर	रू0 60–00 प्रत्येक

		लेस कमीसन 3परसैन्ट
5	मै0 हिमाचल ड्रगफार्मा अमृतसर	रू0 62—00 प्रत्येक लेस 2परसैन्ट डिसकाउट
6	मै0 का ामीर आयुर्वेदिक वर्कस अमृतसर	रू0 62—60 प्रत्येक लैस 2 परसैनट डिसकाउट
7	मै0 दिल्ली स्टेट इण्डसट्रीयल डिवैपलपमैट कारपोरे ान लि0 नई दिल्ली	रू0 63—60 प्रत्येक
8	मै0 परभात आयुर्वेदिक फार्मेसी अमृतसर	रू0 68—50 प्रत्येक
9	मै0 योगी फारमेसी हरदबार	रू0 69—69 प्रत्येक
10	मै0 नव ाक्ति आयुर्वेदिक प्राईवेट लि00 भुसावल	रू0 71—68 प्रत्येक
11	मै0 ि ावालिक ड्रग कंखल (हरिद्धार)	रू0 75—10 प्रत्येक
12	मै0 पंजाब स्टेट समाल इण्डस्ट्रीज कारपोरेसन लि0 चण्डीगड	रू0 94—00 प्रत्येक (सेल टैक्स सहित)

13	मै0 धनवन्तरी आयुर्वेदिक फारमेंसी अमृतसर	रू0 94–00 प्रत्येक (सेल टैक्स सहित)
14	मै0 जण्डु फारमैसटीकल वर्कस लि0 मुम्बई	रू0 103–65 प्रत्येक लैस 1 परसैनट डिसकाउंट यदि अदायगी 30 दिन के अन्दर की जावें।

2. उपरोक्त अनुक्रंमांक 1 से 7 पर दी गई पहली 7 पार्टियों की निविदाओं का तकनीकी निरीक्षण आयुर्वेदिक वि ोशज्ञों एवम निदे ाक स्वास्थ्य सेवओं के 18 प्रतिनिधियेां द्वारा दिनांक 25.10.82,29/30.11.82, 12/13.01.83 और 27.1.83 की बैठकों में किया गया। फर्मो द्वारा दी गई निविदाओं तथा नमूनों का गहन निरीक्षण करने के उपरान्त तकनीकी समिति ने मै0 हिमाचल ड्रग फर्मा अमृतसर तथा मै0 का मीर आयुर्वेदिक वर्कस अमृतसर की निविदाओं को एन. आई. टी. की वि ाशिठयों के अनुसार पाया। निम्निलिखित 4 फर्मो जिनके दर इन दो फर्मे के दरों से कम थे। को तकनीकी समिति ने एन. आई. टी. की वि ाशिठयें के अनुसार नहीं पाया ओर इनको रद्द करने की सिफारि ा कीः–

1	मै0 जन कल्याण आयुव्रेदिक फार्मेसी हरिद्धार	रू0 54—80 प्रंति	किटों में 23 दवाईयों मैं से 8 एन. आई. टी. की वि ाश्ठियों के अनुसार नहीं पाई गई।
2	मै0 अतरी आयुर्वेदिक फार्मेसी बेरूत	रू0 54—95 प्रत्येक	24 दवाईयों मैं से6 एन. आई. टी. की वि ाश्ठियों के अनुसार नहीं पाई गई।
3	मै0 संजीवनी रिसर्च लैबोरेट्री गोहाना	रू0 58—80 प्रत्येक	24 दवाईयों मैं स `16 एन. आई. टी. की वि ाश्ठियों के अनुसार नहीं पाई गई।
4	मै0 भारत आयुर्वेदिक	रू0 60—00	9 दवाईयों मैं

	फार्मेसी अमृतसर	प्रत्येक लेस कमीसन 3परसैन्ट	से8 एन. आई. टी. की वि ाश्ठियों के अनुसार नहीं पाई गई।

3. इस संबंध में विभिन्न निविदाओं की ओर से प्रतिवेदन भी प्राप्त हुये जिन पर विचार करने के प चात कोई सार नहीं पाकर रद्द कर दिये गये।

4. 21.3.83 को राज्य सरकार ने इन दो फर्मो में हिमाचल ड्रग फार्मा अमृतसर ओर मैं0 आयुर्वेदिक वर्कस अमृतसर के साथ 62.60 प्रति किट लैस 2 परसैनट डिसकाउंट पर दर संविदा करने की अनुमति प्रदान कर दी ओर दर संविदा 29.3.83 को जारी कर दिया गया। यह दर संविदा 31.3.84 तक लागू है।

5. निदे ाक स्वास्थ्य सेंवायें हरियाणा ने इस दर संविदा कें आधार पर इन दोनें फर्मा पर बराबर बराबर अनुपात में 25525 आयुर्वेदिक ओशधियों किटों का पूर्ति आदे ा 29.3.83 को इस भार्त पर दिया कि 31.3.83 को माल वे प्रस्तुत करेगे उसी का ही निरीक्षण किया जायेगां

6. तदानुसार 5 आयुर्वेदिक वि ोशज्ञों तथा निदे ाायल स्वास्थ्य सेवाओं के दो अधिकारियेों को इन फर्मो की फारमेसियों

में निरीक्षण हेतु भेजा गया और उनहोने 16200 किटों का निरीक्षण किया । ओर उन्हें पूर्ण रूप से विि ाश्ठियों के अनुसार पाया जिन्हें स्वीकार किया गया है। इन किटों का कुल मूल्य रू0 10,30,288.88 था। यह फण्डज भारत सरकार द्वारा एक हैल्थ गार्डन योजना के अन्तर्गत राजय सरकार को दिया गया था ओर इसका प्रयोग 31.3.83 तक किया जाना आव यक था इसलिए यह राि ा तसदीक भुदा बिलों के आधार पर खजाने से निकालवा ली गई परन्तु वास्तव में फर्मों को इस राि ा की अदायगी 28.4.83 को की गई थी । जब फर्मों ने सारा माल सभी सम्बधित मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पहुचा दिया था।

7. एक आयुर्वेदिक औशधियेां की किट में 24 दवाईयां होती हैं जिनमें जाति पलादी गुटी तथा करपूरस भी भाामिल हैं दर संविदा के साथ आई हुइ फर्मों ने अपनी निविदाओं के साथ जो नमूने प्रंस्तुत किए उनमें पाई गई उपरोक्त वर्णित दो दवाईयों को गवर्नमैट ऐनालिस्ट हरियाणा से वि ालेशण करवाया गया था। तकनीकी समिति द्वारा यह दोनों निविदोओं इन टैस्ट रिपोर्ट के आधार पर विि ाश्ठियों के अनुसार पाई गई । यह किटें आयुर्वेदिक वि ोशज्ञों द्वारा पूर्ण निरीक्षण के प चात ही खरीदी गई थी। ओर यह कहना बिल्कुल निःसार हैं कि निप्न स्तर की दवाईयां सरकार द्वारा खरीदी गई है। अतः किसी कर्मचारी के विरद्ध किसी प्रकार की कार्यवाही करने का कोई प्र न नहीं है।

श्री किताब: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदया ने बताया कि मै0 जन कल्याण आयुव्रेदिक फार्मेसी हरिद्धार मै0 अतरी आयुर्वेदिक फार्मेसी बेरूतमै0 संजीवनी रिसर्च लैबोरेट्री गोहानामै0 भारत आयुर्वेदिक फार्मेसी अमृतसर की औशधियां ठीक नहीं पाई गई । क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि इन चार फर्मों की औशधियों के अलावा दूसरी फर्मो की औशधियेां ट्रैस्ट क्यों नहीं करवाई गइ? दूसरे ऊंचे रेट पर दवाईयां क्यों खरीदी गई? इसके साथ ही साथ यह भी बतायें कि यह दवाईयां किस लैबोरेटरी में किस तारीख को टैस्ट हुई और उसकी रिपोर्ट क्या है।

श्रीमती भाकुतला भगवाडिया: अध्यक्ष महोदयख जिन अधिकारियों ने निरीक्षण किया था। अगर वे चाहते है तो मैं उनके नाम बता देती हूं इसमें विभाग के टैक्नीकल वि ोशज्ञ उद्योग विभाग के वि ोशज्ञ मैडिकल कालेज के वि ोशज्ञ ओर आई एस आई के वि ोशज्ञ थे। जहां भी आव यकता होती है। हम इन वि ोशज्ञों को बुलाते हैं जहां पद सैम्पल आदि की बात हो वहां चौकसी विभाग के पुलिस उप अधीक्षक भी भाग लेते है। एक किट में 24 सैम्पल होते हैं ओर गोहाना वाली फर्म के 24 मे से 16 सैम्पल ठीक नहीं पाए गय थे। यदि किट मै दो सैम्पल भी खराब हो तो उसे वि ोशज्ञ मानते नहीं है।

श्रीकिताब सिंह: स्पीकर साहब, मैने यह भी पूछा था कि यह दवाईयां किस लैबोरेटी में टैस्ट करवाई गई थी ओर उसकी रिपोर्ट क्या है?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, ये ऐसी दवाइयां हैं जिनको चख कर या सूघ कर टैस्ट करते है। आयुर्वेदिक की दवाईयां को चैक करने के लिए हमने 18 आदमियों की टीम बुलाई जिनमें काबिल हकीम ओर वैद्य भी थे। इन्होनें कहा कि हमने कम पैसों वाली दवाई क्यो नही खरीदी? उसका कारण यह था कि जिन फर्मो के रेट कम थे उनकी दवाइयां पास नहीं हुई वि ोशज्ञों ने चार मीटिगें की । वे अलग अलग से चख करके बताते है। कि दवाईयां में हर चीज की मिकसदार ठीक हैं या नहीं ै दवाई सही है। या नही। उन्होने कह दिया कि ये दवाईयां ठीक नहीं है। इसीलिये हमने उन फर्मो से दवाईयां न लेकर दूसरों से 62.60 रूपये के हिसाब से ली। यह दवाइयां का मामला है। अगर ठीक दवाई न हो तो उसे लेने का सवाल ही नही उठता।

श्री किताब सिंह: स्पीकर साहब, यह भी बताएं कि किस लैबोरेटरी में दवाईयां चैक करवाई गई ओर उनकी रिपोर्ट क्या है?

श्रीमती भाकुतला भगावडिया: यह दवाइयां स्टेट ड्रग लेबोरेटरी चण्डीगड में टैस्ट करवाई थी।

श्रीकिताब सिंह: उस लैबोरेटरी की रिपोर्ट तो दिखा दे।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, ये हमारे आफिस में आ जाये वहां इनको रिपोर्ट दिखा देगे।

श्रीकिताब सिंह: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कहा कि इन दवाइयां की चख कर या सूंघ कर देखते हैं क्या चख कर मुआवना हो जाता है।

चौधरी भजनलाल:अध्यक्ष महोदय, मैने जातिपलादी घूटी तथा कपूर रस के बारे में कहा था इनको टैक्नीकल कमेटी ने भी रिजैक्ट कर दिया ओर लेबोरेटी ने भी रिजैक्ट कर दिया ।

श्रीमती भाकुतला भगवाडिया: स्पीकर साहब, इस काम के लिए 8 वैदय बुलाए गय थें ओर वे स्वास्थ्य विभाग के माने हुए वैद्य है। आयुर्वेदिक की कुछ दवाईयां ऐसी होती है जिनमें अफीम की कुछ मात्रा भामिल होती है। वैद्य यह चैक करते हैं कि वह मात्रा सही है। या नहीं। उन वैदयों के नाम डा0 आर0एस0 जैन, सत्य पाल भार्मा, सतय बीर, बलदेव सिंह–

श्रीकिताब सिंह: स्पीकर साहब, नाम तो मैने पूछे ही नहीं थे। मै एक सवाल यह पूछना चाहता हूं कि जो जो दवाईयां खरीदी गई कया उनमें अफीम वगैरह की मात्रा सही निकली?

श्री अध्यक्ष: इन्होनें कहा है कि अगर आप रिपोर्ट देखना चाहते है तो इनके आफिस मे देख ले।

श्रीमती भाकुतला भगवाडिया: तकनीकी कमेटी में जो वि ोशज्ञ बैठते हैं वह इस चीज की जांच करते हैं कि दवाई स्वास्थ्य के लिए कितनी फायेदमंद है। ओर कितनी नुकसानदायक

हैं यदि कोई दवाई नुकसानदायक होतीी हे। तो वह पास नहीं करते चाहे वह दवाई कितनी ही सस्ती हो।

वर्श 1984.85 के बजट की डिमांडज फार गांटस पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान अब वर्श 1984.85 के बजट की डिमाडज फार गांटस पर डिसक ा होगी।

पहली प्रैक्टिस के मुताबिक ओर हाउस का टाईम बचाने के लिए आर्डर पेपर पर रखी गई सभी डिमांड्ज एक साथ पढी तथा मूव की गई समझी जायेगी। आनरेबल मैम्बर किसी भी डिमांड पर बोल सकते है लेकिन बोलने से पहले वे डिमांड का नम्बर बता दे जिस पर वे बोलना चाहते हो।

That a sum not exceeding Rs. 11,51,46430 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No. 2- General Administration.**

That a sum not exceeding Rs. 38,5060,795 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No. 3- Home.**

That a sum not exceeding Rs1,18,11,42,365 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges

that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.9 –Education.**

That a sum not exceeding Rs. 88,69,82,850 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No. 10- Medical And Public Health.**

That a sum not exceeding Rs. 7,73,93,280 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No16- Industries.**

That a sum not exceeding Rs. 15,6957,765 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 20- Forest.**

That a sum not exceeding Rs. 782743200 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 23- Transport.**

That a sum not exceeding Rs. 7200290 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No1- Vidhan Sabha.**

That a sum not exceeding Rs. 40856425 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges

that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 5-Exicse and Taxation.**

That a sum not exceeding Rs. 179519080 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 6Finance.**

That a sum not exceeding Rs. 201159425 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 7-Other Administrative Services.**

That a sum not exceeding Rs. 27840620 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 11- Urban Development.**

That a sum not exceeding Rs. 67303915 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 12- Labour and Employment.**

That a sum not exceeding Rs. 156418215 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 13- Social welfare and Rehabilitation.**

That a sum not exceeding Rs. 20552440 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No. 14 Food and Supplies.**

That a sum not exceeding Rs. 22445380 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 19- Fisheries.**

That a sum not exceeding Rs. 9392175 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No.24 Tourism.**

That a sum not exceeding Rs. 1225063500 for revenue expenditure be granted to the Government to defray charges that will come in thecourse of payment for the year 1984-85 in respect of charges **under Demand No. 25 Loans and Advances by State Goverment.**

श्री ओम प्रका I महाजन(हिसार): माननीय अध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नम्बर 3,9,5 ओर 12 कें बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। सबसे पहले मै डिमांड नम्बर 3 के बारे में कहना चाहूंगा कि जो कि होम डिपार्टमैट के बारे में है। अध्यक्ष महोदय आप भली प्रकार से जानते हैं कि हमारे पडोस मे गुरूयों की धरती पर पंजाब राजय बसता है। वह बलिदानियों की भूमि है। जिसका कण कण हमारे लिए पवित्र ओर पूजनीय है। आज इस धरती को दूशित करने केलिए कुछ नासमझ लोग किन्ही निहित

स्वार्थो के कारण ऐसा ाडयन्त्र रच रहे है। जिसके कारण भाई भाई मे नफरत की दीवार खडी हो रही है। पंजाब पिछले दो सालों से एक जवालामुखी बन कर खडा हुआ है आरे उसकी लपटें चारों ओर फैल रहीं है इसी ज्वालामुखी के धुएं ने हरियाणा के अन्दर भी अपना लकीरें छोडी है। एक बार तो ऐसा एहसास हुआ था कि भाायद सारा हरियाणा ही जल उठेगा। लेकिन मैं हरियाणा सरकार को बधाई देता हूं ओर खास करके अपने मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हू जिन्हानें निहायत सूझबूझ के साथ आतंकवादियों पर इस प्रकार का अकुं ा लगाया हैं मै यही कह सकता हूं कि यह एक चमत्कार हो गया। चमत्कार ऐसा हो गया जैसे एक बिजली का बटन दबाने से एक बडी भारी म ाीन चलते हुंए भाांत हो जाती हैं उसी तरह का भाान्त वातावरण आज हरियाणा के अन्दर है। यह श्रेय जिस व्यक्ति को जाता हैं वह है हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी भजनलाल जी क्योकि जनता के दिलों को जिस आदमी ने जीत रखा हो उसकी बाणी में इतना सामर्थ हो जाता हैं कि वह व्यक्ति जो भी बातें लेागें से कहेगा उसी बात को लोग तरुत मानेगे। मैं ये भाब्द केवल प्रंस ाा के लिए ही नहीं कह रहा हूं और न ही मैं यह कह रहा हूं कि हरियाणा के अन्दर राम राजय आ गया है। ऐसा कहने से तो आति योक्ति होगी। रामराजय के अन्दर भी कुछ आलोचक थे मैं यह कह सकता हूं कि जिस बूझ के साथ हरियाणा सरकार ने इस सारे मामले को कन्ट्रोल किया उसके कारण ही हरियाणा के लोग सुख ओर भाति की सांस ले रहे है। आलोचना ऐसी होनी चाहिए जिसमें कुछ वजन हो ओर दे ा व

प्रदे ा के हित में हो। उपाध्यक्ष महोदय, संसार मै दो प्रकार की वृतियां देखने को मिलती हैं एक साकारात्मक ओर दूसरी नाकरात्मक। जैसे एक किलो भर वजन का लोटा हो ओर उसमे आधा किलों दुध हो। उसको देख कर एक व्यक्ति यह कहेगा कि अरे इसमें तो आधा तो लोटा खाली है। ओर दूसरा व्यक्ति यह कहेगा कि आधा लोटा दुध भरा है। उपाध्श्क्ष महोदय, लोटे में दुध उतना ही हैं ओर लोटा भी वही है। लेकिन एक व्यक्ति ने उसमें कमी निकाल दी ओर दूसरे ने उसमें सन्तोश मान लिया। मैं यह कह सकता हूं कि जिस दे ाभति का सबुत हरियाणा के मुख्य मंत्री जी ने दिया हैं वह बहुत सराहनीय है उनकी हर सांस दे ा ओर प्रदे ा के हित की बात कह रही है। इसलिये मै उनको दाद दिये बिना नहीं रह सकता। उन्होनें हरियाणा के हितो के लिए चाहें वहएस वाई एल नहर का मामला है। चाहे चण्डी गड का ओर अवोहर फाजिल्का का मामला हैं उन मामलो में हरियाणा के केस को बहुत मजबुती के साथ सैन्टर के सामने रखा हैं। इन्होनें कभी कमजोरी नहीं दिखाई इसलिए मैं यह कह सकता हूं कि हरियाणा सरकार के हित आज सरकार के हाथों में सुरक्षित है। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नम्बर 5 के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूगा। यह डिमांड एक्साइज एंड टैक्से ान के बारे में हैं। उपाध्श्क्ष महोदय, इसमे कोई भाक नहीं हैं कि सरकार टैक्स लगाती है। ओर टैक्स इसलिये लगाये जाते है। क्योकि उस पैसे से कमजोर ओर गरीब लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाया जाता है। लेकिन टैक्स लगाते समय सरकार को इस

बात का जरूर ध्यान रखना चाहिए कि वे टैक्स कही जनता को भश्टाचार की ओर न ले जाये ओर हमारे हरियाणा प्रान्त के अन्दर पाप न पनपे। हमारे हरियाणा के अन्दर कुछ ऐसे व्यापारी है। जो बिजली का काम करते है। उन पर चुंगी की दर दो प्रंकार से लगाई जाती है। कुछ चीजों पर वजन के हिसाब से ओर कुछ चीजों की कीमत पर 4 परसैनट दर लगाई जाती है। इस तरह टैक्स दर लगाने से यह होता है कि जब कोई व्यापारी 10 नग बिजली के सामान के लाता हैं तो कमेटी का आक्ट्राय क्लर्क या इन्सपैक्टर उस भारीक आदमी के सामान को सरेबाजार खुलवा कर देखते है। ऐसा करके वह अपना ओर उस भारीफ व्यापारी का वक्त बर्बाद करते है। वह भारीफ आदमी इस तरह से अपनी काफी बेंइज्जती महूसस करता है। आकट्राय क्लर्क ओर इन्सपैक्टर उसका सामान इसलिये देखते हैं कि कहीं उसमें चार परसेनट टैक्स की दर का सामान ता नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि आज इस जमाने में जब इस प्रकार के कानुन लागू हो तो उस महकमें के कर्मचारी ओर व्यापारियों के बीच में भ्रश्टाचार जाग उठता है। इसके सरकार को तो नुकसान होता हैं ही इसके साथ साथ व्यक्तियों का चरित्र भी ना ा होता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से पुरजोर अपील है। कि वह ऐसे टैक्स लगाए जिससे भ्रश्टाचार न पनपे ओर एक जैसे सामान के लिए टैक्स की दर एक जैसी हो। मैं यह भी कहना चाहुगा कि सरकार हरियाणा के अन्दर पडोसी प्रदेस पंजाब ओर दिल्ली से ज्यादा टैक्स न लगाए जिससे हरियाणा का व्यापार प्रभावित न हो। उपाध्यक्ष

महोदय, इस बारे में मै आपके सामने एक मिसाल देता हूं आजकल हजारेां की संख्या मे जो लोग टीवी खरीदते हैं वह ऐसा करते है। कि दिल्ली में एक आदमी के नाम से बिल बनवा लेते है। हरियाणा में एक टीवी खरीदने पर उसे 200–'250 रूपये फालतू देने पडते है। टीवी खरीदने वाले लोगों द्वारा इस तरह से दिल्ली मे बिल बनवाकर हरियाणा सरकार को करोडों रूप्ये का टैक्स कम आता है। हरियाणा के लगभग 80 परसैनट टीवी के बिल दिल्ली से कटते है। यदिसरकार हरियाणा में टैक्स कम कर दे तो सारे के सारें लोग हरियाणा से ही टीवी खरीदे ओर सरकार के खजाने में काफी आमदनी हो सकती है।

इस के अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नम्बर 9 के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा । यह डिमांड एजुके ान के बारे मे है। सरकार ने एक बात बहुत अच्छी कही हैं कि हम बच्चों को अध्यापिका ि ाक्षा देने का प्रबनध कर रहे है। जिससे उनका जीवन स्तर ऊंचा उठे।स्कुलों मे इस तरह की ि ाक्षा देने के लिए दो पीरियड लगाने की बात हैं यह बहुत ही अच्छी बात हैं इस संबंध मे एक बात मै कहना चाहूंगा कि आजकल जो बच्चे बीए या एमए करके कालेज से निकलते हैं उनके मन मे एक ही बात रहती हैै कि उनको नौकरी मिल जाये लेकिन सभी लडको को सरकारी नौकरी नहीं दे पाती है। इस बारे में मै सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सरकार कुछ सोच विचार करे ओर स्कूलों तथा कालेजों मे टैक्नीकल ि ाक्षा दे ताकि स्कुल या कालेज छोडने के

बाद उसको यह समझ आ जाये कि वे अब काम करने के लिए तैयार है। यदि कोई लडका स्कूल या कालेज से ही अपने धंधें मै निपुण हो जायेगां तो उसको नौकरी की तला ा नहीं करनी पडेगी। ओर वह अपना ही धंधा कर लेगा। इस प्रकार सरकार की सरदर्दी भी कम हो जायेगी ओर लडके सडकों पर दर दर की ठोकरें नही खायेगे। इससे उनके माता पिता जिन्होने उन की पढाई पर खुन पसीने की कमाई लगाई है उनकी आत्मा ठण्डी होगी। इस बारे में एजुकेसन डिपार्टमैट कोई विचार करे और चार पांच आदमियों की कोई टीम मुकर्रर करे जो ऐसी योजना बनाए जिससे बेकारी का मसला हल हो ओर लडको को एजुकेसन ठीक ढंग से मिले। डिप्टी स्पीकर साहब, इस विशय पर मैं एक ओर बात कहने जा रहां हूं भाायद वह कईयों को कडवी लेगे। लेकिन मुझे सच बोलनें में न तो आज तक मेरे मां बाप ने मुझे रोका ओर न ही मुझे झूठ बोलने की प्रेरणा दी गयाी है। हरियाणा के अन्दर हजारेां ऐसे आदमी है। जिनका ठीक प्रकार से गुजारा हो रहा है। हरियाणा के अन्दर ये लोग कितने है यह तो मैं नहीं कह सकता। लेकिन हिसार के अन्दर ऐसे केसिज है कि पति बहुत बडा व्यापारी है। बडा उद्योगपति है उसे हर महीने 20–25 हजार रूपये की आमदनी हो रही है। लेकिन इसके साथ ही साथ उसकी पत्नी भी । 1400 रूपये 1500 रूपये पर टीचर या ओर पदों पर लगी हुई ह। मैं यह नही कह रहा कि दोनेां क्यो कमा रहे है? इस संबंध मै मेरा सरकार को सुझाव है कि ऐसा कोई रास्ता निकाला जाये

जिससे गरीब आदमी या जो एम ए पास लडका बेरोजगार घुम रहा है। उसको रोजगार मिल जाये।

श्री उपाध्यक्ष: आप जल्दी खत्म कर ले क्योकि आपका समय खत्म हो रहा है।

श्रीओम प्रका ा महाजन: ठीक हैं जी । जो बात मैं कह रहा हू वह मेरी व्यक्तिगत बात है मेरा अपना सुझाव है एक तरफ तो भगवान की दया से ऐसे परिवारों के पास सब कुछ है ओर दूसरी तरफ हजारेां की तादाद में लोग नौकरियों के घूम रहे है। इसलिए मेरा सुझाव है कि सरकार को कोई ऐसा तरीका निकालना चाहिए जिससे दोनो को नौकरी न करनी पडे । अब मैं समाज क्लयाण की बात करता हूं। समाज कल्याण विभाग के जरिये बहुत ही विधवाओं को पैन् ान दी जा रहीं है। यह बहुत अच्छी बात हैं ऐसी विधवाओं की बहबूदी के लिये सरकार ने आश्रम भी खोले हुए है। लेंकिन फिर भी इस काम मे काफी कमी है।। इस संबंध में मेरा सुझाव हैं कि सरकार को हर जिला स्तर पर ऐसा कोई प्रावधान करना चाहिए जिससे ऐसे कालेजिज चण्डीगड में न आए डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर ही डोल हो जाये। कई ऐसे केसिज होते कि चण्डीगढ रूलिंग पार्टी का एम0 एल0 ए0 है। इन को पता होता है। इस संबध मे मेरी प्रार्थना है कि सरकार हर जिला स्तर पर ऐसा कोई प्रावधान करे जिससे उन्हें तत्काल सुविधा मिल सके। ओर वे अपना जीवन सुधार सके। इतना कहते हुए ओर डिमाडें का समर्थन करते हुआ अपना स्थान लेता हू।

श्री हरिचन्द हुड्डा (**किलाई**): डिप्टी स्पीकर साहब, मै सबसे पहले डिमांड नं 16 पर जो इण्डीस्टीज से संबंध रखती है। बोलना चाहता हूं । इस मांग के तहत सरकार सदन से 3 करोड़ 16 लाख रूपये के करीब पैसा मांग रहीं है। आज यदि कोई डैम बनाया जाये तो उस पर 700–800 करेाड रूपये खर्च होते है। ओर यदि कोई बांध बनाया जाये तो उस पर 10–12 करोड़ रूपये खर्च होते है। यहां पर इन्होनें इण्डीस्टीज कीा मांग तो रख दी लेकिन इन्हे यह पता नही है। कि इण्डीस्टीज तो दे ा का जीवन है। ये दे ा के जीवन को सिर्फ 3 करोड़ रूप्या ही दे कर इंडस्टीज की डिवैल्पमैट करना चाहते है। आज सारे हरियाणा में अन–एम्पलाएमैट की प्राब्लम है। आज सारे दे ा में दु:ख का वातावरण फैला हुआ है। इण्डीस्टीज की तो सिर्फ 3 कराड़ रूप्या दिया जा रहा था। जबिक यहां पर न जाने कितने तीन करोड के सकैण्डल हो जाते है। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै जनरल बातों पर आ रहा हू। यह मांग वह मांग नहीं जिससे लोकतत्र की खु ाबू आती है। यह वह मांग है। जिससे नोअतंत्र की बदबु आती है। डिप्टी स्पीकर साहब, इससे ओग मै कहना चाहता हूं कि मक्कार की चालों से बाजी ले गया सरमाइदार। इन्तहाए सादगी से खा गया मजदूर मात। अब हाउस के सामने ये डिमोडे बजट मे से बचचों की तरह निकलती है। आज फीडिज्म मे इस दे ा को धोखा दिया जा रहा है। मै। यह कहना चाहता हूं कि जो मांगे निकाली गई है। इनका डिस्टीब्यू ान ठीक नहीं हुआ है। अगर बजट को ठीक डिस्टीब्यू ान होती तो दे ा के अन्दर न

अन–एम्पलायमैट होता न बेराजगारी होती न भुखमरी होती ओर न ही क्रप ान पैदा होती।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: हुड्डा साहब तो ऐसे बोल रहें है जैसे व भिवानी स्टैण्ड पर बोल रहे हो न कि उसैम्बली में ।

श्री हरिचन्द हुडडा: यहा पर क्रप ान है भूख है ओर गन्दगी। मुझे भिवानी स्टेण्ड पर ही बोलते हुए आप समझ ले। मै जनता में जाता हूं जनता मुझे बोलने के लिए मजबूर कर रहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं सिद्धातं की बात कहना चाहूंगा।

श्री उपाध्यक्ष: असैम्बली वाली बात को एक्सपंज कर दिया जाये।

वित मंत्री (चोधरी कटार सिंह छोकर): डिप्टी स्पीकर साहब, अभी हुडडा साहब ने कहा है कि वे जनता में जा रहें है। यह देख ले कि अब इनकी सीट वहां के लिए चेन्ज करनी पडेगी।

श्री हरिचन्द हुडडा: डिप्टी स्पीकर साहब, मै कही नही जा रहा हूं । मै तो ऐसा बीज हूं कि यदि इस बीज को इस्तेमाल कर लिया जाये तो सारा दे ा ऊपर उभर जायेगा। मैं यही रहूंगा की नही जाउंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, सिद्धांत की बात यह है कि सारा दे ा या सारी दुनिया के लोग ऊपर उठे। यह तभी हो सकता है जब धरती की पैदावार बढेगी। जब पैदावार बढेगी। तो दे ा की इन्डस्टीज भी बढेगाी जिससे किसाी दे ा की रोजी रोटी

का मसला हल होगा। इससे बेकारी भुखमरी नहीं हेागी। आज सरकार की 34 साल से चली आ रही नीति ओर नीयत से सारा काम खराब हुआ है। आज हिन्दुस्तान के किसान को जिन्दा मार दिया जा रहा है। अमेरिका से गेंहू मगा कर यहां के किसान को बेकार कर दिया है। इस सरकार को अपनी नीति ओर नीयत को बदलना चाहिए। मैं यह कहना चाहता हूं कि यदि हमारी पैदावार नहीं बढेगी तो रोजी रोटी का मसला हल नहीं होगा।

श्री उपाध्यक्ष: कुश्ट वाली बात एक्सपंज कर दी जाये।

श्री हरिचन्द हुडडा: सरकार ने बडे बडे कारखाने लगा कर अपनी पैदावार को ओर किसानों की पैदावार को नीचे ला दिया है। यदि किसान से पैदावार लेते तो सारे दे ा का मसला हल हो जाता । जहां तक इडस्टीज का सवाल हैं इस बारे में मै हाउस को बताना चाहूगा कि यहां पर जब अग्रेंजो का राज था तो अग्रेज ने यहां की मलमल को उजाड कर दिया था। इसी प्रकार इस सरकार ने धानक चमार ओर कुम्हार के घर को उजाड दिया है। गांवों मे जो गरीब लोग काम करते है। उनके काम को उजाड दिया। आपको मालूम है ढाका की मलमल सारे हिन्दुस्तान में म ाहूर हैं यह गवां के गरीब लोग बनाते है। आज यह काम बडे बडे इंडास्टियलिस्ट्स ने सम्भल लिया है। जो काम हमारे दादा पडदादा करते थें जिस काम को गांव के अनपढे लडके करते थे बिना पढे लिखे एक्सपर्ट बनकर पीएच डी की डिगी लेते थें। अब वे बेकार है। जो इंडस्टीज लगाते है। किसी को 3 करोड़ रूप्या दे

दिया किसी को दो करोड़ दे दिया ये इंडस्टीज उस वजह पैसे को ख,ाा जाती है। एक इंडस्टी मारूति है यह इंडस्टी नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः यह बात रिकार्ड न की जाये।

श्री हरिचन्द हुड्डाः बे ाक निकाल दीजिए। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा कहने का मतलब यह है कि घानक जिनका घर मे कपडा बुनने का काम था। ओर नोजवान लडके घर बैठे अपनी रोटी कमातें थे। पिछले चालीस साल से जो काम ये कर रहे थें सरकार इनके काम को इनके घर से निकाल कर ले गई ओर ये घर पर आज रोटी के लिए परे ाान है। इसी तरह जुती बनाने वालें चमार पिछले 40 साल से बडें आराम से जुती बनाकर रोटी रोजी कमा रहे खाते थे। कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाकर अपना गुजारा करते थै। उनका रोजगार छीन कर उनको घर से निकाल दिया गया है। इस सारे काम को इंडस्टीयलिस्ट्स ने सम्भाल लिया है। इस तरह इंडस्टियलिस्ट्स को बचाने के लिए इन गरीबो को बरबाद कर दिया है। (चौधरी भले राम जी की तरफ से विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, भलें राम जी चमार है लेकिन ये खुद चमार नहीं बनना चाहते है। मै चमार बनना चाहता हूं मै तो कहता हूं कि मुझे चमार बनाकर श्री भले राम जी को कांस्टीच्युएसी मे भेज दो ताकि मै वहां पर सारी जिन्दगी भर एम0 एल0 ए0 बनता रहू। इसकी कांस्टीच्युएसी वाले इससे इतने रूश्ट है कि इस बार इसका पता तो वे साफ कर देगें डिप्टभ स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि आज सरकार बडी बडी इंडस्टीज की तरफ ध्यान दे रही हैं अगर

गांव की इंडस्टीज की तरफ ध्यान दे तो सारे हिन्दुस्तान के लोंगों की हालत अच्छी हो सकती है। ओर हर गरीब आदमी अपने घर मे बैठ कर आराम से रोटी कमा सकता है। लेकिन इस सरकार ने देहात से सारी इंडस्टीज निकाल ली ओर उसको टाटा एंड बिरला खा गया।

श्री भले राम:.....।

श्री हरिचन्द:.....।

श्री उपाध्यक्ष: पसर्नल चार्जिज अगर किसी के खिलाफ कहे जाये तो वे रिकार्ड न किए जाये। आपका टाईम हो गया है। आप वाइड अर्प करे।

श्री हरिचन्द हुडडा: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अब दो मिनट ही लुगा । मेरा एक सुझाव है मारकंडा बैरेज 5700 एकड़ जमीन को सैराब करता है। (व्यवधान) 7 करोड़रूप्या लगाकर सिर्फ 5700 एकड़ जमीन को सैराब किया जाता है। मेरे इलाके में एक छोटा सो डैम है। इस पर एक लाख रूपया लगा रहें है। पिछली दफा यह डैम बनाया था ओर तीन करोड हजार एकड जमीन सेराब करती है। मारकडा बैरेज पर आप 7 करोड रूपया लगा रहे है। लेकिन इस डैम पर बहुत कम पैसा लगेगा। करेाडों में नही हजारें में ही खर्च होगा। इस की तरफ सरकार थोडा सा ध्यान दे। इस का काम बहुत कम रूपय में हो सकता है। जहां तक इंडस्टीज लगाने का सवाल हैं इंडस्टीज का नाम लेकर सरकार को

हरियाणा के लोगों के साथ धोखा नहीं करना चाहिए। जहां तक पानी का सवाल हैं ल एस वाई एल पा पानी आया ओर न ही झाकडी का प्रोजैक्ट बन गया। एस वाई एल पर 20 करोड रूप्या बरबाद हो गया लेकिन पानी नही ले सके। एस वाई एल का नाम लेकर सरकार किसान के साथ धोखा कर रहीं है। पिछले दस साल से इसकी यही पोजी ान हैं इन्होनें एस वाई एल को ओर नाथपा झाकटी प्रोजैक्ट को पुलिटिकल इ ा बना कर रख दिया है। यही कारण है कि यह नहर नहीं बन पर रहीं है। सरकार किसानेां को मजदूरों को धोखा दे रहीं है। इस लिए यह सरकार हैं मै। सरकार को साा उड करना चाहता था । कर दिया । धन्यवाद।

श्रीमती भाारदा रानी (**बल्लभगढ**): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत बहुत धन्यवाद करती हूं कि आज आपने कितने कई दिनेां के बाद बोलने का मौका दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, आज सदन के सामने बजट की कुछ मांगें पास करने के लिए आई हैं वैसे ही बहुत महत्वपुर्ण मांगे थी। उनके ऊपर कल डिस्क ान हो चुका हैं लेकिन राज्य की कोई भी मांग हो वह दूसरी मांगों के साथ संबंधित रहती है। एक बजट ाक दूसरे बजट पर एक क्षेत्र की गरीबी के ऊपर हमे ाा असर पडता हैै। इस लिए मै सोचती हूं कि हम सब बातो पर इन मागों पर बोलतें हुए डिस्क ान कर सकते है। जहां तक मांगो का ओर बजट का प्र न है। हमें यह देख कर खु ाी हुई है। कि जो प्रायरिटी

सैक्टर है। सिचांई का बिजली का इन सैक्टर्ज के लिए बजट में काफी अच्छा प्रावधान हैं ग्रमीण इलाकों की हालत सुधारने के लिए बजट मं काफी अच्छा प्रावधान किया हैं ओर सब से बडी खु ाी की बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों की ओर हरियाणा सरकार ही नहीं बल्कि भारत सरकार भी अधिक ध्यान दे रही है। जहां तक सिचाई ओर बिजली के प्रायरिटी सैक्टर्ज का ताल्लुक है इनको भारत सरकार ने 20 सुत्री कार्यक्रम के अन्दर पहले ही महत्वपुर्ण स्थान दिया हुआ हैै। किन्तु उपाध्यक्ष महोदय, यह कहना पडेगा कि जो बजट इन कामें के लिए निर्धारित किया जाता हैं उसको अगर उचित तरीके से इस्तेमाल किया जाये । बजट का सही ओर पूरा इस्तेमाल है सतुलित इस्तेमाल हो तो यह बजट हरियाणा स्टेट कोबहुत अधिक फायदा दे सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां सिचाई ओर बिजली वगैरहा की मांग है। वहां उद्योगों की मांग भी आई है। फरीदाबाद बहुत बडा ओद्योगिक क्षेंत्र है। लेकिन इस के विकास में सब से बडी कमी जो आ रही है। वह बिजली की वही से आ रही हैं। वहां बहुत सारे उद्योग बिजली की कमी के कारण ठपे पडे है। उपाध्यक्ष महोदय, भारत सरकार ने एक स्कीम चलााई हैं कि छोटी इंडस्टी लगाने वाले नौजवान को 25000 रूप्ये ग्रान्ट के रूप में दिये जायेगे। इस रूपये को लेने की बहुत ही कन्डी ान्ज होती है। जिनकी वजह बहुत ही कम लोगों को पैसा दिया जा सकता है। एक उद्योग को चलोन के लिए पूरा पैसा देने की व्यवस्था होनी चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को 25000 रूपये की जरूरत होती है। ओर उसको केवल 5000 रूपया दे

दिया जाता है। तो इससे उसका कार्य सफल नही होता । आप चाहे थोडे लोगों को पैसा दे लेकिन कम से कम इतना पैसा जरूर दिया जायें जिससे वे किसी न किसी काम की स्थापना कर सके। कही ऐसा न हो कि सारा पैसा बरबाद चला जाये ओर वे कर्ज से दब जायं। इसके अतिरिक्त दूसरी बात यह है। कि अगर बिजली ओर पानी के वितरण की व्यवस्था सही हो जाये तो उद्योंागेों की व्यवस्था भी ठीक होगी। आज कोई भी उद्योग ऐसा नहीं है जिसमें बिजली की आव यकता नहीं है। जो उद्योग गावों मै लगाये जाते हैं उन में ग्रामीण लोग न डीजल इंजन लगा सकते है। ओर न ही उद्योग वाले जनरेटर ही लगा सकते है। इसलिए उनके लिए यह नितान्त आव यक है। कि बिजली का वितरण अच्छी तरह से किया जाये। ओर बिजली ज्यादा से ज्यादा उपलबध कराई जाये। इसके लिए चाहे हमें भारत सरकार से प्रार्थना करनी पडे चाहे दूसरी स्टेट से प्रार्थना करनी पडे कुछ भी करना पडे हमें इस काम को वार फुटिंग पर चलाना है। हमें चाहिए कि हम चारेां ओर अपने टैक्नोक्रेटस भेज कर हाइडो इलैक्टिसिटी के रिसोर्सिज को एकसप्लायट करे ताकि हरियाणा सरकार से जयादा बिजली उपलब्ध करवाई जा सके है। उपाध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद के अन्दर आप जानते है। कि थर्मल युनिटस है लेकिन उनके पास कुछ जगह कम है। उनसे जो मलबा निकलता हैं उसको डालने के लिए उनके पास कुछ जगह कम है। अच्छा होता यदि इस प्लान के अन्दर फरीदाबाद मेंएक ओर थर्मल युनिट जमुना के किनारे या नहीं ओर जगह जहां ठीक समझा जाता लगाने का प्रावधान किया

जाता । यदि यह प्रावधान अब भी कर लिया जाये तो बहुत अच्छा हो।

उपाध्यक्ष महोदय, जो बात अब मैं कहने जा रहीं हूं इसे मैने कई बार इरीगेसन एंड पावर मिनिस्टर साहब से कहा हैं ओर यह कोई टालने वाली बात नही है। यह कहकर कि अब इस बारे में हम कुछ नहीं कर सकते क्योकि यह तो पुराने एग्रीमैट है हमारी सरकार को तो इस और वि ोश तौर पर ध्यान देना चाहिए। भाखडा से डेगू को बिजली जाती है। भाखडा मै डेसू का हिस्सा नहीं आता लेकिन फिर भी इसे बिजली दी जाती है। स्वाभाविक है वह बिजली दूसरी स्टेट्स के हिस्से की है। जिसमें हरियाणा भी भामिल हैं बिजली डेसू को दी जानी चाहिए क्योकि दिल्ली हमारे दे ा की भाान है। दिल हैं ओर राजधानी है। यह भी ठीक है। कि उसे अन–इंट्रप्डिट सप्लाई होनी चाहिएं। लेकिन यह नहीं होना हैं कि हरियाणा सरकार बिजली बोर्ड तो उसके हिस्से की बिजली न मिलेने के कारण निरतर घाटे में चलता रहे ओर डेंसू के सब पदाधिकारी तथा चेयरमैन वगैरा पूरी भाान ओर अकड से रहें ताकि कभी कोई घाटा नहीं होता। होगा भी कैसे? वह हमारी सस्ती हाइडो बिजली लेते है। ओर बदले में हमको इन्दपस्थ या बदरपुर से थर्मल प्लांट की मंहगी बिजली देते है। इस बारे में भाायद एक बार 1977 मे हरियाणा सरकार की बात उपरी लेवल तक हुई थी यह ठीक है कि हमारी प्रधान म्रत्री ओर सारा दे ा यह चाहता हैं कि दिल्ली के बिजती देने के लिए किसी

दूसरी स्टेट को हमारी प्रंधानमत्री जी कीयह कोई मं ाा नहीं थी कि दिल्ली को बिजली देने के लिए किसी दूसरी स्टेट को नुकसान उठाना पडे। इसलियें अगर हमारी सरकार सारी बारीकियों की छानबीन कर के इस बात को भारत सरकार के सामने रख तो हरियाणा के बिजली बोर्ड को काफी फायदा हो सकता हैं

उपाध्यक्ष महोदय, बिजली का जो फलैट रेट सिस्टम चालू किया गया है। मै नहीं समझती कि इस से लोगों के साथ न्याय होता हो। कुछ लोग कम बिजली इस्तेमाल करते है। लेकिन उनके उपर पुरा बोझ पड जाता हैं ओर जो लोग ज्यादा बिजली इस्तेमाल करते हैं उनके उपर बहुत कम प्रभाव पडता है। परिणामस्वरूप घाटा बोर्ड को उठाना पडता है। इस घाटे की वजह से बोर्ड के पास न खम्भे होते है। न टांसफार्मर्ज होते है न बडे ट्रांसफार्मर्ज होते ह। न ही छोटे पुर्जे ओर तारे आदि होती है। जिसके कारण बिजली की सप्लाई निरन्तर रूप` नही चलती हैं इस तरफ भी सरकार को ध्याान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, हर क्षेत्र में बिजली के सामान की मांगों की तरफ अगर पूरी तरह से ओर तुरन्त ध्यान दिया जाये तो सारे हरियाणा में खु ाहाली आ सकती है।

उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा सरकार से यह कहना चाहती हूं कि अगर नहरें से सिचाई के लिए पूरा पानी मिल जाये तो उ़द्योगों के लिए बिजली की बचत हो सकती है। हम खु ा हुए थे कि फरीदाबाद के अन्दर 100 एम0 आई0 टी0 सी0 के

ट्यूबवैल्ज लगने वाले है। वे लगे भी लेकिन साथ ही एक ओगमैन्टेसन कैनाल बना दी गई ओर वह सारा पानी निकाल कर के दूसरे क्षेत्र मे डाल दिया गया। नरवाना ब्रांच से जमुना में से हो कर आगरा कैनाल के जरिए जो पानी मिलता था फरीदाबाद को वह कम कर दिया गया । सिवानी जुई ओर जवाहरलाल नेहरू कैनाल्ज में पानी जा रहा है। लेकिन हमारे यहं पानी बहुत कम जा रहा है। (ाोर) मै गलत नहीं कह रही हूं। इस संबंध में सिचाई मंत्री जी ने आकंडे दिये है कि फलां फलां नहर में पहले इतना पानी चलता था। ओर अब इतना पानी चलता है। पानी की मात्रा जो इन्होने बताई वह काफी बढी हुइ है। एस वाई एल का पानी या ओर पानी जो हरियाणा को मिलता है। उस का प्रपो ानेट हिस्सा हमारे इलाके को भी मिलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, वह एरिया बहुत ज्यादा बारानी है। लोगों ने पानी की भाक्ल नहीं देखी है। उस एरिया को अव य पानी मिलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक हैं कि हरियाणा के सूखे क्षेत्र को हरा भरा बनाया जाना चाहिए। लेकिन इस का मतलब यह नहीं है कि किसी हरे भरे क्षेत्र को सुखा कर दिया जाये। आज ही आई पी एम साहब ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि बल्लभगढ में 3 से 5 फुंट तक पानी का स्टैटा नीचे गया है। लेकिन वह सिर्फ 3 से 5 फुट तक ही नीचे नही गया (विघ्न) हम मोटी बात करते है। कि जिन कुओं में पहले 10–15 फुट पानीह खडा रहता था। वे अब सुखने लगे है। अतः हमारी दृश्टि में पानी बहुत नीचा चला गया है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, जिन डिपार्टमैट की डिम्रडज पर चर्चा चल रही है। उन डिपार्टमैट के मिनिस्टर्ज को तो यहां प्रेजैक्ट रहना चाहएि (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: फाईनेस मिनिस्टर साहब बैठे है।

श्रीमती भारदा रानी: उपाध्यक्ष महादेय, मै कह रही थी कि फरीदाबाद में 100 एम0 आई0 टी0 सी0 के ट्यूबवैल्ज लगाये गये लेकिन सारे के सारे पानी को दूसरी तरफ से जाया गया। मेरा सरकार से यह निवेदन है कि जितना पानी आज तक मिलता रहा है। उतना पानी अव य मिलता रहना चाहिए। इस के अलावा नया पानी आने पर दूसरे हिस्सों को जिस प्रपो र्न से पानी मिले तो उसी प्रपो र्न से फरीदाबाद के क्षेत्र को खास कर के आगरा कैनाल के पूर्वी क्षेत्र को अधिक मिलना चाहिऐ।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां एक क्षेत्र हैं ओर है जो बडा पिछडा हुआ इलाका है। जिसे खादर को क्षेत्र कहते है। वहां पर 12 गांव है पहले तो उसे जहर नाला के उस पर कहते थे। लेकिन अब उसे जमुना के उस पार कहना चाहिए। क्योकि वास्तव में अब जमुना जहर नाला न रह कर के जहर नाला पूरी जमूना हो गया है। उस की वजह से यह है कि यू पी0 सरकार ने पूरी जमुना के किनारे किनारे बांध बना दिये है। ओर हमारी तरफ केवल स्पर्ज बनाए गए हैं आज उन स्पर्ज का भी नामोनि ान नहीं है क्योकि

जमूना मे अब पानी आता है। तो सब स्पर्ज टुट जाते है। ओर जमुना के किनारे बसे हुए गावेों मैं विकट स्थिति पैदा हो जाती है। उनकी आबादी फसल ओर कुएं का पानी आदि बरबाद हो जाते है। अगर यही स्थिति रही हो तो कुछ सालों के बाद उन गांवों का कुछ पता नहीं रहेगा। इस लिए उपाध्यक्ष महादेय, मेरी सरकार से प्रार्थना है कि बजट में और डिमांडज में उस क्षेत्र को प्रायरिटी मिलनी चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, हमें खु ी है कि मुख्य मंत्री जीने हमारे पर जहर नाला के ऊपर एक लोहे का पुल बना दिया है। लेकिन वास्तव में वह सीजनल पुल है। बाद में इस पुल को हटाना पडेागा। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पक्के पुल की व्यवस्था की जाए। हमारा यह एरिया काले पानी की तरह है। वहां हस्पताल ता है। लेकिन डा0 नहीं जाता स्कुल हैं पर टीचर्ज नहीं जाता । बिजली की लाईन जब खराब हो जाती है। तो ठीक करने वाले नहीं जातें उस क्षेत्र के लोग एक तरह से आदिवासियों की तरह गुजारा करते है। अगर वहां पुल बन जाये तों वे लोग भी रो ानी वाली दुनिया में आ जायेगे। अभी उन 12 गावेां के लिए कुछ भी कार्य हमारी हरियाणा सरकार ने नही किया हैं कहा जाता है कि हरियाणा सरकार पहला प्रान्त है जहां सारे गांवो को सडको से जोड दिया है। लेकिन उस क्षेत्र के 12 गावेां में से एक गांव भी सडक के साथ नहीं जोडा गया है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मै पर्यटन विभाग के बारे में कहना चाहती हूं कि इसमें रैवन्यू साईड में काफी पैसा रखा जाता है। कैपिटल साईड मे भी इन्हें कुछ पैसा रखना चाहिए था। बल्लभगढ के अन्दर जी टी रोड पर एक बहुत अच्छा प्वायट है। वहां बस स्टैड बनाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए। पर्यटक केन्द्र बनने के वहां पोटैन ाल भी मौजुद है। उसके लिए बजट में व्यवस्था होनी चाहिए। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, वह पर्यटक केन्द सरकार करनाल लेक के ओसिस की तरह सस्ता ओर सामान्य जन की पहुच के भीतर होना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं सामान्य प्र ाासन के बारे में भी कहना चाहती हूं । पिछले दिनों कुछ सर्विसिज के लिए सिलैक ान हुई अच्छी बात है। अगर जगहें खाली हो तो सिलैक ान होनी चाहएि। लेकिन मुझे इस मे एक ि ाकयत हैं लोग अपने बच्चों को पढाते हैं उनको कहते है कि मेहनत कराते है। ओर फर्स्ट डिविजन लाओ। रात दिन उन के साथ बैठ कर उन्हें मेंहनत कराते हैं क्यों? किस बात के लिये? इसीलिये कि बच्चे यदि अच्छे लायक होगें तो अच्छी जौब्ज पाएगें लेकिन जब जौब्ज पाने की बात आती हैं तो उनकी क्वालफिके ान को महत्व नही दिया जाता। अभी पिछले दिनों नायब तहसीलदारों की सिलैक्सन हुई पहले तो हमें बता नहीं था लेकिन एक प्र न के उतर में जब यहां जवाब आया तो उस मे हम ने देख लिया । उपाध्यक्ष महोदय, अधिकतर नायब तहसीदार जो सिलैक्ट हुए वे

थर्ड डिविजनर्ज है। अगर थर्ड डिवीजन सिलैक्ट किये है। तो गांव के फर्स्ट डिवीजनर्ज को क्यों छोड दिया गया। टैस्ट मे तो वे पास हुए हैं पता नहीं इन्टरव्यू मे किस आधार पर और कैसी परसनैलेटी देखते है। उन्हे छोड दिया गया।

प्रो0 सम्पत सिंह: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। बहिन जी पर डबल भार हो रहीं है। एक तरफ इन कोमंत्री पद से हटा दिया गया है। योग्य मैम्बर होते हुए भी हटा दिया गया। साइड सर। सर्विसीज मे बडे डिवीसिनर्ज सिलैक्ट कर लिये ओर उनके हल्के के मैरिट वालों को सिलैक्ट नहीं किया गया।

श्रीमती भारदा रानी: मुझे आपकी सिफारि ा नहीं चाहिए। मै अपने आप बात कर लूगी । मेरे कहने का मतलब यह है। कि इस से हमारे विद्याार्थियों में बडी भारी फस्ट्रेसन आयेगी। अगर फस्ट्रे ान रहेगी तो वे क्यों पढाई करेगे? कोई मां बाप अपने बच्चे से दिन रात इसलिए मेहनत कराता है। कि वह अच्छे नम्बर ले कर पास हो आरे कम्पीटिसन में आये लेकिन फर्स्ट डिवीजनर को छोड कर थर्ड डिवीजनर को सिलैक्ट कर लिया जाये तो समाज में फस्ट्रे ान आयेगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, सडके बनाने, रिपेयर करने ओर वाइडिंग के लिए बजट मै पैसा रखा जाता है। मान लीजिए दस लाख रूप्या इस काम के लिए मंजूर हैं तो वह सही टाईम पर मिलना चाहिए। लेकिन कभी पचास हजार ओर कभी एक लाख

रूपया दे दिया जाता है। जिससे पब्लिक पर अच्छा इम्प्रं ान नहीं पडता । अगर वह पैसा एक बार इक्टडा ही समय पर दे दिया जाये तो काम भी समय पर ही हो जाये। ओर गवर्नमैट की भी बचत हो जाये। दूसरे जो सडको के लिए अलाइमैट की जाती है। उसका भी ध्याान रखा जाना चाहिए । ऐसा प्रबन्ध करना चाहिए जिससे सडक मे किसान की कम से कम जमीन आये। आज हरियाणा के किसानों के पास बहुत थोडी जमीन रह गई है। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करती हूं ओर प्रार्थना करती हूं कि सरकार के नोटिस में जो बाते लाई गई है उन पर गौर किया जाये।

श्री निहाल सिंह(अटेली): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं जो आपने समय दिया । मैने जो अभी चिट लिख कर भेजी थी तुरन्त ही आपने समय दे दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, आज भाुरू में सब से पहले श्री महाजन बोले। उन्होने कहा कि हरियाणा में ला एंड आर्डर सिचुए ान खराब हो गई थी वहपूरी रफतार से ठीक हो रही है। जैसे बिजली का बटन दबा दिया जाये जा रो ानी या अन्धेरा हो जाता हैं हरियाणा की ला एंड आर्डर की सिचुएसन क्यों बिगडी क्या कारणथे? पंजाब के हालात तो इतने खराब हो गये कि आज वे काबु से बाहर है। पंजाब में वहां की कांग्रेस पार्टी की सरकार फेल हो गई है वहां पर प्रेजीडेन्ट रूल भी फेल हो गया। ओर लोगों को जान माल ओर प्रोपर्टी महफूज नही रही। उसी का असर हरियाणा में हुआ ।

मै उसके लिए सैन्ट्रल गवर्नमैट को जिम्मेअदा करार देता हूं अगर सैन्ट्रल गवर्नमैट सही वक्त पर कदम उठाती तो ये हालात ने होते । (विघ्न) हमारा सीधा ला एंड आर्डर का ताल्लुक पंजाब से है। अगर पंजाब ओर हरियाणा के पानी ओर टैरेटरी के झगडे को सही वक्त पर सुलझा दिया जाता ता यह हालत न होती। सन् 1966 से यह बात चली आ रही है। कि क्यों इतना समय लगा। नतीजा यह हुआ है कि आज हालात फैसले किये गये लेकिन उन पर अमल नहीं किया गया। नतीजा यह हुआ कि आज हालात इस लेबल पर पहुच गये जो काबू से बाहर है। हरियाणा मे जो कुछ हुआ उसके लिए हमारी सरकार ओर सैन्ट्रल गवर्नमैट जिम्मेदार है। मैने उस वक्त कहां था कि हमारे सिख भाई जाते है उन्हें क्यों रोकते हो? पंजाब के बार्डर पर उन्हें क्यों नहीं रोका जाता है। दिल्ली के बार्डर पर क्येा रोका जाता है। पंजाब ओर दिलली ने सारी जिम्मेदारी हमारे ऊपर सौपं दी है। हमने ऐसे हालात पैदा कर दिये जैसे हमारा ओर पंजाब का बहुत भारी झगडा हैं इसी कारण से आज नौबत यहांतक पहुच गई है। कि हिन्दु ओर सिख के झगडें की एक भाक्ल अख्ति्यार कर ली है। आज हरियाणा में जिस तरह से दुकाने लूटी गई आदमी मारे गए तो सरकार ने कौन सा तरीका अख्ति्यार किया । जिससे ला एंड आर्डर की हालत सुधरे? क्या यही तरीका है कि इस झगडे को आग के बुझानें कि लिए पैट्रोल ओर डीजल का इस्तेमाल किया जाये? पंजाब में जो कुछ हो रहा हैं उनके साथ दे ा का कोई भी आदमी नहीं है। यह बहुत निन्दनीय हैं वह रोका जा सकता था। लेकिन रोका नहीं

गया। आज हरियाणा मैं दुकाने लूटी गई हजारों रूपये का कपडा लूट कर ले गये। लेकिन पुलि वहां खडी खडी देखती रहीं। पुलिस ने कोई एक्सन नही लिया। प्रधान मंत्री को पालियामैट में यह मानना पडा कि हरियाणा की पुलिस की ओर से कोई कार्यवाही नही हुई । पुलिस को जितना एक्सन लेना चाहिए। था उतना नहीं लिया गया। अगर कहीं चोरी हो जाती हैं या लूट मार हो जाती है। तो माल बरामद किया जाता हैं लेकिन यहां पर लाखों रूपये का माल रेढियों में भर कर ले गए कोई माल बरामद नहीं किया गया है। मै। हरियाणा सरकार से पूछना चाहता हूं क्या आपने कोई कदम उठाया है कि इस माल को बरामद किया जाये। पंजाब मैं हिन्दु सिख का झगडा फैला। पंजाब में ही एकस्टीमिस्ट नहीं है। बल्कि यहां भी मौजूद है। वे लोगों को भडका कर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं चौधरी भजन लाल पर आरोप लगाया हुआ कि यह कम्युनल है। चौधरी भजनलाल कम्युनल नही है। वह तो सीधा सा बिजनैसमैन हैं । उसे धर्म कर्म से क्या लेना है। अगर कोई फाईन्स की बात हो तो उसमें इन्ट्रैस्ट हो सकता है। लेकिन उन्हें कम्युनल कहना उचित नहीं । मैं नही मानता । .....हैं हरियाणा में ला एंड आर्डर की जो सिचुए ान खराब हुई है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: जो परसनल बात कही है वह रिकार्ड न की जाये।

Shri Nihal Singh: What is unpariliamentary about it, Sir? There is nothing objectionable about it.

Mr. Deputy Speaker: It is certainly offensive.

Shri Nihal Singh: Itis not at all an offensive remark.

Mr. Deputy Speaker: It is so.

12.00 बजे

श्री निहाल सिंह: अगर सैन्ट्रल गवर्नमैट चाहती तो ये दगें हो नही होते । सैन्ट्रल गवर्नमैट का मतलब था कि जहां पंजाब के हालात खराब है वहां हरियाणा के भी खराब हो। कही से भी आती है उसके साथ लगा देते है। कि पंजाब और हरियाणा में ला एंड आर्डर की सिचुएसन खराब है। अब हमेंयह देखना है कि हरियाणा में ला आर्डर के हालात पंजाब के हालात से कैसे खराब हुऐ? उसके साथ हरियाणा को क्यों जोडना चाहते हैं? इसीलिये कि सैल्ट्रल वाले चाहते है। कि ये आपस मै झगडे। दिल्ली वाले चाहते है। कि यह फैसलान हो। इसीलिये मैं सुझाव देता हूं कि यह मामला कैसे हल हो सकता हैं? पंजाब एंड हरियाणा का मसला हल नही हो सकता । आप जानते हैं कि पंजाब में कांग्रेस की सरकार फेल हुई है। दिल्ली की सरकार का नुमायंदा भी पंजाब में भी फेल हुआ । जहां पर ऐसे हालात हो तो हरियाणा और पंजाब के हालातों को सुधारनें के लिये मै। यह सुझाव देता हू कि हमै पार्टी पार्लियामैट से ऊपर उठकर बात

करनी चाहिए। दिल्ली की सरकार की ओर प्राईम मिनिस्टर को इस बात के लिये मनाना चाहिए। ओर कोई न कोई ठासे कदम उठाना चाहिये। जिस तरह से भोख अब्दुला की जेल से निकाल कर फिर उसे जम्मू क मीर का मुख्य मंत्री बनाया गया था उसी तरह से आज वहां भी इसी तरह से सरकार कायम करनी चाहिए। फिर न तो पानी का झगडा होगा ओर न हीं टैरीटरी का । यह तो पोलिटिकल झगडा है। पोलिटिक्ल झगडे को पोलिटिकल लैवल पर ही तय करना चाहिए। मेरा इस बारे में सुझाव है। कि पंजाब में जो सरकार कायम ही वह सत लोगावाल ओर अटल बिहारी वाजपेयी दोनेा मिलकर बनाये। इन दोनों को ही इंदिरा गांधी को यह देना चाहिऐ कि आप सरकार बनाओ। जब यह सरकार बनायेगें तभी यह झगडा हल होगा। फिर कोई झगडा नहीं उठ सकता। मेरा कहना यह कि इनकी सता सौप दी जाये फिर हरियाणा का झगडा अपन आप हल हो जायेगा (व्यवधान) हरियाणा में जो मोजूदा हालत हैं हरियाणा की एडमिनिस्ट्रेसन मे जो भ्रश्टाचार है उसके बारे में मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि हरियाणा की हिस्टरी मै आज से पहले केबिनेट नही रहीं है।(व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: यह भाब्द एक्सपंज कर दिया जाये।

श्री निहाल सिंह:.....(व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप ऐसी बाते पब्लिक मीटिंग मे ंतो कह सकते है। लेकिन ंयहां परनही। हमे रूलज के अनुसार चलना पडता है।

श्री निहाल सिंहः..... इसमें कौन सी ऐसी बात है जो अनपार्लियामैटी हैं । ओर रिकार्ड में नहीं आ सकती?

श्री उपाध्यक्षः अगर यह बात अनपार्लियामैटी नहीं हैं तो दूसरी कोई बात अनपार्लियामैटी नहीं हो सकती ।

श्री निहाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, अगर देखेगें तो आप को यह पता चल जायेगा कि इसमें कोई अनपार्लियामैटी भाब्द नहीं है। अगर किसी सरकार को इन एफी ीयैट कहां जाये तो इसमें कोई गलत बात नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः आप इन एफी ीयैट तो कह लो यह तो ठीक है।

श्री निहाल सिंहः मै सब मिनिस्टर्ज के बारे में तो नहीं कहता। इस कैबिनेट मे कुछ अच्छे मिनिस्टर्ज भी हैं। लेकिन कुछ आदमी ऐसे हैं। जिन्होनें सारी स्टेट में इस कैबिनेट को बदनाम किया हुआ है। आपने भी सुना होगा। आपके भी ध्यान में यह बात होगी कि इस सरकार के ऐसे कई डिपार्टमैट है जिन में भ्रश्टाचार की ि ाकायतें है। पिछले साल मेरे पास ट्रांसफर्ज के बारे में काफी लोग आये थे। ये बताते है कि एक एक डिपार्टमैट में ट्रांसफर्ज के लिये 14–14 ओर 15–15 लाख रूपये ट्रांसफर्ज के

लिये गये है। उनका नाम चीफ मिनिस्टर साहब भी जानते है नाम बताने की यहां जरूरत नहीं है। यदि जानना चाहे तो आम उनसे पुछ ले।डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा इस बारे में एक सुझाव हैं यह ट्रांसफर्ज की पावर्ज उस महकमे कै मिनिस्टर से ले लेनी चाहिऐ। ओर सैकेटी को या फिर चीफ मिनिस्टर को दे देनी चाहिए। ये महकमे है हैल्थ डिपार्टमैट, एक्साइज एंड टैक्से ान बी0 एंड आर0 (व्यवधान) रैवेन्यू मे तो ऐसी कोई बात है नहीं (व्यवधान) कोआप्रे ान विभाग भी इसमें भामिल है। मेरे नोटिस मे ऐसे वाकयात भी हैं कि पैसा तो ले लिया जाता है। लेकिन कईयों की ट्रांसफर्ज नहीं होती। ट्रांसफर्ज के लिये 20—20 30—30 हजार रूपया ले लिया जाता है। लेकिन जब चीफ मिनिस्टर के कारण या किसी दूसरे हालात के कारण वह रूक जाये या सैक्रेटी किसी वजह से उन ट्रांसफर्ज को ब्लाक कर दे तो वे लोग जब अपने पैसे मांगने जाते है। तो उनके पैसे नही लौटाये जाते। बल्कि उलटा धमकाया जाता है। कि अगर पैसे मांगोगे तो हम तुम्हारी इन्कवायरी करायेगें कि यह पैसा तुम्हारे पास कहां सें आया है। ?

सहकारिता तथा डेरी विकास मंत्री (चौधरी बीरेन्द सिंह): डिप्टी स्पीकर साहब, राव साहब बहुत पुराने लैजिस्लेटर है लेकिन whenever he speaks he should be specific about the Minister concerned and the instance which he is quoting.

मै इनसे यह दरख्वास्त करूंगा कि यह नाम बताये कि कोआप्रे ान में किस ट्रांसफर मै पैसे लिये गये है। अगर यह

उसको प्रुव कर दे तो मैं इस हाउस की मैम्बरी से भी इस्तीफा देने के लिये तैयार हू।(व्यवधान) अगर वे यह कहते है कि इनकी बात झूठ नहीं है तो ये इस्तीफा देदे। He should be specific. He cannot drag all the Ministers. This is an aspersion on the House and on the Cabinet as a whole. (Interruptions & notice). This is altogether undesirable.

श्री निहाल सिंह: मेरी बात तो पूरी सुन लो। मैने आपके बारे में नहीं कहा। (व्यवधान)

Ch. Birinder Singh: No , I do not want to listen.

Shri Nihal Singh: If you do not want to listen, kindly go out.

Ch. Birinder Singh: No, you should go out.

श्री राम बिलास भार्मा: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। राव साहब बोल रहे हैं और चौधरी बीरेन्द्र सिंह का इन्होंने नाम भी नहीं लिया हैं यह तो बडे ही नौजवान आदमी है। इनको इस तरह से थैटन नही करना चाहिए।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: अगर यह गलत बात ऐसे ही कहेगें तो मै बिल्कुल थ्रैटन करूंगा।

ि ाक्षा मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत अपने विरोधी साथियेों से एक अर्ज करना चाहता हूं । कि वे अपनी बात कहें। लेकिन ढंग से। मैं वि ोश रूप से राव साहब से यह कहूगा कि वे

भश्टाचार के बार में सरकार की नुक्तचीनी तो करे लेकिन यह नुक्ताचीनी अच्छे ढंग से कही जा सकती है। ये बडे ही बुजुर्ग आदमी है। मै इनसे अनुरोध करूंगा कि वे ठीक ढंग से बात कहें। हम यह जानते हैै कि आप विरोध करेगे। इनको विरोध करना भी चाहिऐ। क्योकि अपोजीसन का काम ही विरोध करना होता है। लेकिन इनको हैल्दी क्रिटीसीजम करना चाहिऐ। अन्त में मै आपके माध्यम से उनसे यही अनुरोध करूंगा कि वे कृपा करके ठीक ढंग से विरोध करें ओर अपनी बात कहे।

श्री निहाल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, बीरेन्द्र सिंह को गुस्सा आ गयां। मेरी लिस्ट मे तो कोआप्रेसन का नाम नहीं था। कुलबीर सिंह बोले थे जिनकी लिंस्ट मे काआप्रेसन का नाम था। (ाोर) मैने वहां से पढ़ दिया। मै एक ओर क्राईटेरिया रखता हू।

श्री उपाध्यक्ष: यह रिकार्ड पर नहीं आयेगा।

श्री निहाल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी कोई बात ओबजैक ानेबल नहीं है।

श्री जगदी ा नेहरा: डिप्टी स्पीकर साहब, वे किसी भी डिमान्ड पर नहीं बोल रहें है। मैने पहले भी अर्ज किया था कि माननीय सदस्य बडे लरनड व्यक्ति हैं और काफी सालों से एम एल ए चले आ रहे। कृपा करके कोई ऐसी बात न कहे जिससे कटुता पैदा हो। मै आपसे फिर रिक्वैस्ट करता हू ंकि वे ठीक ढंग से बोले।

श्री राम बिलास भार्मा: .....

श्री उपाध्यक्ष: राम बिलास भार्मा ने जो कुछ कहा हैं वह बगैर परमो ान के बोला गया है।। वह रिकार्ड न किया जाये।

चौधरी सुरेन्द सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मै राव साहब के बारे में नहीं कहता। मै सिर्फ यह कहना चाहता हू कि बहुत से भाई बाहर से बात सुनकर आते है। और यहां कह देते हैं वे सभी का नाम ले लेते है। इनकी लिस्ट बन जाती है। कि मै उसका नाम ले दूंगा तुम इसका नाम ले लेना यह तरका ठीक नहीं है। किसी बात को कहने से पहले तसल्ली कर ले कि यह बात ठीक है या गलत है।

श्री निहाल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, जब चौधरी बंसीलाल चीफ मिनिस्टर थे तो उन्होनें थोडी सी सडक भिवानी में बनवा दी थी तो अपोजीसन वालो ने उस सडक का नाम जवाई रोड रख दिया था (हंसी) डिप्अी स्पीकर साहब, मै एक भाहर में गया । मेरा मतलब फरीदाबाद से है वहां के लोग कहने लगे कि इस भाहर मे मिनिस्टर के जवाई अफसर लगे हुआ है। इसलिऐं इसका नाम फरीदाबाद से बदलकर जवाई नगर रख दो क्योकि जवाई यहां इक्ट्ठे हो रहे है।

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): डिप्टी स्पीकर साहब, मै हाउस के मैम्बर साहिबान से एक प्रार्थना करना चाहती हू कि सभी के जवाई हरियाणा में कही न कही लगे हुए। कोई

भाहर मे लगा हुआ है और कोई गांव में लगा हुआ है। उनके बारे मे कोई बात कहना जो जवाब हाउस में न दे सके अच्छी बात नहीं है। जवाई तो इनके भी लगे हुए। इनकी बहु भी लगी हुई है जवाई भी लगा हुआ है अच्छी बात होगी कि पसर्नल बातो मे न जांय। किसी भी साईड के मैम्बर को ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। जब किसी का जवाई हरियाणा का रहने वाला है। और हरियाणा में नौकरी करता हैं तो वह हरियाणा में कही न कही लगेगा ही । वह चाहे गांव में नौकरी करे चाहे भाहर में करे। राव साहब काफी पुराने सदस्य रहें है। इनको कोन नही जानता है। कि ये कितनी पानी मे रहे है। हरेक के जवाई होते है।

श्री निहाल सिंह: मैने बहन जी के बारे मे कोई पर्सनल बात नहीं है। फरीदाबाद के लोगों ने जो कुछ मुझे कहा वह बात मेने यहां कह दी है।

प्रो0 सम्पत सिंह: बहन जी ि ाक्षा दे रही थी कि जवाई हरेक के है। ठीक है। होते है। लेकिन उनको सरकार के दामाद नहीं बनना चाहिए। जो लोग सरकार के दामाद बने हुए है। यह ठीक नहीं है।

श्री उपाध्यक्ष: इस तरीके से दोनो तरफ के मैम्बर्ज ट्रेजरी बैचिज के और अपोजी ान बैचिज के सारा टाईम खराब कर देगें ओर फिर कहेगें कि मुझे टाईम नही मिला। इसलिए मेरा सब मैम्बर्ज से यह कहना है कि they should be very brief and to th point. (Interruptions)

श्री निहाल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक छोटी सी बात ओर कहना चाहता हूं अगर मेरे भाई नाराज होते है। तो मै इस बात को यही छोडता हूं । मै एजूके ान के बारे मे कहना चाहता हू कि एजुके ान का बैकवर्ट एरियाज के लिए खास ध्यान रखा जाना चाहिए। महेन्द्रगढ़ डिस्टिक्स कालेज बैकवर्ड एरिया हैं वहां नारनौल मे एक कालिज हैं ओर उस कालिज में सब से ज्यादा विद्यार्थी है। मेरी दरखास्त हे कि वहां पर दो ि ाप्ट होनी चाहिए। गर्ल्ज की हायर एजुकेसन के लिए बहुत जरूरी हैं कि वहां पर एक गर्ल्ज कालिज खोला जाऐ। जब तक गलर्ज कालिज की बिल्डिंग का इंतजान न हो तब तक जहां ओल्ड कोर्टस थी। उसके कम्पाउन्ड मै गलर्ज कालेज खोल देना चाहिए। दूसरी बात यह है कि नारनौल मे एम एस सी जियालोजी की क्लासिज हैं यूनिवर्सिटी ने फैसला किया हैं कि उन क्लसिज को उठाकर रेाहतक बदल दिया जाय। डिप्टी स्पीकर साहब, यह सरकार कहती है। कि बैकवर्ड एरियाज को हम ज्यादा से ज्यादा फैसिलीटीज देगें सहुलियेते देगे लेकिन एक बैकवर्ड एरिया मं जा क्लासिज भ्ारू चल रही है। उनको उठाकर रोहतक ले जाना कहां तक उचित हैं? रोहतक में एडमिसन क्लासिज खोली जा सकती है। आप युनिर्वसिटी मे नई क्लासिज भ्ारू करे दे अगर नारनौल में ये क्लासिज उठा ली गई है। तो वहां पर हालात खराब होगे। कल भी वहां के स्टुडैट्स यहां आये थै। कुछ न कुछ कदम लोगों को उठाना पडेगा। मेरी सरकार से दरख्सास्त हैं कि एम एस सी जियालोजी की क्लासिज वहीं पर रखी जायं । उनको रोहतक न

ले जाया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, एजुकेसन के बारे मैं दो सुझाव ओर देना चाहता हूं आजकल जो मैट्रिक के सटिफिकट्स दिये जाते है। उनसे जाति का और डोमोसालि का पता नही लगता। जब नौकरी के लिए लडके जाते है तो उनसे कहा जाता हैं कि डोमोसाइल सटिफिकेट लेकर आओ। कि तुम बैकवर्ड क्लास या रिजर्व क्लास स हा। मेरा इस बारे में सुझाव है कि मैट्रिक का जो सटिफिकेट है उसमे दो कालम ओर बना दिये जाये जिसमें लिया जाये कि यह लडका हरियाणा का रहने वाला है। और इस जाति का है। अब तो दिलली के रहने वाले भी हरियाणा का डोमोसाईल बनवा लेते हैं सटिफिकेट मे नाम बाप का नाम रैजीडैन्ट आफ एंड बिलोंगज टू ि ाड्यूल कास्ट या बैकवर्ड क्लास जेसी भी पोजीि ान हो। अगर इस तरह से कर दिया जाये जो उनको परे ाानी नहीं होगी। क्योंकि आजकज तहसीलदार या मैजिस्टेट उनके सटिफिकेट अटैस्ट नही करते । उनको काफी दिक्कत उठानी पडती है। अगर सटिफिकेट में ये सारे कालम हो जायेगे जा सारी प्रोबल्म हल हो जायेगी । इतना कहकर में अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी कुन्दन लाल (**सफीदों**): डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपका धन्यवाद करता हूं जो आपने मुझे बोलने का समय दिया ह। सबसे पहले मै अपने हल्के सफीदों के बारे में कहना चाहता हू मेरा हल्का एक बैकवर्ड एरिया है। इसीलिय मै आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन करूंगा कि वहां पर ज्यादा दस्तकारी बनाई

जाये। ताकि वहां के बेरोजगार लोग अपना कोई न कोई धनधा भाुरू कर सके। और अपनी रोजी कमा सके। दूसरी बात यह है कि मेरे हल्के मे कनक ओर जीरी वगैरह की बहुत ज्यादा पैदावार होती हैं कीडो की रोकथाम के लिए सरकार को चाहिऐ कि मेरे हल्के मे बढिया से बढिया दवाईयां सप्लाई की जायं। ताकि किसानों को फसलेां को किसी किस्म का कोई नुकसान न हो और पैदावार भी ज्यादा से ज्यादा हो सके। इसी तरह से डिप्टी स्पीकर साहब, कोआपरेटिव बैकों द्वारा जो लोगों को कर्जा दिया जाता है। उसकी वसूली हमारे हल्के में 72 परसेन्ट की जाती हैं जबकि दूसरी जगहों पर कही पर 10 परसेनट कही पर 40 परसेनट और किही पर इससे भी कम वसूली की दर को ध्यान मै रखते हुए हमारे हलके में सरकार को उतनी ही परसैनट के हिसाब से दवाईयों बढिया बीज जमीदारों को सप्लाई करने चाहिए। किसानों को हर तरह की सहुलियतें दी जानी चाहिए। ताकि किसान ज्यादा फसल उगा सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक बजट का ताल्लुक है बजट बहुत अच्छा हैं बजट में इन कामो के लिये काफी प्रोवीजन रखा गया हैं लेकिन बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिये मेरे विचार मे इस बजट में कोई खास प्रोवीजन नहीं है। मेरा आपके माध्यम से इस सरकार से निवेदन है कि सरकार इस तरफ ज्यादा ध्यान दे।

डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा अगला प्वायंट हस्पतालों के संबंध में है। मेरे हल्के में एक 16बैड का हस्पताल है। इस बारे में मैने पिछले सै ान में भी निवेदन किया था कि वहां पर एक्सरें की जो म ाीन पडी हूई हैं वह पुराने समय की है। काम नहीं कर रहीं है। उसको रिप्लेस किया जाए। लेकिन सरकार की तरफ से कोई ध्यान नही दिया गया। इसके साथ मेरा एक ओर निवेदन है हस्पताल की बिल्डिंग बडी खसता ढंग की है। जो लोग अपने मरीजो को लेकर आते है। वे सर्दियों ओर गर्मियों में दरख्तों के नीचे पडे रहते है। उनके ठहरने के लिए कोई स्थान नहीं है। इसलिए सरकार इस तरफ खास ध्यान दें। इस सिलसिलें मे मेरी हैल्थ मिनिस्टर और मुख्य मंत्री महादये से भी बात हुई थी। उन्होने मेरे से वायदा किया था। कि इस हस्पताल को ज्यादा बैडज का हस्पताल बना दिया जायेगा। इसलिए आपके माध्यम से मै सरकार से निवेदन करूंगा क इस हस्पताल को जैसा कि दूसरे सभी सबडिवीजनों में 50–50 बैडज के हस्पताल है उसी तरह से बना दिया जाऐ। अगर 50 बैड का हस्पताल बनाने में सरकार की कोई असमर्थता है तो कम से कम 30 बैडज का ही बना दिया जाऐ ताकि लोगों को कुछ सहूलियते मिलें और लोगों को किसी दूर के हस्पताल में इलाज के लिये न जाना पडे। यह हस्पताल इसी मार्च के महीने मे चालू कर दिया जाना चाहिए।

मेरा अगला प्वायट यह है कि सफीदों मे एक बसों का सब डिपो बनाया जाये। क्योकि इस इलाके के लोगों को अगर

अपने किसी लडके की भाादी के लिये बसे बुक करवानी हो तो उन्हे 70–80 किलोमीटर का चक्कर काट कर बुकिंग के लिये पानीपत या जींद डिपो मे जाना पडता है। जिससे असुविधा होती है। ओर लोगों को 70–80 किलोमीटर का किराया मुफत में देना ही पडता हैं इसीलिये मेरा निवेदन हैं कि वहां एक सब डिपो जल्द से जल्द खोला जाना चाहिऐं। ताकि इस इलाके के बैकवर्ड लोगो को लाभ हो सके।

श्री मनफूल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है कि भाई कुन्दन लाल जी बैकवर्ड क्लास भाईयों के भले की बात करते है। लेकिन बैकवर्ड क्लास के लिये सरकार के दिल में कोई स्थान नही है। अगर बैकवर्ड लोगों कि लिए भलाई का कोई काम हो सकता है। तो वह तो लोकदल सरकार के द्वारा ही हो सकता है। ये तो फालतू मे दूहाई दे रहें है।

श्री उपाध्यक्ष: यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है।

चौधरी कुन्दन लाल: इसके बाद में ऐजुकेसन से संबधित कुछ बाते कहना चाहूंगा । मेरे हल्के में सरकार की तरफ से ि ाक्षा के लिये बडे कम साधन अेवेलबल है । वहां पर बहुत कम स्कुल खोले हुअ है। जो है उनकी बिल्डिंग गिरी पडी हैं इनकी कई सालों से मुरम्मत नहीं हुई है। नेहरा साहब ने मुझ से वादा किया था ओर अब से 10 तारीख को कई स्कुलों का उद्घाटन करने कि लिए राज्य के अलग अलग हिस्सों मे जा रहै

है। मेरी इन से रिकवैस्ट है कि इस बारे मे ंमेरे हलके सफीदो का पूरा पूरा ध्यान रखे। मुझे आ ाा है कि मेरे हलके मे और स्कुल खोले जाये। इन भाब्दों को साथ में इन डिमांडज का समर्थन करता हुआ सदन से यह निवेदन करूंगा कि इनको पास किया जाए।

श्री उपाध्यक्ष: अब श्री लश्रमण सिंह कम्बोज बोलेगे। लेकिन कम्बोज साहब आप इस बात का ध्यान रखे कि पांच सात मिनट में ही अपनी बात कहकर बैठ जाईये।

प्रो0 सम्पत सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे बडे खेद के साथ कहना पडता है। कि आज से जो मैम्बर बोले है वे 10–10 15–15 मिनट बोले है। जब हमारी बारी आई तो आपने यह कहना भाुरू कर दिया कि 5–6 से मिनट से कोई ज्यादा नहीं बोलेग। आपस मरी सबमि ान है कि आप जा टाईम हमारी पार्टी के सदस्यों को देगे। हम उसी के अन्दर बोलेगं ओर हम उसी पर बांउड रहेगे। कल भी जब मैने बोलना भाुरू किया था ता उसी समय आपने टाईम के बारे मे कहा थां। जब उधर से कोई सदस्य बोलने लगता है तब आप उनको 10–15 मिनट का समय बोलने के लिये देते है। इसीलिये मेरा आपसे सादर नम्र निवेदन है कि आप कम से कम दोनों तरफ के मैम्बर्ज को बोलने के लिये बराबर समय दे। धन्यवाद।

Ch. Phool Chand: Deputy Speaker, Sir, while sepeaking on budget my time wa s cut by your goodself. I

want to know from the Chair whether I will be able to get time today or not?

Mr. Deputy Speaker: You will get time.

श्री लछमन सिंह कम्बोज (इन्दरी): डिप्टी स्पीकर साहब, मै फलड के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं मै हर सै ान में फलड की बात को उठाता आया हू। डिप्टी स्पीकर साहब, आपका इलाका भी खादर के एरिया में पडता है। यह इलाका हमे ाा से पिछडा हुआ हैं इसमें कुछ कुरूक्षेत्र जिले के और कुछ करनाल जिले के इलाके है। पिछला बजट में यू ही चला गया ओर बजट भी यू ही चला गया । लेकिन इस इलके के फल्ड के बचाव के लिये बहुत कम पैसा रखा गया है। जमना के किनारे किनारे हरियाणा को कई हजार एकड जमीन यू पी में चली गई ओर बहुत से लोगों के ट्यूबवैल तक भी उधर चले गयें। कई लोग बेंघर हो गये। लेकिन इस सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया । यू पी सरकार ने अपनी तरफ से बहुत बडे बडे बांध हुए है। जहां तक सडकों का सवाल है। आपने भी देखा हेागा कि जमना नगर से लेकर करनाल तक सडके बिल्कुल टूटगई । नई सडकें तो क्या बननी थी पुरानी भी टुट गई ह। मेरे हलके मे ऐसे भी लोग है जिन्होने आज तक सडक का मुह भी नहीं देखा है जेसे छपरा ओर चानन म्यूरी गांव है। इन गांवो के लोगों को 15–20 किलोमीटर का चक्कर काट कर आना जाना पडता हैं। इस बजट में इन गांवेों की सडकों के लिऐ कोई प्रोवीजन नही है। जहां तक हस्पतालों का सवाल हैं केवल इन्दरी में 10 बिस्तरों का

एक हस्तपाल हैं अगर 20 मरीज चले आये तो केवल 10 को ही जगह मिलेगी। ओर बाकी 10 करनाल जाते हुए रास्ते में ही मर जाते है। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले साल मच्छर मारने की मैलाथीन दवाई खरीदी गई थी। सरकार ने लोगो रूप्ये खर्च किए थे लेकिन सप्रे करने पर उसका कोई असर नहीं हुआ। इस बार वहां मच्छर इतना हुआ कि मलेरिया से बहुत से लोगों की मौत हो गई । इस तरह से हैन्थ डिपार्टमैट का भी बहुत बुरा हाल है। गरीब लोगों को दवाई के एक बट्टी भी नहीं मिलती है। करनाल के हस्पताल के बारे में मैने पिछले सैसन में कहा था कि उसकी बिल्डिंग बहुत पुरानी है। बिल्डिंग मे बदबू फैली हुई है। जिस की वजह से मरीज ओर भी बीमार हो जाते है। करनाल में मिनी सैक्रैरियट की नई बिल्डिंग के लिये मुख्य मंत्री जी ने पत्थर रखा था। लेकिन उस पर अभी तक कोई काम भुरू नहींहुआ । यह बजट तो कागजों तक ही सीमित रहता है। वास्तव में कुछ नही होता है। पता नहीं बजट कहां रह सकता है।? इसी तरह से पुलिस विभाग का बहुत बुरा हाल है। हर थानेदार पैसा मांगता है। बिना पेसे लिये गरीब आदमी की रिपोर्ट भी नहीं लिखी जाती । इस समय सरकार के बारे में कहने के लिये बाते ता बहुंत है लेकिन समय के अभाव में मै इस बजट का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

मास्टर ि िव प्र ाद (अम्बाला भाहर): उपाध्यक्ष महोदय, मै डिमांड नं. 2, 3, 5, 9, 10, 11, 16 ओर 23 के बारे में

बोलना चाहता हूं । डिमांड नं. 5 और 23 पर वि ोश तौर पर बोलूगा। सब से पहले मै डिमांड नं. 5 के बारे में कहना चाहता हूं जो एकसाइज एंड टैक्से ान डिपार्टमैट के बारे में है। अधिक टैक्स लगाने से हरियाणा के व्यापार को नुकसान पहंचा हे। मै एक्साइज एंड टैक् ोसन मिनिस्टर का ध्याान केवल एक ही मिसाल देकर दिलाउंगा कि अम्बाला भाहर मे एक बहुत छोटा सा व्यापार है। बाहर से चूडियां लाने का। पिछले साल बजट मे कांच की चूडियों पर 10 प्रति ात सेलज टैक्स था। अब उसको बढाकर 12 परसैनट कर दिया गया है कांच की चूडी आम गरीब घरों की रहने वाली महिलायें पहनती है। अमीर महिलायें जो सोने और चांदी की चुडियां पहनती है। लेकिन इनके ऊपर तो केवल 2 परसेन्ट टैक्स है। ओर कांच की चूडियों के कोई टैक्स नहीं है। वे प्रान्त हैं आ्रन्ध प्रदे ा कर्नाटक तमिल नाडू उडीसा पि चमी बंगाल महाराश्ट गुजरात ओर राजस्थान । हमारे पडोसी प्रदे ा पंजाब में केवल 4 परसैन्ट टैक्स है। मै। यह कहना चाहता हूं कि हमारे यहां ज्यादा टैक्स होने की वजह से लोग चुडियों बाहर से मंगवाते है। जिसकी वजह से हरियाणा के व्यापार को घाटा हो रहो है। दूसरी बात यह है। कि भाराब के ठेकेदारों के पास सरकार की रिकवरी का करोडों रूप्या बकाया है। इसके लिये ठेकेदारेों ने एक नया तरीका अपनाया हैं मान लो किसी ने सरकार कर 50000 रूपया लेंना है। वह ठेंकेदार किसी ओर के साथ मिल कर ठेका ले लेता है। ओर सौ दो सौ रूपये की कि त बांध लेता है। ऐसा करने से सुद के रूप में उसे एक हजार रूपया महीना बचता है। वे लोग

किसी को हजार दो हजार रूपया देकर कि त बांध लेते है इस बारे में मै मिनिस्टर साहब से भी मिला था। कोि ाक साहब तथा दूसरे अधिकारियेों से भी मिला था। उनको मैने नाम भी बताये। थे कि फला फला आदमी लखपति हैं अगर आप इनसे बकाया पैसा लेने की कोि ा ा करेतो ये फौरी तोर पर पेमैट कर देगें। ऐसाकरने से करोडों रूपये की रिकवरी हो सकती है। ओर वह पैसा डिवैल्पमैट पर खर्च हो सकता है। अब मैं एजुकेसन के बारे में कुछ कहना चाहता हूं मै कुछ सुझाव दुगां ताकि एजुकेसन मे सुधार हो सके। ओर उसमे कुछ न कुछ बढोतरी हो। मैने पिछले बार भी कुछ सुझाव दिये थे। जैसे हर एक जिले में बी ई ओ के पास 25 स्कुल किसी के पास 30 स्कुल ओर किसी के पास 56, 60 स्कुल होते है। मेरा सुझाव हे कि स्कुलों के बीच एक सैट्रल प्लेस हो जिसमें बी ई ओ का आफिस होना चाहिए। वरना वह ठीक तरह से स्कूलों की सुपरवीजन नहीं कर सकता। कोन टीचर समय पर नहीं आता। और कोन आता । मै समझता हूं कि मंत्री जी इस बारे में ध्यान देगे। दूसरे कई बार अगर हमें कोई टैलीफोन करना होता हैं तो हमें एस डी ओ के दफतर में जाना पडता हैं क्योकि बी ई ओ के दफतर में कोई टैलीफोन नहीं है। इसलिये मेरा सुझाव है कि बी ई ओ के दफतर में टैलीफोन होना चाहिएं। जहां तक चैकिंग का सवाल हैं इसमें बहुत दिक्कत हैं डिप्टी स्पीकर साहब पहले इन्सपैक्टर आफ स्कुल होते थे। डिस्ट्रिक्ट इन्सपैक्टर आफ स्कूल्ज होते थें वह स्कूलों को एग्जामिन किया करते थे ओर यह देखते थे कि बच्चों की पढाई

में कही कमी तो नहीं आ रही है। अगर कही कमी होती हैं तो वे सुझाव दे कर जाते थे ओर नोट लिख कर जाते थे। कि इस बार यहां पर यह कमी पाई गई आयंदा नहीं होनी चाहिए। लेकिन आज एक मंत्री चला जाये। तो एस डी एम बी ई ओ। ओर डी ई ओ का आफिस बिल्कुल खाली हो जाता है। मंत्री चाहें तो किसी भी विभाग का हो वे उसकी सेंवा करने के लिए आफिस खाली करके चले जाते है। परिणामस्वरूप उनके आफिसों का काम सफर करता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा एक सुझाव देना चाहूंगा कि स्कूलों का एडमिनिस्ट्रेटिव ढांचा अलग कर दियाजाये। ऐसा कर दिया जाये कि मिनिस्टरों की सेवा के लिए फलां फला अफसर जाएंगें स्कूलों की इंसपैक्सन की दृश्टि से डीईओ ओर बीईओ जाये ओर ि ाक्षा में सुधार लाने के लिए रजिस्टरों मै सुझाव लिख कर जायें। अगली बार जब वे चेकिगं करने आये तो उस समय उस चेक करे कि जो सुधार बताये थे आया वह सुधार हुआ है या नहीं। इसके अलावा मै एक बात ओर कहना चाहूगा कि देहातो मे बहुत से स्कूल ऐसे हैं जो सडकों से नहीं मिले हुऐ जबकि यह आर्डर है कि स्कूलों तक सडकें जरूर जानी चाहिऐ। एक नहीं बहुत से स्कूल ऐसे है जो सडको से नही मिलाये गये। मै सरकार से प्रार्थना करूंगा कि जिन स्कुलों को सडक से नहीं मिलाया हुआ उन तक हर हालत में सडक पहुचाई जानी चाहिए। ताकि स्कूलों मे जाने वाले बच्चों को कोई दिक्कत न हो। डिप्टी स्पीकर साहब, यहां सदन में कहा जाता हैं कि स्कूलों की बिल्डिंग अच्छी नहीं है। इस बारे में मै एक बात जरूर कहना चाहता हूं

अम्बाला भाहर में एक गवर्नमैट हायर सैकैण्डरी स्कूल हैं उसमें 225–250 बच्चे पढते है ओर वहां पर स्टाफ भी पूरा हैं लेकिन बिल्डिंग के बंहुत से कमरे बंद पडे रहते है। इस बारे में मे एक सुझाव देना चाहुगा उस बिल्डिंग मे एक गवर्नमैट कालेज खोल दिया जायें। ताकि वह बिल्डिंग भी काम मे आये ओर सुरक्षित भी रहें। उस बिल्डिंग के साथ साथ चण्डीगढ दिल्ली जाने वाली सडक लगती है इस सडक पर बलदेव नगर कैम्प मे एक हाई स्कूल हैं जिसमें लगभग 1800 बच्चे हैं उस स्कूल में को–एजूकेसन है और इतनें ज्यादा बच्चे है। कि कंट्रोल नहीं हो पाते । पिछले दिनों ट्रक के नीचे आ कर एक बचचा मर गया था। इस सारे में मै एक सुझाव देना चाहता हूं कि बलदेव नगर कैम्प मे जो प्रांइमरी स्कूल है उसको अपग्रेड करके लडकियों का मिडल स्कूल बना दिया जाये। ऐसा करने से हाई स्कूल के आठवीं तक के बच्चों के संख्या कम हो जायेगी। बच्चे कम होने के कारण वहां का एडमिनिस्टेटिव ढांचा भी ठीक होगा ओर बचचों पर कट्रोल होगा। मैं ि ाक्षा मंत्री जी से कहना चाहूगां कि मैने जो सुझाव दिये है उन पर अव य विचार किया जाये। इसके अलावा मै एक बात ओर कहना चाहूंगा कि कालेजों के लिए जा अलग डायरैक्टोरट बनाया गया हैं इस पर सरकार दोबारा गम्भीरता से विचार करे। प्राइमरी एजुकेसन के लिए भी अलग डायरेक्टोरेट बना दिया जाय। प्राइमरी एजूकेसन में लगभग 45–50 हजार टीचर्ज है। अगर इन के लिए अलग डायरैक्टोरेट बना दिया जाए तो ि ाक्षा मे काफी सुधार आएगा। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जो डीपीआई

तक की परमोश्सन है वह डिपार्टमैटल परमो ान होनी चाहिए। एजुके ान की लाइन से निकले हुए आदमी को यह मालूम हो जाता है कि किस स्कूल मे क्या क्या कमी हैं ओर उसका इलाज कैसे किया जाता है। हर आई ए एस आफिसर को स्कूलों की हर कमी का पता नही होता। ओर न ही इसका इलाज कर सकते है। आईं ए एस आफिसर्ज एडमिनिस्ट्रेटिव ढाचें मे जो चाहे मर्जी कर ले लेकिन एजुकेसन की लाईन मे उनको पता नही होता है। इसीलिए मै सरकार से प्रार्थना करूंगा कि ि ाक्षा को ध्यान मे रखते हुए डीपीआई तक की परमो ान डिपार्टमैटल परमोसन देनी चाहिए।

इस के अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै हरियाणा राजय परिवहन के बारे में कुछ बाते कहना चाहूंगा। आप किसी भी बस स्टैड पर चले जाये। वहां की हालत खराब होती हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे घरौडा ओर सम्भालखा के बस अड्डों पर ठहरने का सौभागय प्राप्त हुआ है। वहां पर चाय भी काम की नही मिलती है। और जो मिलती है। उसका एक कप का कम से कम एक रूपया चार्ज किया जाता है। मै परिवहन मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि आप इन दुकानों का किराया फिक्स कर दे। ओर मिनो बना कद दे। ताकि मिनो के मुताबिक लोगो को सही रेट पर चीज मिल जाये। सरकार आक ान कर के दुकानदारों से पेसा ने लेती है। लोगों को वहां पर कोई चीज नहीं मिलती है। अगर कही चाय वगेरहा मिलती हैं वह ठीक नहीं होती है। ओर एक कप चाय का

एक रूपया चार्ज कर दिया जाता हैं। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, आगे गर्मी का सीजन आ रहा है। आप किसी भी बस स्टैण्ड पर ंठंडे पानी पीने के लिए नहीं मिलेगा। सरकार को हर बस स्टैड पर ठंडे पानी का इंतजाम करना चहिए। इसके अलावा आप किसी भी बस स्टैड पद युरिनल की हालत देखे। आप को मालूम होगा कि वह यूरिनल उसी समय अच्छा बना होगा जिस समय बस स्टैड बनाया होगा। उसके बाद उनकी तरफ कोई ध्यान नही दिया गाया। उन की सफाई की आरे बिल्कुल ध्यान नही दिया गया है। और न ही मुरम्मत की ओर ध्यान दिया गया है। मै सरकार से कहना चाहूंगा कि इस तरह की छोटी बातों पर ध्यान दिया जाये।

इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मै इस्टीज के बारे में कुछ बाते कहना चाहूंगा । पिछले सै ान में अम्बाला तहसील को इंडस्टीली बैकवर्ड एरिया घोशित करने के लिए एक रेजोल्यु ान आया था। लेकिन उस तरफ अभी सरकार ने ध्यान नही दिया हैं। मै सरकार से प्राथनाकरूंगा कि अम्बाला भाहर की डिवैल्पमैट ओर ध्यान दिया जाए। जो 25 हजार रूपये पढे लिखे नौजवानों को अपना धंधा भाुरू करने के लिए ग्रांट के रूप में देने का सिलसिला सरकार ने चलाया है। यह बहुत अच्छी बात है लेकिन इस 25 हजार रूपये के लोन मे भी गडबड हो रही है। जिन लोगों को अपना धंधा भाुरू करने के लिए 25 हजार रूपए का लोन दिया जाता है। वह ठीक ढंग से नहीं दिया जाता हे।

उस की इन्कवायरी होनी चाहिए। जो आदमी अपना धंधा भुरू करने कि लिए लोन लेता है। उसका ठीक ढंग से इस्तेमाल हो रहा है। या नहीं। उस ने लोन लेने के बाद अपना काम भुरू किया है। या नहीं। इसकी इन्कवायरी होनी चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, बहुत से आदमी इस लालच से लाने लेते हैं कि सरकार की तरफ से इस लोन पर 6250 रूप्ये की सबस्डी मिलती है। बहुत से लोग सबसिडी के लालच में आ कर लोन ले रहें है। वास्तव में कोई धंधा भुरू नहीं कर रहे है। मै सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सरकार इस तरफ ध्यान दे और इस चीज की इन्कवायरी करवाये कि आया वह लोन ठीक ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है। या नहीं।

इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मै जनरल एडमिनिस्ट्रे ान के बारे में एक बात और कहना चाहूगा। विकास की दृश्टि से अम्बाला भाहर की हालत बहुत बुरी है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै चाहुगा कि वहा पर एक भी विकास का काम नही हुआ हैं आप अम्बाला भाहर में जाये। मैं यह नही कहता कि आप पैदल जायं आप अपनी कार में बैठ कर भाहर के अन्दर जायैं जब आप सडक पर चलेगे तो अनके बार कार मे बैठें उछेलेंगे। अम्बाला भाहर के अन्दर सडके टूटी पडी है। ओर बहुत गहरे गडढे है। वहां पर पैदल चलते समय आदमी का और स्कूटर का किसी का किसी भी समय एक्सीटैट होने का खतरा रहता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह है कि अम्बाला भाहर में सडको

की हालत बहुत बूरी है। ओर सफाई का बहुत बुरा हाल है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि वे अम्बाला मयूनिसिपल कमेटी की अम्बाला भाहर की डिवैल्पमैट के लिए कम से कम एक करोड रूपया दे। अम्बाला भाहर को मेनटेन करना बहुत जरूरी है।

इसके अलावा पुलिस के बारे में सदन के अन्दर बहुत सी बातें कही जाती है। जिनके कारण सरकार की बदनामी होती हैं यहां पर पुलिस के बारे में तरह तरह की चर्चा होती है। मै एक बात कहना चाहूंगा कि जो डाके पडते है। चोरियों होती है। ओर कत्ल होतेहै। यदि उनके बारे में पुलिस एकदम एक्सन ले ले तो मै समझता हूं कि ऐसा करने से सरकार का वकार बढेगा। पोलटिकल आदमियों का भी वकार बढता है। लेकिन ऐसा नहीं होता । डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपको सिढौरा के बारे में एक बात बताना चाहूंगा । पिछले दिनों जब सिढोरा के अन्दर रामलीला हो रही थी। उस समय एक बाल्मीकि की 8–9 साल की नाबालिक लडकी को अगवाह किया गया ओर उसके साथ बलात्कार भी किया गया। बाद में उस लडकी की ला ा कुएं से मिली थी। अभी तक पुलिस ने उस बारे में कोई एक ान नही लिया है। इस तरह की बहुत सी बाते है। जिनका पुलिस कोई एक ान नही ले रही है। इसके अलावा जनरल एडमिनिस्ट्रें ान क बारे में एक बात और कहना चाहूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद के पास एक गांव कुराली है। जिसको भाायद एसी चौधरी साहब भी जानते होगे। वहां पर एक पंचायत है पंचायत का वह संरपच किसी मिनिस्टर का रि तेदार हैं उसने कुराली गांव की 180 एकड जमीन जो पैदावार की जमीन हैं उसमें से 61 एकड जमीन लेकर एक प्राईवेट संस्था बनाकर उस संस्था के नाम करना चाहता है। जबकि वहां पर कोर्ह ट्रस्ट नहीं हैां और न हीं उसका कोरम है। इसी तरीके से एक ओर ट्रस्ट है मै बताना चाहता हूं भाायद यह बात मुख्य मंत्री जी के नोटिस मे नही होगी अब उनहें भी पता चल जाऐगा और वे इस बुराई को दूर कर देगे। इससे उन्ही का नाम होगा। इसी प्रकार अब मैं अम्बाला जिले के बारे में कहना चाहुता हूं वहां एक ट्रस्ट हैं। उस ट्रस्ट का नाम माता समला देवी है। इस ट्रस्ट का एक ही आदमी है। मै बताना चाहूंगा कि उस व्यक्ति ने गलत तरीकों से 40 लाख 48 लाख 8 लाख 30 लाख रूपए कमाये है। इस प्रंकार उसने डेढ करोड रूपए बना रखे है। यदि मै उस व्यक्ति का नाम लुंगा तो आप उस कहेगं कि कार्यवाही मे से काट दे। वे पहले पब्लिक हैल्थ में इंजीनियर इन चीफ हुआ करते थें वहीं अकेला इस ट्रस्ट का मालिक बना हुआ है। अगर आप इस की इंक्वायरी करा ले। (ाोर)

श्री उपाध्यक्ष: नाम को एक्सपंज कर दिया जाये।

मास्टर ि ाव प्रसाद: उस आदमी ने डेढ करोड रूप्ए कमाए हुए है।

श्री उपाध्यक्ष: आप बैठ जायं।(ाोर) अब श्री रो ान लाल जी बोलेगे।

मास्टर ि ाव प्रसाद: .....(ाोर)

श्री उपाध्यक्ष: मेरी परमि ान कि बगैर जो बोला जा रहा है। वह रिकार्ड न किया जायें।

मास्टर ि ाव प्रसाद: .....

चौधरी रो ान लाल आर्य (**छछरोली**): डिप्टी स्पीकर साहब, मै सबसे पहले डिमांड नं. 3 जो होम की हैं पर बोलना चाहूंगा । मै जो बाते कहुगा वे स्पैसिफिक कहुगा। नोट करने वाले मंत्री जी यहां पर बैठे नही है। होम डिपार्टमैट की सबसे बडी काबलियत तो यही हैं कि उन्होनें मुझे पकड लिया था ओर ये इस बात को मानने कि लिए तैयार नहीं है। न ही इनहोने स्पीकर साहब को मेरी कोई खबर दी । दूसरी बात मैं किताब सिंह जी के बारे में कहना चाहता हूं। इन्होनें इनको भी पिछले दिनों पकड लिया था लेकिन उस बारे में भी आज तक कुछ नहीं कर पाये। इसके अलावा ओर भी बहुत सी प्रमाणित बातें है जो नहीं होनी चाहिए। इसका कोई इलाज होना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, बावल के पास गुजरी वास गांव है। वहां पर रिवाडी का एक आदमी उस गांव के एक आदमी की जमीन पर नाजायज तौर पर कब्जा करना चाहता है जिस व्यक्ति की जमीन थी वह एक दिन खेत में काम कर रहा था। उस पर पुलिस की मदद से हमला किया गाया।

परिणाम स्वरूप एक 22 साल का जवान मारा गया ओर दो व्यक्ति घायल हुए। लेकिन आज तक गोली चलाने वाले आफिसर के खिलाफ कोई कार्य्रवाही नही की गयी। दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि हमें कई ि ाकायते करतें है। ओर वे सारी की सारी जैनुबन होती है। लेकिन उन पर कोई कार्यवाही नही की जाती । सरकार समझती हे। कि हम कोई ठोस बात नहीं कहते ओर बिना प्रमाण के बात कहते है। जो बाते मै कह रहा हूं ये सारी की सारी प्रमाणित बातें हैं इसका सरकार को जवाब देना चाहिए। किसानों के साथ आज क्या व्यवहार किया जा रहा है। वह भी मै आपको बताना चाहूगा। नूरहद गांव का एक नायब सिंह व्यक्ति है इस व्यक्ति ने एम आई टीसी द्वारा दिए गए पैसों की रसीद मेरे पास हैं लेकिन जब वह बराडा तहसीलदार के पास गया तो उस किसान को जबरस्ती उठवा लिया गया। आरे उससे 400 रूपये ले लिये। इन बातों से पता चलता हैं कि सरकार किस तरीके से किसानों को मारना चाहती हैं दूसरी बात मै वकीलों की करना चाहता हूं वकीलों की जो गिरफ्तारी की गयी थी उस सिलसिलें में वकील यमुनानगर मे धरना देगे। मै। बाई चानस वहां पर चला गया। ओर वहीं पर एक जगह पर पानी पीने के लिए चला गया। मैने देखा कि कुछ आदमी खिडकी से झांक रहं है और बाहर से ताला लगा हुआ है। मै देखकर हैरान रह गया किये कोन आदमीहै ओर कहां के रहने वाले है बाद मे पता चला कि चारो आदमी मेरे हल्के के ही थें। उनको बिना किसी वांरट के को–आप्रेटिव डिपार्टमैट वाले वसूली के चक मे पकड लाये थे। जबकि आज कल वैसे भी वसूली

स्थगित की हुई । को–आप्रेटिव विभाग वाले लोगों से कुछ खाने पीने के लिए लुटने के लिए दह ात फैलाने कि लए ओर रि वत लेने के उदे य से किसानों की बन्द करते रहतेहै। यह सभी प्रमाणित बाते है। जिन लोगों ने ऐसा गलत काम किया है उनको दण्ड दिया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महादेयय प्रैस को भी हमारे लोकतंत्र के अन्दर जिन्दा रहने का अधिकार हैं एक श्री ओएन गर्ग इण्डियन एक्सप्रेस के रिपोर्टर है। उन्होनें अम्बाला की एक सही खबर लिख कर किसी गैग का भण्डा फोड कर दिया हैं अब उसके पीछे पुलिस लगी हुई है। रात को भी मेरे पास उनका टेलीफोन आया था। उन्होनें कहा कि आप विधान सभा मे इस बात को उठायें क्योंकि मेरी जान को पुलिस वालेा से खतरा है। यदि इस तरीके से किसी को गिरफ्तार किया जाता हैं तो यह बुरी बात है। किसी भी रिपोर्टर को डराया धमकाया नही जाना चाहिए। दूसरी बात मै होम की यह कहना चाहता हूं कि ये हमें कहते हैं और समझते है कि लिख कर दे। मैने लिखित मे एक ि ाकयत इन्जीनियर इन चीफ ओर मुख्य मत्री जी को भी भेजी हुई है कि मेरे हल्के मे एक एस डी ओ है। मेरे हलके के अन्दर जितनी सडके मन्जुर हुई थी। वे सब की सब कागजो पर ही है। वह एसडीओ तारकोल ओर दूसरा सामान खा गया। कागजों के अन्दर सडके बनी हुई ओर पुल बने हुए हैं लेकिन वास्तव में मौके पर कुछ नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः जिस आफिसर का नाम लिया गया हैं उसे एक्सपंज कर दिया जाये।

चौधरी रो ान लाल आर्यः यह सब कुछ तब होता है। जब हम लिख कर देते है। प्रमाणित करके देते हैं ओर बकायादा नम्बर देते हैं लेकिन इसके बावजूद भी जब कोई कार्यवाही नहीं होती तो हमें संदेंह होता है कि जो पैसा नीचे वाले लोग खाते है। वह जरूर ऊपर तक पहुचता है। जंहां कार्यवाही करने वाले बैठे हैं यही कारण है उनके खिलाफ कुछ नही किया जाता।

दूसरी बात मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहूता हूं उपाध्यक्ष महोदय ि ाक्षा किसी भी समाज का आधार होती है। जिस समाज में ि ाक्षा की ठीक प्रबंध नही कर सकता। आज हमारी ि ाक्षा के अन्दर नैतिक ि ाक्षा का कोई प्रावधान नहीं है। बच्चौं को ि ाक्षा देते समय संस्कार नहीं बताये जाते आप चाहे किसी को आईएस आईपीउस बना दे। या किसी को टैक्नीकल एजुकेसन दे दे। जब तक उसको कोई नैतिक ि ाक्षा नही दी जायेगी। अच्छे संस्कारों के निर्माण का वातावरण नहीं बनाया जायेगा। धार्मिक ि ाक्षा नही दी जायेगी। तब तक कोई विद्धान हाते हुए भी समाज में फेल हो जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, रावण चारों वेदो का विद्धान था। लेकिन उसको नैतिक ि ाक्षा का ज्ञान न होने के कारण वह फेल हो गया। क्योकि उसके संस्कार अच्छे नहीं थे। नेतिक ि ाक्षा का ठीक प्रकार से ज्ञान न हौने की वजह से चोरो वेंदों का ज्ञाता होते हुए भी वह धर्म की बातो पर नहीं

चल सका। जबकि वह भाासक था। मै यह कहना चाहता हूं कि हमारी जो मौजूदा ि ाक्षा है वह समाज मे अनेक प्रकार से रावण पैदा कर रहीं है। जितने भी लोग पढ लिख जाते है। वे गरीब ओर पिछडें हुए लोगों का खून पीने की कोि ा ा करते है। यदि नैतिक ि ाक्षा भाुरू से दी जाये बच्चों को आध्यात्मिक ज्ञान दिया करते है। योग विद्या भाुरू से सिखाई जाये। जीवन चरित्र का सारा अभ्यास सिखाया जाये तो मै समझता हुं कि समाज का चरित्र बहुत ज्यादा ऊंचा हो जाता है। ओर समाज का बहुत बडा कल्याण हो सकता है।

उपाध्यक्ष महादेय, अब मै इण्डस्टीज के बारे में एक लाईन कहना चाहूंगा । इण्डस्ट्रीज विभाग की तरफ से बेरोजगार लडकों को 25 25 रूप्यें तक लोन देने की स्कीम चलायी हुई है। इस लोन की डिस्ट्रीब्यू ान के बारें मैं बहुत सी ि ाकायतें आई है। मेरी गुजारि ा है कि इन ि ाकायतों पर गौर करनी चाहिए। यमुनानगर एक बहुत बडा इण्डस्ट्रीयल एरिया है। मेरा सुझाव है कि वहां पर डिस्टिक्ट लेवल का कोई आफिस अव य होना चाहिए। ताकि वहां के लोग उनको गाइडैस का लाभ उठा सके। ओर इण्डस्टीज का बिस्तर कर सके।

13.00 बजे

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं फोरैस्ट के बारे में कहना चाहूगा। फोरैस्ट के लिए इस मांग के माध्यम से पैसा मांगा जा

रहा है। फोरैस्ट के बारे में प्र नोतर काल के दौरान भी प्र नोत्तर चले थे। फोरैस्ट के बारे में मै बडी जिम्मेदारी के साथ कहना चाहुगा लेकिन अगर सही बात कहूंगा तो वह कडवी लगेगी। ये कूद पडेगे इसलिए मै कोई भगदड मचाना नहीं चाहता। अध्यक्ष महादेय, मै फोरैस्ट के बारे मे कह रहा था कि जो आफिसर्ज फोरैस्ट केअन्दर बैठे हुए हैं उनके द्वारा जो धपला फोरैस्ट बोर्ड मे हो रहा है। उसकी जांच कर लेनी चाहिए। क्योकि सरकारें तो आती रहती है। कोन एमएलए बन गया ओर कोई एमएलए नहीं बना। कही ऐसा न हो कि जनता का दाव लग जायें ओर सरकार बदल जाय या इसी सरकार केअन्दर कोई परिवर्तन आ जाये। फोरैस्ट मे जो करोडों रूपये के घपले हुए हैं बाद मे अगर जांच हो गयी तो उस जाचं केदौरान बेकसूर लोग न मारे जाये। जांच हो गयी तो न जाने कितने आदमी ओर आफिसर जेलो की सीखों के अन्दर होगे। आफिसर्ज को लोगों के दवाब में आ कर काम करना पडता हैं ओर मंत्री लोग फोन करके पीछे हट जाते हैं स्पीकर साहब, मै यह चाहूंगा कि फोरैस्ट बोर्ड मे जो भ्रश्टाचार व्याप्त है इसको चैक करने के लिए एक सेल बनाया गया । इस सेल के जरिए इस भ्रश्टाचार को अनायुक्त किया जाये। आज इस बोर्ड के जरिए जनता के गाढे पसीने की कमाई को लुटाया जा रहा है। ओर यह लूटने का एक अड्डा है। इस लुटाई पर कोई न कोई रोक लगाई जानी चाहिए। जो भ्रश्टाचार हुआ है। इसकी इन्कवायरी किसी हाई कोर्ट के जज के द्वारा करवाई जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त फोरैस्ट बोर्ड मे कई काबिल आफिसर हैं उनको

सरकार ने खुडडे लाईन लगा दिया है। इनके साथ ज्यादती नही करनी चाहिए।

अब मै मांग नं. 23 पर बोलना चाहूंगा जो ट्रांस्पोर्ट डिपार्टमैट के बार में है स्पीकर साहब कुरूक्षेत्र हरियाणा मे एक प्रकार की आध्यामिक राजधानी है। यहां पर नया बस स्टैड बनाया गया है। यह अडडा ऐसी जगह बनाया गया है। जिससे लोगों को कोई लाभ नही होता । खास तौर पर भाहर के लडके जो पढने के लिए आते है। बडे परे ाान है। बहुत से छात्र आसपास से पढने के लिए आते है। उनको बडी भारी दिक्कत है। खास तौर पर जो गरीब छात्र हैं उनको आने जाने के लिए बहुत पैसा खर्च करना पडता है। यह अडडा पिपली के पास बनाया गया है। यह छात्रों का दूर पडता है। बहुत पेसे खर्च हो जाते है। इसके अलावा रात को ट्रासपोर्ट का भी कोई साधन नही मिलता । इसीलिये मेरी सरकार से दरखास्त हे कि इस अडडे का निर्माण ऐसी जगह किया जाये जहां से लोगों को आते जाते हुए कोई दुविधा न हो।

इसके अलावा स्पीकर साहब, बहुत से लडके कालका से पंचकुला पढने आते है। लेकिन सरकार ने उनके बस पास की फीस मे वृद्धि कर दी है। यह इनके साथ ज्यादती है। इस वृद्धि को वापस लिया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, मेरे इलाके में एक बस स्टैण्ड बनना था। पिछले साल इसके लिए बजट में 40 हजार रूपया रखाथां। लेकिन यह रूपया खर्च नही किया गया ओर लेप्स

हो गया है। फिर मैने कहा कि पिछले साल 40 हजार रूपया लेप्स हो गया था। इस साल तो लैप्स नही ंहोना चाहिए। कम से कम ईंटे वगैरहा ही डलवा दो। वंहां पर ईटे वगैरहा डाल दी गई लेकिन ये ईटै खा गए ओर बस अडडा नहीं बन सका। इसके इलावा मेरे इलाके में कलसर ओर कोट जेसे गांव है। इनमें छोटे छोटे भौल्टर बनाये जाये ताकि लोग बारि ा ओर धूप में न बैठे जरूरत पडने पर इन भौल्टर्ज का इस्तेमाल कर सके।

चौधरी भाकरूल्ला खां (फिरोजपुर झिरकां): जनाब साहब आपका भ्ाुकिया जो आपने मुझे बोलने का टाईम दिया। मै मांग नं. 3, 9, 10, 14 पर बोलना चाहूंगा। जनाब मेरा इलाक मेवात का इलाका है। यह बहुत पिछडा हुआ इलाका है। सारे हरियाणा में सबसे ज्यादा बैकवर्ड इलाक मेरी कांस्टीच्युएसी फिरोजपुर इलाका है। जहां तक ि ाक्षा का तालुक है यहां पर जो स्कूल है उस मे कोई भी मास्टर नहीं है। ओर इसका कारण यह है कि इस इलाके के लडको को मास्टर नहीं लगाया जाता हैं सब बाहर के लडके है। इसके अलावा सरकार ने फिरोजपुर झिरका में जेबीटी की ट्रेनिंग के लिए कालेज खुलवाया है। मेरी सरकार से दख्वास्त हैं कि इस कालेज से जो लडके पास होकर निकले उनको मेवात कै एरिया मै भी मास्टर लगाया जाये। ताकि स्कूलों मे मास्टरों की कमी दूर हो सके। स्पीकर साहब, उद्योग धन्धों की तरफ हमारी सरकार ने बहुत तरक्की की है। इसके लिए मैं चोधरी भजनलाल जी का बडा अभारी हूं इन्होने मेवात की डिवम्लपमैट के

लिए मेवात बोर्ड बनाया और इस बोर्ड के बन जाने से जा तरक्की हुई है। वह बहुत ही सहानीय हैं इसमें कोई भाक की बात नहीं है। मेवात के एरिया मे उद्योग कि लिहाज से फिरोजपुर झिरका बहुत पिछडा हआ है। इस इलाके के साथ राजस्थान का इलाका अलवर लगता है। यहां पर दिल्ली ि लोगों ने बडी बडी फैक्ट्रियां लगा रखी हैं टाटा ने मरसरी गाडी बनाने की फैक्टी लगाई हुइ है। ओर यह दिल्ली के इडस्टियलिस्टस ने लगाई है। अगर दिल्ली के लोग फैक्टी लगा सकते है। तो झिरका के लोग क्यो नही लगा सकते। इस लिए मैं सरकार से रिक्वैसट करूंगा कि फिरोजपुरा झिरका नुह ओर पुनहाना में उद्योग लगाय जाये। ओर इन उद्योगों को लगाने की इजाजत यहां के लोगों की ही होनी चाहिए। अब मै स्वास्थ्य के बार में थोडा सा अर्ज करना चाहता हू। फिरोजपुर झिरका में केवल 30 बैट्स का हास्पिटल है यह छोटा हस्पताल है। ओर मरीजों की तादाद मेवात का काफी बडा इलाका है। लेकिन यहां पर बडा हस्पताल नहीं है। इस इलाके में हस्पताल बनाने के लिए 20 एकड जमीन देने को तैयार है। सरकार इस जमीन को ले ले ओर यहां पर 50 बिस्तरी का बडा हास्पिटल बनाया जाये। मै आपका बहुत भाुक्रगुजार हूंगा। अब मैं मांग नं. 23 पर जो परिवहन के बारे मे थोडा से अर्ज करना चाहता हूं मेवात के एरिया में बसे बहत कम चलती है। जिस प्रकार गुडगांव का डिपो हरियाणा में सब से बडा डिपो है। उसी प्रकार का डिपो फिरोजपुर झिरका मे बनाया जाये। ताकि इस एरिया ज्यादा से ज्यादा बसें चलाई जा सके। अब मैं डिमांड नं. 3 पर बोलना चाहूंगा पुनहाना थाना

हरियाणा के बार्डर पर लास्ट थाना है। इस थाने की बिल्डिंग बहुत कच्ची हैं जब कोई कोई कांड होता है। तो थाने वालो को आने जाने मे भी दिक्कत होती है। इसलिए मेरी सरकार से दुख्र्वास्त है कि इस थाने को एक जीप दी जाये थाने वाले असानी से इधर उधर जा सके। इसके साथ ही थाने की बिल्डिंग कची हैं इसको भी पका किया जाये। इसके अलावा सरकार ने वंहा पर आई टीआई खोंला है। ओर इस में काम चल रहा है। सारे मेवात में के इलाके मे तीन आई टी आई है लेकिन इनमे मेवात के बच्चे भर्ती नहीं किये जाते बाहर के बच्चे लिये जाते है । मै सरकार से रिकवैस्ट करूंगा कि एडमी ान करते समय मेवात के बच्चो को भर्ती करने की अलग परसैटज फिकस की जाए। इसके इलावा मै हरियाणा में उर्दू पढाई जाने के लिए मांग करूंगा । सारे स्कूलें मे उर्दू पढाई जानी चहिए। अगर सारे हरियाणा मे नहीं पढाई जा सकती है। तो कम से कम मेवात के एरियें मे तो पढाई जाऐ। ताकि जो बच्चे भाोक रखते है वे इस मीठी जबान को पढ कर अपना भाोक पूरा कर सके। इन भाब्दों को साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं जो आपने मुझे टाईम दिया है।

मास्टर राम सिंह (रादौर): स्पीकर साहब, मै डिमांड नं. 9, 10, 23, 14 पर बोलना चाहता हूं आपका बहुत बहुत धन्यवाद जो आपने बोलने का मौका दिया है सबसे पहले में एजुके ान पर बोलूंगा। मेरे हल्के मैं 10–12 गांव ऐसे है। जहां पर प्राईमरी स्कूल भी नहीं है। रादौर में एक गवर्नमैट हाई स्कूल है जहां

को–एजुके ान हैं । लेकिन इसमें बहुत ज्यादा बच्चे पढते है। यहां पर अलग से एक गलर्ज स्कुल खोला जाए ताकि बच्चों की एडजस्टमैट हो सके। वह को–एजुके ानल स्कूल हैं लडको का स्कूल अलाहिदा होना चाहिए। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह इस काम को अव य करे।

स्वास्थ्य विभाग की डिमांड के बारे में मै यह कहूंगा कि मेरे हल्के के अन्दर एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर है। उसकी बिल्डिंग पूरी है। उसको यदि अपग्रेड करके 30 बैड्ज का बना दिया जाए तो उस इलाके को बहुत ज्यादा फायदा होगां। इसी तरह से बबैन के 12–13 मील के रेडियस के अन्दर चुकि कोई हस्पताल नही है। केवल एक रूरल डिसपैन्सरी है प्राईमरी हैल्थ सैन्टर बनाने की कुपा की जाये क्योंकि लोगों ने इसके लिए जमीन भी दी है।

स्पीकर साहब, हमारा जिला कुरूक्षेत्र इंडस्टीज में बहुत बैकवर्ड है जो थोडी इंडस्ट्रीज है उनको बिजली नही मिल पाती । मै सरकार से अनुरोध करूंगा कि उन इंडस्टीज को बिजली दी जाये। स्पीकर साहब, रादौर हल्के के लिए एक इंडस्ट्रियल कंप्लैक्स मंजुर किया गया था। उसके लिए जमीन भी ऐक्वायर कर ली गई है। लेकिन चार पांच साल से वह ऐक्वायर की हुइ जमीन खाली पडी हैं अभी तक सरकार ने इंडस्ट्रियल कंप्लैक्स चालू करने का कोई प्रावधान नही किया है मेरा सरकार से अनुरोध है कि रादौर के अन्दर जो बेकार जमीन पडी है उसका इस्तेमाल

किया जाय और इंडस्ट्रियल कप्लैक्स जल्दी से जल्दी चालू किया जायें।

स्पीकर साहब, पिपली में कोई बस स्टैड नहीं है। वहां पर चारों तरफ जैसे पेहावा कैथल जमुनानगर ओर करनाल आदि जगहों से सवारियों आती है। बारि ा ओर धूप मे ंलोगों को बडी दिक्कत का सामना करना पडता हैं इसीलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर भाीघ्र बस स्टैड बनाया जाए। इसी तरह रादौर के अन्दर भी प्रौपर बस स्टैड नही है। वहां पर चारों तरफ से सडके मिलती है। वैसे भी रादोर एक कस्बा हैं इसीलिये वहां भी बस स्टैड की सुविधा होनी चहिए।

स्पीकर साहब, रादौर के अन्दर एक छोटी सी मंडी है। इसके आस पास ओर कई छेाटी मंडियां है। लेकिन इनको पेमैन्ट लेने के लिए डीएफसी कुरूक्षेत्र के पास जाना पडता है। वहां पर कई वारदात ऐसे हुए है। कि रास्ते में कई लोगों के पैसे छीन लिए गये या जेब काट लिए गए। मेरी रिकवैस्ट है कि लोगों को पैमेन्ट मंडी में आकर ही की जाऐ। मै मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि हैफड द्वारा रादौर मंडी के अन्दर भी अनाज की खरीद की जानी चाहिए। क्योकि यह मंडी काफी डाउन जा रही है। इन भाब्दों के साथ अध्यक्ष महोदय मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

Ch. Phool Chand (Mullhana): Sir, I will take only two minutes. I would like to speak just on few demands. First of all, I would

comment on Demand No. 9 Sir, that for every school in the villages after having some coordination with the P.W.D. B&R the Government should try to arrange approach roads. (Interruption) there is a great derth of teachers in the school. Not only this that the sanctioned staff is not posted there but we require certain more teachers in the schools so that people could give better education to the children. So, I would recomend that certain more staff should also be sanctioned.

Then I come on Demand NO. 10. In this connection, I would like to suggest that in Ambala and particularly in Mullana constitiency we require more hospitals in the villages because we do not have hospitals and the population of the constituency is more than 2 lacs. Even at Ambala the construction work of hospital building has not yet been started. So Iwould like to recommend and suggest that the work of hospital builidng should immediately be started. Now I want to take up Demand NO. 23. The is regarding Transport. One great difficulty which the boys of Haryana are facing while coming to Chandigarh is that their pass fares have been doubled for the last few days. I do not know why? I would request the Transport Department to look into the matter and relieve the boys of higher charges while coming to Chandigarh because we have certain types of colleges at Chandigarh which we do not have in Haryana. So, this facility should be given to the boys.

I would also like to say one thing regarding Social Welfare. There are hundreds and thousands applications for the grant of old age and widow pension in the Social Welfare Department. They are still pending. We do tell people that they should apply for pension. but the funds are not available. I would request that the weaker sections of society demand in this regard be met. So this amount should also be increased.

Now I come to Public Health. There are certain pockers in the hilly areas where we do not have the drinking water facilities, which is the basic necessity of the common masses. One of these villages is Nagli-Kochi. Speaker, Sir, if you kindly find some time and go there you will find that they take water from the same pond from where their animals take water .

Mr. Speaker: if you invite me, I will go there.

Ch. Phool Chand: you are cordially invited, Sir, So I would say that certain villages like Nagi Kochi and other hilly tracts (from Naraingarh to Tajewala) require this facility of water works as is provided in Naraingarh Tehsil and Kalka Tehsil. I would request that this area should be investigated and public health schemes shouldbe sanctioned keeping in view all the circumstances stated by me.

Mr. Speaker: Please wind up.

Ch. Phool Chand: All right, Sir, I do not want much of the time unnecessarily. Thank you.

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): स्पीकर साहब, कुछ मैम्बर्ज साहेंबान ने गवर्नर ऐड्रैस बजट ओर डिमांड्ज पर बोलते हुए कहा कि हस्पतालो मैं दवाईयां नहीं हैं। यह बात ठीक नहीं है दवाईयों काफी मांत्रा में दी जाती हैं। इस साल भी बजट में दवाईयौं के लिए 125 लाख रूप्ये का प्रोविजन किया गया हैं। 25 लाख रूपया मलेरिया की रोकथाम के लिए केन्दीय कार्यक्रम के अन्तर्गत मिला हैं ओर 150 लाख रूप्ये बाढ पीडितों क्षेत्रों के लिए केन्द्रीय सरकार से मदद मिली । हमने काफी दवाईयौं हस्पतालों में दी हैं मै समझती हूं कि सभी जगह काफी मात्रा में दवाईयां दी जाती है। हो सकता है। आबादी जयादा बढने से सैट परसैट दवाई न मिल पाती हो लेकिन बहुत हद तक दवाई देने की कोि ा ा की जाती है।

अध्यक्ष महादेय, भाई कुन्दन लाल जी ने सफीदों के हस्पताल की बात कही थी। मै उन्हे बताना चाहती हूं कि बहुत जल्दी वहां 30 बिस्तरों को हस्पताल बन जाएगा। केस एफ डी मे गया हैं ओर उम्मीद हे कि इसी साल या अगले साल वह चालू हो जाऐगा।

भाई लक्षमण सिंह जी ने कहा कि उनके एरिया में कोई हस्पताल नही हैं लेकिन मै उन्हे बताना चाहती हूं कि अभी कुछ अर्सा पहले गांव खुकनी में 10 बिस्तरों का हस्पताल दिया गया था। जहां तक इन्दरी के हस्पाल की बात है वह विचराधीन हैं सरकार ज्याादा से ज्यादा इस बात कोि ा ा करती हैं कि देहात

के अन्दर जितने अधिक से अधिक हस्पताल डिसपैसरीज ओर सब सैन्टर्ज आदि खोले जा सके खोले जाये। (डा0 मंगल सैन की तरफ से विघ्न) स्पीकर साहब, डा0 मंगल सेन जी को मै बताना चाहती हूं कि मैने अपने हलके मे कोई हस्पताल नहीं खोला। है। (विघ्न) मास्टर राम सिंह जी ने रादौर के हस्पताल को अपग्रेड करने ओर बबैन में प्राइमेरी हैल्थ सैन्टर बनाने की बात की । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: डा0 मंगल सैन जी जिस बात का जवाब आप इनसे चाहते हैं उसके लिए मैने ही इन्हे रोका हैं क्योकि आज टाईम नहीं है। पर्सनल ऐक्सप्लेनें ान के लिए मै कल इन्हे टाईम दूगा।

श्रीमती प्रसन्नी देवी: इसके अलावा स्पीकर साहब, जिन जिन माननीय सदस्यों ने हास्पिट्ल ओर डिस्पैसरिज के बारे में कहा है। उनकी बातों पर पूरी तरह से विचार किया जायेगा। वैसे तो सरकार की पहले से ही कोि ा ा है कि जितनी ज्यादा से ज्यादा दवाईयां हास्पिटलज ओर डिस्पैसस्दीज मे पहंचा सके पहुंचाने की कोि ा ा करते हैं ओर अधिक से अधिक हास्पिटल्ज ओर डिस्पैस्सरीज खोलने का प्रयत्न करते है। करनाल के हस्पताल के बारे में कहा गया । आज तक वहां पर जगह कमी की थी अब जगह मिल गई है। हम जल्दी ही नया हस्पताल बनाने वाले है। एडमिनिस्टेटिव अप्रूवल हो चुकी है। हम जल्दी ही नया हस्पताल बनाने वाले हैं मुख्य मंत्री जी ने ि ालान्यास कर दिया है। जैसे

जैसे पैसे का प्रबन्ध होता जायेगा हास्पिटल बना दिया जायेगा। स्पीकर साहब, मै एक ओर बात कहना चाहूगी कि विपक्षी भाई कभी पी डब्ल्यूडी कभी हैल्थ ओर कभी एक्साइज टेक्स ोन विभाग के बारे में कहते हैं कि उसमें यह हो गया वह हो रहा है। असल बात यह है कि सावन क अन्धे को हरा ही हरा दिखाई देता हैं

श्री किताब सिंह: बहिन जी कह रही हैं कि अपोजीसन के लोग वैसे जी कह देते है लेकिन बात कुछ नहीं है मै अपने हल्के गोहाना के बारे में बताना चाहता हूं । वहां पर न कोई हस्पताल ही खोला गया है । और न ही पीएचसी खोला है।

श्री अध्यक्ष: जो श्री निहाल सिंह के बारे मं कहा गया है वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री मंगल सैन:.....।

श्रीमती प्रसन्नी देवी: .....।.

श्री अध्यक्ष: वह रिकार्ड मे कुछ नही आयेगा।

श्री मंगल सैन: .....।

श्री अध्यक्ष: जो कुछ डा0 मंगल सैन जी ने कहा है यह रिकार्ड न किया जायें।

श्रीमती प्रसन्नी देवी: स्पीकर साहब, जब इनकी तरफ से बाते कही जाती है। तो हमे कहनी पडती है। इनकी तरफ से भी नही आने चाहिए।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री बृज मोहन): स्पीकर साहब, एक्साइज एंड टैक्से ान डिपार्टमैट की सन् 1984–85 के लिए 40756425 की डिमांड हैं स्पीकर साहब, मै हाउस को बताना चाहूंगा कि हमारा रैवेन्यू पिछले साल 300 करोड का था और सन् 1984–85 में 330 करोड होने की सम्भवना है मै एक बात और भी बताना चाहूंगा कि सारे हिन्दुस्तान मे हरियाणा की एस्टेबलि ामेट का सब से कम खर्चा है किसी भी स्टेट मे हमारे से कम खर्चा नहीं है। एस्टेबिल ामैट का खर्चा सवा परसैनट से कम बनता है। इस डिमांड पर मास्टर ि ाव प्रसाद श्री ओम प्रकास महाजन और राव निहाल सिंह जी बोले है। इस डिमांड में कोई खास बात नहीं है। यह डिमांड सेलरी मैडिकल ओर आफिस के खर्चो के बारे में है। इसमे कोई और खर्चा भामिल नहीं है श्री ओम प्रका ा जी ने टीवी ओर इलैक्टीकल गुडज पर टैकस घटाने की बात की है। कि दूसरी स्टेटस मे टैक्स कम है। ओर हरियाणा में ज्यादा है। मै हाउस को बताना चाहूगा कि हमारे यहां भी ऐसी गुड्स है नि पर दूसरी स्टेटस के मुकाबले में टैक्ट कम है। जहां सरकार यह समझती है कि टैक्स घटाने की आव यकता है वहां घटा भी देती है। पिछली दफा हमने ऐसा किया था।

श्री मंगल सैन: गवर्नमैट यह भी कह रही थी कि सेल्ज टैक्स माफ करना है।

श्री बृज मोहन: यह बात अलग हैं आप इस बारे में अलग से पूछें।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, जो 21 करोड के एरियर है इन के बारे मे भी तो बता दे। (विघ्न)

श्री बृज मोहन: स्पीकर साहब, इस बारे में श्री ओम प्रका ा जी ओर दूसरे साथी मेरे पास आये तो बात कर लेगे मास्टर ि ाव प्रसाद जी ने चूडियों के व्यापार की बात का जिक्र किया। ये मेरे पास आए थे। मै उन्हे बताना चाहता हूं कि इस मामले को हम एग्जामीन कर रहें है। अगर मुनासिब होगा तो खत्म कर देगे। एक दिक्कत ओर भी हैं चूडियों भाी ो की सोने की ओर प्लास्टिक की भी जमती है। (विघ्न)

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्ष: अगर हाउस की सैस हो तो 20 मिनट क लिए हाउस का टाईम बढा देते है।

आवाजे: बढा दें जी।

श्री अध्यक्ष: हाउस का समय 20 मिनट के लिए बढाया जाता है।

वर्श 1984–85 के बजट की डिमांड्ज फार गांट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मै केवला इतना स्पश्टीकरण चाहता हूं कि अब कि बार जो भाराब के ठेके नीलाम हुए है उस नीलामी में सरकार को काफी आमदनी हुई है लेकिन मेरे विचार के अनुसार ओर भी अधिक हो सकती थी। भिवानी हिसार ओर रोहतक आदि कई जगहों पर ठेको की नीलामी हो गई। उस मे पहले तो बोली दे दी गई लेकिन बाद में बोली सस्पैन्ड कर दी गई । इस प्रकार अनेक जगह हुआ है फिर दोबारा लोग इक्ट्ठें हुए। ओर बडे बडे ठेकेदारों को बुलाया गया ओर उनके नाम से ठेका छोड दिया गया। दूसरे जो लोग इन्टस्टिड थे उनको ठेका नहीं मिला।

श्री बृज मोहन: सै ान मे महज कोई बात कहने से हल नही हो जाती । मेरे नोटिस मे आप पहले लाते तो हम उस हिसाब से चलते। मास्टर ि ाव प्रसाद जी को बताना चाहूंगा कि चूडियों पर टैक्स के मामले को हम एग्जीमिन कर रहे है। वे मेरे से अलग से मिल ले जो भी मुनासिब होगा करेगे। अगर हम खत्म कर सके तो खत्म करेगे।

इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, राव साहब ने कुछ बाते कही । उन्होनें जनरल सी बाते कही। मै उस वक्त हाउस मे नहीं था। मैने उन से हाउस के बाहर पूछा कि आपने हमारे डिपार्टमैट

के बारे में क्या कहा हैतो कहने लगे कि अपोजीसन में बैठते है कुछ न कुछ तो कहना ही पडता हैं सरकार के खिलाफ कुछ तो बोलना ही है। इन्होनें जो टासफर्ज के बारे में बात कही कि पैसे लिए जाते है। यह बिल्कुल गलत हैं ओर निराधार बात हैै। अगर इनके नोटिस में कोई बात हो तो यह हमारे नोटिस मे लाये जो भी दोशी होगा हम उसके खिलाफ सख्त एंक्सन लेगे। इन भाब्दों के साथ में अपना भाुक्रिया अदा करता हूं।

श्री मनफूल सिंह: स्पीकर साहब, मैने भाराब के बारे में एक सवाल लिखकर दिया था कि जो मिलिटी वालेां को थीं एक्स रम सप्लाई करने के बारे में था। सरकार ने इस का जवाब यह लिख कर भेजा दिया हैं कि वे उस का जवाब नहीं दे सकती । उस का जवाब सरकार को देना चाहिए। (व्यवधान) यह मिलिटी वालो के साथ अन्याय की बात है। (व्यवधान)

वाक आउट

श्री अध्यक्ष: मनफूल सिंह जी मेरी बात सुनिये। डिफैस की हर बात यहां पर नही बताई जा सकती । डिफैस का जो रम जाती है। कितनी जाती है ओर कितने कन्सै ानल रेट पर जाती हैं। यह सारी बाते वहां डिस्कलोज नही की जा सकती। (व्यवधान)

श्री मनफूल सिंह: स्पीकर साहब, मै इसके विरोध मे वाक आउट करता हूं

(इस समय श्री मनफूल सिंह सदन ` वाक आउट कर गये ।)

वर्श 1984.85 के बजट की डिमांड्ज फार ग्रांट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

ि ाक्षा राज्य मंत्री (**श्री जगदीस नेहरा**): स्पीकर साहब, डिमांड नं. 9 के द्वारा 118 करोड 11 लाख 42 हजार 365 रूपये मांगे गए हैं यह मांग ि ाक्षा मंत्री के बारे में है ओर कई सदस्यों ने ि ाक्षा पर कई बाते कहीं। मै माननीय सदस्यों की बातो का जवाब देने के लिए खडा हुआ हूं । कई माननीय सदस्यों ने अपनी अपनी कांस्टीच्यूएसी के बारे में बाते कही ओर कई सदस्यों ने बहुत अच्छे सुझाव भी दिये। श्री ओमप्रका ा महाजन ओर श्रीमती भाारदा रानी जी ने स्कूलों में अध्यापकों की कमी होने के बारे में कहा। मै इनको वि वास दिलाता हूं कि हम स्कूलों में अध्यापको की कमी नहीं रहने देगे। इसी तरह से राव निहाल सिंह जी ने बैकवर्ड एरियाज के बारे में बात कही कि उनको प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह बात इनकी ठीक है। हम प्राईमरी ि ाक्षा के बार में नारनौल जींद ओर सिरसा को प्राथमिकता दे रहे है। इसी तरह से राव साहब ने एक एम एम एस सी जुआलोजी क्लासिज नारनौल में ही रहने देगे। क्वै न आवर के दौरान सप्लीमैटरी भी किया था। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि ऐसी कोई विचराधीन बात नहीं है। हां यह बात जरूर है कि वाईस चांसलर की तरफ से यह बात आई थी लेकिन सरकार की तरफ से अभी कोई निर्णय नही लिया

गया है। मै इन का वि वास दिलाता हूं कि यदि वहां पर लडके पूरे हो तो यह क्लास कतई नहीं हटाई जायेगीं इसी तरह से राव साहब ने एक ओर सुझाव दिया कि मैटिक सटीफिकेट में ही लडको की जाति आदि लिखी जानी चाहिए। यह सुझाव अच्छा हैं ताकि लडकों को बैकवर्ड ओर ि ाडयूज्ड कास्टस वगैरह का सटीफिकेट अलग न लेना पडे। इस पर ि ाक्षा विभाग विचार करेगा ओर स्कूल ि ाक्षा बोर्ड से बातचीत करके जो भी हो सकेगा हम इस सुझाव को इम्पलीमैट करने की कोि ा ा करेगे। (व्यवधान) बोनाफाईड रैजीडैट भी उसमें आ जाता है। बैक्वर्ड ओर ि ाडयूल्ज कास्टज भी उसमें आ जाते है।

श्रीमती चन्दावती: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। वजीर साहब बोल रहे है। मेरी एक बात का जवाब दे दे। कुछ स्कूलों ने बहुत दिनों से दरख्सात दे रखी हैं कि उनको सरकार द्वारा टेक अप कर लिया जाये। लोगों ने स्कूल की बिल्डिंग बना दी है। ताकि सरकार उनको ले लें। इस विशय पर अगर कोई रो ानी दे तो अच्छा होगा क्योकि गांवों के लोगों ने बिल्डिंग बना रखी है। ओर अब वे उनकी मुरम्मत नहीं करवा सकते। अगर सरकार मुनासिब समझे ता उनको ले ले।

श्री जगदी ा नेहरा: जैसा कि लीडर आफ दी अपोजीसन ने कहा अगर इस तरह का कोई स्कूल होगा तो हम उसको लेने के लिए तैयार है मैने पहले भी कहा था कि गांव के लोगों मे कम्युनिटी एजुकेसन के बारे में हमारी नीति यह है कि

लोग पहले स्कूल बना दे। इसके बाद हम वहां पर अध्यापक भेज देते है मै माननीय लीडर आफ दी अपोजीसन से यह कहना चाहता हू कि यदि कोई ऐसी बात उनके नोटिस मे है तो यह हमारे नोटिस मे लाये। हम फौरन उनको ले लेगे। इसी तरह से कुन्दन लाल जी ने स्कूलों मे अध्यापकों की कमी की बात कही हे।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल: स्पीकर साहब, एजुके ान मिनिस्टर साहब ने अभी वह बात कह दी कि आप हमे बताये हम फौरन उनको ले लेगे। कई गांवों मे स्कूल बने हुऐ है। लेकिन स्कूलों की बिल्डिंगे टूटी पडी है। बेसिकली वह बिल्डिंग गांव वालों ने बनायी थी। टेक औवर करने के लिए लोगों ने कई कई महीनों से दरख्साते दे रखी है लेकिन अभी तक पीडब्ल्यूडी की बुक्स मे नही लिये गये। है।

श्री जगदी ा नेहरा: सर, पीडब्ल्यू डी बुकस मे टेक ओवर करना ओर स्कूल को टेक ओवर करना दोनों ही अगल अलग बातें है। अध्यक्ष महादेय, गेवाल साहब को भी पता होगा कि जब गांव वाले कोई नया स्कूल बना देते हैं उसमें जब सरकार अध्यापक भेजती हैं तो वह उसी टाईम से लिया जाता हैं लेकिन पीडब्ल्यू डी द्वारा टेक ओवर करने की जो फार्मेलिटी है उसमे कुछ टाईम लगता हैं जो स्कूल उनकी स्पेससिफिकेसनज पूरी करता हैं उसको वे लेते जाते है। इसी तरह से मास्टर ि ाव प्रसाद जी ने भी कई बाते कहीं। एक बात उन्होनें यह कही कि बीईओ के अधीन ब्लाक सिस्टम ठीक नही होना चाहिए। उनकी यह बात ठीक

है। कि किसी ब्लाक में 40 स्कूल है। तो किसी ब्लाक में 80 स्कूल हैं इस वजह से सारे स्कूलो की अच्छी तरह से चैकिग नहीं हो पाती है। मै इनहें बताना चाहता हू ंकि ि ाक्षा विभाग इस बारे में विचार करेगा।इसी तरह से एसडीईओ के आफिस में टेलीफोन की सुविधा प्रदान करने के लिए कहा गया है। मै इन्हें बताना चाहता हूं कि हमने यह मामला कमीसन के सामने भी रखा था। इनके कहने से पहले हमने यह सुझाव दे रखा था ताकि अगली सिक्सथ फाईव ईयर प्लान में यह सुविधा प्रदान की जा सके। अगर प्लानिगं कमीसन हमें 66 लाख रूपया दे देगा तो हम यह सुविधा उनको प्रदान कर देगे। यह बात आलरेडी हमारे ध्यान मे हैं क्योकि हमें पता हैं कि एसडीईओ के पास काम बहुत होता है। इसीलिए यह सुविधा होनी लाजमी है। कई बार इसकी कमी की वजह से बडी मु ि कल पड जाती हैं यह सुझाव हैल्दी हैं । हमे इस पर आलरेडी गोर कर रहे है। इसी तरह से मास्टर ि ाव प्रसाद जी ने अध्यापको की हाजरी के बारे में कहा । मै अपने माननीय सदस्यो से यह निवेदन करूंगा कि कभी क्राभी वे खुद ही अपनी कांस्टीच्यूएसी मे चैकिगं किया करे। जहां कही हमारे नोटिस में कोई ऐसी बात आती है हम एक्सन लेगे। हमारे माननीय सदस्य हमारे नोटिस मे कोई ऐसी बात लायेगे या लिखकर भेजेगे तो हम एक्सन लेगें हम चाहते है कि स्कूलों में हाजिरी पूरी हो। इस बना पर हमने सैकडों स्कूलों को चैक किया है। अब पहले की अपेक्षा हाजरी स्कूलों मे ठीक होगी। (व्यवधान) हां मै माननीय सदस्यों से यह कहूगा कि वे जो लिखकर भेजगे सरकार उनके उपर एक्सन

लेगी। एक बात इन्होने प्राईमरी एजुकेसन के लिए अलग से डायरैक्टोरेट बनाने के बारे में कह दी ।

श्रीमती बसन्ती देवी: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मुझे इन डिमांडज पर बोलने का मौका तो नहीं मिला है लेकिन मैं एजुकेसन मिनिस्टर महोदय से एक बात पुछना चाहती हू पहले पहली ओर दूसरी क्लासिज में टैस्ट स्टुडैट्स को अगले क्लास में किया जाता हैं लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब बिना टैस्ट लिये ही उनको अगली क्लास में चढा दिया जाता है। मेरा सुझाव यह है कि इन क्लासिज मे भी टैस्ट होना चाहिए?

मास्टर ि िव प्र ाद: आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। मैने यह भी कहा था कि डीपीआई लेवल तक प्रोमी ान एजुके ान डिपार्टमैट मे से ही होनी चाहिऐं ।

श्री राम बिलास भार्मा: मै मंत्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं। अभी मंत्री महोदय ने यह कहा है कि एम एल एज लिखकर भेज दे। अगर कोई अध्यापक स्कूल मैं न मिले और हम आपकी सेवा मे इस फैक्ट को लिखकर कर भेजते है। तो क्या आप कार्यवाही करेगे।

श्री जगदी ा नेहरा: हां, की जायेगी। यदि कोई विधायक जिम्मेदरारी के साथ लिखेगा तो जरूर कार्यवाही होगी। जो भी आप लिखकर भेजगें उस पर जरूर कार्यवाही होगी मास्टर ि िव प्रसाद जी ने एक बात कही है कि ि िक्षा विभाग से ही

डीपीआई बनना चाहिऐ। उनका यह सुझाव बहुत है । हम इसको एग्जामिन करवा लेगे। वैसे यह बात सरकार ि ाक्षा विभाग द्वारा एग्जामिन करवायेगी। कि इस का ही आदमी डीपीआई होना चाहिऐ। इसी तरह बहिन बसन्ती देवी जी ने कहा है। कि पहली ओर दूसरी जमात के बच्चों को बिना टैस्ट लिये प्रोमोट कर दिया गया था। स्कूलों में नो डिर्टे ान का सिस्टम दर असल कई साल पहले लागू किया गया था। उस समय बहुत से बच्चे स्कूल छोड जाते थे। टैस्ट सिस्टम फिर से लागू करने की बात विचाराधीन तो नहीं है। लेकिन फिर भी इस प्वायंट को एग्जामिन करवा लेगे।

श्री भाकुन्तला ने मेवात के एरिया मे बाहर के अध्यापक लगाने के बारे में कहा। यह बात दुरूस्त है। वहां अध्यापक नहीं मिलते। उर्दू के जेबीटी 58 हैं जो जेबीटी इस्टीच्यू ान वहां खुले हुए है। उन मे जो बच्चे पढेगे उनको वहीं लगाया जाऐगा। उर्दू पढाने का प्रावधान ि ाक्षा विभाग मे है। जहां प्राइमरी स्कूल नहीं है। अगर वहां तीस चालीस बच्चे पढने के लिए तैयार होगे तो ि ाक्षा विभाग वहां ब्रांच प्राईमरी स्कूल खोलेगा। मास्टर राम सिंह ने कहा कि रादौर मे अलविदा स्कूल होना चाहिए। मै इन्हें बताना चाहता हू कि इसके बारे में हम देखगे। फुल चन्द जी ने एक सुझाव दिया था कि स्कूल तक ऐप्रोच रोडज होने चाहऐि। मुख्य मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा था कि हर स्कूल को ऐप्रोच रीड दी जायेगी। इसी तरह अम्बाला मे गवर्नमैट कालिज होना चाहिए। जब ठीक हैं कि अम्बाला मे गवर्नमैट कालिज नही है वहा पर

गवर्नमैट कालिज होना चाहिऐ। जब भी फण्डज का प्रोवीजन होगा, हम कोि ा ा करेगे कि वहां कालिज खोला जाये। फूल चन्द जी ने एक बात ओर कही कि अध्यापक ओर होने चाहिए। हमारी कोि ा ा है कि अधिक से अधिक अध्यापक लगाए जायं ताकि अध्यापकों की कमी न जाये। मेरी आप सब लोगों से प्रार्थना है कि ि ाक्षा के मामले मे सब सदस्य ि ाक्षा विभाग को अपना अपना सहयोग दे। मै विरोधी पक्षो क भाईयों से प्राार्थना करूंगा कि जब भी गांव मे जाये तो गांव के लोगों से उनके बच्चे की पढाई के बारे में पुछताछ जरूर करे। भाहरों मे जो बच्चे पढ रहें हैं उनके मां बाप बच्चे से भााम के बारे में पढाई मे पुछते हैं कि उनहें आज क्या पढाया है। आज वह स्कूल गया या नही । कुछ पढता है या नही पढता है। अगर गांव मे एकसा हो जाए तो उनके बच्चे पर काफी अच्छा प्रभाव पडेगा। इस साल पांच से ग्यारह साल की उम्र से बच्चे 89 प्रति ात आए है। ि ाक्षा विभाग ने नैतिक ि ाक्षा भी लागू की है। इस बार प्लान साइड मे ज्यादा रूपया रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, अब मै आपकी मारफत सदन से प्रार्थना करना चाहता हूं कि डिमान्ड नम्बर 9 जो 118 करोड 11 लाख 42 हजार 365 रूपए की है। इसको पास किया जाये।

श्री किताब सिंह: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मंत्री जी बार बार विपेक्ष को आ वासन देते है। कि किसी के साथ भेदभाव नही बरता जाऐगा। स्पीकर साहब, गोहाना के साथ सौतेली मां का सलूक किया जा रहा है। वहा पर 1.7.79 से 25.12.

82 तक कालिज ओर स्कूल की बिल्डिंग पर सिर्फ गयारह हजार रूपया खर्च किया है। जबकि आदमपुर में 65 लाख 13 हजार खर्च हुआ है।

वित मंत्री (चोधरी कटार सिंह छोकर): स्पीकर साहब, डिमान्डज पर चर्चा हो रही है। ओर काफी बातो का जवाब मेरे साथियों ने दिया है। जो कुछ बाकी रह गया है। वह मै बता सकता हूं। भारदा जी ने आगमेन्टे ान ट्यूब्वैल्ज के बारे में कहा कि उनसे पानी का लेवल बहुत नीचे चला गया है। इस बारे में आईपीएम साहब ने असैम्बली मे बताया है कि यह पुरानी स्कीम है और आगे से कोई ऐसी स्कीम चालू नही की जायेगी। कि जिसके कारण पानी का लेवल नीचे चला जायेगा। जंहां बहुत ज्यादा दिक्कत आएगी उसको देखा जा सकता । ओर प्रबन्ध किया जा सकता है उन्होनें दस बारह गांवों का जिक्र किया कि वे जमुना के घेरे में है। और बरसात में काफी नुकसान होता है। उनकी प्रोटेक ान के लिए बांध नही बनाए गए है। ओर उन गांवों मे सडक नही गई हे। यह सारा मामला कल की डिमाडन्ज मे डिस्कस हो चुका है। यह मामला नोट कर लिया है। अगर वाकई तकलीफ है तो इसको दूर किया जाऐगा। इसके अलावा इन्होने बल्लभगढ में एक जगह पर टुरिस्ट काम्पलैक्स बनाने के लिए कहा है। इसके अलावा इन्होनें बल्लभगढ और फरीदाबाद मे कोई फर्क नही है। फरीदाबाद मे पहले ही टुरिस्ट काम्पलैक्स बने हुऐ है। जहां काफी लोग रहते है। कुन्दन लाल जी न कहा कि उनका क्षेत्र इंडस्ट्रिली

बेकवर्ड है इस लिए इंडस्टियल टेनिग को बढावा दिया जाऐ। स्पीकर साहब, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के लिए जो हमारे पास साधन उपलब्ध है। उनके मुताबिक प्रबन्ध किया जाता है। फिर भी इस बात पर गौर कर लिया जाऐगा। फलडज के बारे में जो मैयर्ज सरकार ने लिए है व हाउस मै बार बार बता दिए गए है। रोड्ज के बारे में भी परसों कहा था कि इनका इन्तजाम किया जा रहा है। जहां तक करनाल मे मिनि सैक्रेटेरिट बनाने का सवाल है। उसका फाउन्डे ान स्टोन मुख्य मंत्री जी ने रखा है। उसको बनाने की जिम्मेदारी सरकार की है। इसके लिए पैसा पिछले साल प्रोवाइड किया गया था। इसके नक ो बनने थे। आरै आर्किटेक्चर ने नक ो तैयार नही किए थे। इस लिए यह काम चालू नही हो सका। रो ान लाल जी ने किसानें से फोर्सीबल रिकवरी की बात कही। अगर इनके पास कोई स्पेसिफिक बात हैं तो ये बताऐं। इनहोने कहा कि वे गिरफ्तार हुए थे। पता नहीं ये हुए भी थे या नहीं। लेकिन अगर कोई खास केस इनके नोटिस में हो तो वे बताएं। इन्होनें प्रेस रिपोर्टर की बात कही कि अम्बाला की पुलिस उसको हैरास कर रही है। स्पीकर साहब, प्रैस रिपोर्टर खुद हमारे पास आ सकता है। ओर अपनी बात कह सकता है। यह अजीब बात है कि वह एमएलए के थ्रू अपनी बात कहना चाहता है । अगर सरकार के नोटिस में कोई ऐसी बात आएगी तो जरूर ऐक ान लिया जाऐगा। उन्होने एक बात यह कही की कि उनके हल्के की सडक ओर ब्रिज एसडीओ के कागजों में बने हुए है। लेकिन मौके पर कुछ नही है। ऐसी बात नही हो सकती कि सडके और ब्रिज

कागजों पर ही हो। सडको ओर ब्रिजों का नाम ये बतायेगें तो गौर किया जा सकता है। डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रियल औफिस यमुना नगर में स्थापित किया जाए इस बात पर विचार किया जा सकता है। इनकी यह बात उचित भी मालूम देती है।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्ष: आप कितना टाईम ओर लेगे?

चौधरी कटार सिंह छोकर: बस थोडा ही टाईम लूंगा।

श्री अध्यक्ष: हाउस का टाईम पांच मिनट ओर बढाया जा सकता हे।

वर्श 1984–85 के बजट की डिमान्ड्ज फार ग्रांटस पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

चौधरी कटार सिंह छोकर: फोरैस्ट की बंगालिक की बात कही गई। बात तो कोई भी आदमी कह सकता है। बंगालिक के बारे में कोई स्पेसिफिक बात नही कही जाये। बस स्टैड की डिमान्ड की गई है। कि रूरल एरियाज में बसस्टैड बनाये जाये। स्पीकर साहब, बस स्टैण्ड की जहां जरूरत है वहां बनाए जाते है। भाकरूलला जी ने कहा कि मेवात का एरिया बैकवर्ड एयिा है। वहां पर इंडस्ट्रीज को बढावा मिलना चाहिए। सरकार रिसोर्सिज को ध्यान मे रखते हुए इंडस्टीज को बढावा देती है। फिरोजपुर झिरका मे ंबस स्टैण्ड की मांग की गाई है। यह उनकी मांग उचित है।

इन्होने कहा कि पुलिस स्टे ान की बिंल्डिंग बहुत पुरानी है। यह भी उनकी बात उचित है। इन दोनों मांगों पर गौर किया जाऐगा। एक बात इन्होने ओर कही कि वहां जो आई टी आई है उनमे वहां के लडको को दाखिला कम मिलता है। बाहर के लडको को ज्यादा दाखिला मिलता है। इस लिए वहां के लडको के लिए रिजर्वे ान होनी चाहिए। स्पीकर साहब, जहां तक मुझे याद है कि मेवात डिवैल्पमैट बोर्ड मे पहले ही यह निर्णय लिया जा चुका है कि एडमी ान मे वहां के लडकों को प्रैफरेस दी जाये। यह निर्णय इम्पलीमैट किया जा रहा है। जब भी मै गुडगांव जाता हूं मैने वहां देखा है कि यह निर्णय इम्पलीमैट हो रहा है। ओर वहां के लडकों को प्रैफेरेन्स दिया जाता है।

श्री मंगल सेन: स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहता हूं कि प्रैफैस मेवात के एरिया में किस हिसाब से दिया जाता है। रिलीजन के आधार पर दिया जाता हैं या बैकवर्ड के आधार पर दिया जाता है।

चौधरी कटार सिंह छोकर: स्पीकर साहब, एक पर्टीकुलर एरिया को या रीजन को बैकवर्डनेस के आधार पर प्रैफैस दी जाती है। इसी प्रकार से श्री राम सिंह जी ने कुछ बाते कही है। कि उनका एरिया बैकवर्ड ह। जहां पर इंडस्टी को ज्यादा से ज्यादा बिजली दी जानी चाहिए। जितनी बिजली हमारे पास अवेलेबल होगी उस के हिसाब से हम कोि ा ा करेगें ओर करते भी है। कि इंडस्टी ओर एग्रीकल्चर सैक्टर मे ज्यादा बिजली दी जाये। यह

सारी बात बिजली की अवेलेबिलिटी पर निर्भर करती है दूसरी बात उन्होनें यह कही मेरे हलके रादौर में जमीन एक्वायर कर रखी है। कि वहां पर इंडस्टीज के लिए इंडस्टियल कम्पेलक्स बनाया जाना चाहिऐ। इसके साथ साथ पिपली मे बस स्टेण्ड की बात भी कही गयी है। इन दोनो बातो पर विचार कर लिया जाएगा। हैप्ड का एक परचेजिंग सैन्टर रादोर मे बनाने की मांग उन्होने कही है मेरे विचार में यह प्रबन्ध हो गया है। जैसे कि कोआपरे ान मिनिस्टर बता रहे थे यह समस्या तो उनकी है दूर हो जायेगी। इसी तरह से चौधरी फूल चन्द जी ने एक बात कही कि सो ाल वेलफेयर विभाग ओल्ड ऐजपेन ान्ज लोगों को देता है। लेकिन लोगों को काफी एरियर्ज रूका पडा है। मै इनको बताना चाहता हूं कि विभाग के पास बहुत ज्यादा पैसा है। पैसे की कोई दिक्कत नहीं है। यह एरियर दे दिया जाऐगा। इसके इलावा यह विभाग ओर भी कई प्रकार की ऐक्टिविटीज चलाता रहता हे। हरिजन बच्चों को स्कालरि ाप वगैरह भी यही विभाग देता है। इसके लिये हमें सैण्ट्रल गवर्नमैट को भी पैसा मिलता है। ओर स्टेट भी काफी योगदान करती है। इसलिये पैसे की किसी भी प्रकार की कोई कमी नही है। काम अव य बढ गया है। लेकिन पैसे कीइस विभाग के पास कोई कमी नही है। इसके साथ साथ हिल्ली ऐरियाज के बारे में एक खास बात कही गयी है कि नारायणगढ ओर ताजें वाला के बीच में एक बैलट बनायी जाये ताकि लोगों को पीने का पानी मिल सके। यह इनकी मांग उचित है। इसको देख लिया जाएगा। जो एरियर्ज की बात यहां पर कही गयी हैं उसके बारे में

यह कहना चाहता हू कि आडिट होने के बाद एतराज हो है । उस प्रोसीजर का तो स्पीकर साहब, आपको भी पता है सारा मामला पीएसी के पास जाता हैं उस की सिकूटनी होती है। इसके बाद डिपार्टमैट के पास भेजा जाता है। तब जाकर इररेगुलेरीटीज मीट की जाती है। मेरा कहने का मतलब यह है कि हर बात प्रोसीजर के हिसाब से होती है। इन लफ्जो के साथ स्पीकर साहब, मै यह रिकवैस्ट करूंगा कि इन डिमांडज को पास किया जाये।

चोधरी फुल चन्द: स्पीकर साहब, हरियाणा से चण्डीगड को जो छात्र पढने के लिए जाते है। उनकी बसिज के पासों का किराया दुगुना कर दिया गया है। सरकार इस तरफ भी ध्यान दे ओर इसको ठीक करे।

चौधरी भाारदा रानी: स्पीकर साहब, बल्लभगढ मे सस्ता पर्यटन केन्द्र खोलने के लिये हालांकि मुख्य मंत्री महोदय ने मेरे साथ वायदा किया था। लेकिन मंत्री महोदय यह कह रहे है कि इस तरह का कोई प्रस्ताव सरकार के विचराधीन नही है।

चौधरी कटार सिंह छोकर: स्पीकर साहब, मै इस बारे में पहले ही कह चुका हूं कि फरीदाबाद मे इस तरह का एक पर्यटन केन्द्र पहले से ही मौजूद है। जो बल्लभगढ के काफी नजदीक पडता है। इसलिये बल्लभगढ मे ऐसी कोई आव यकता महसूस नही की जा रही है।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्ष: अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय पांच मिनट के लिये और बढा दिया जाये।

आवाजे: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: बैठक का समय पांच मिनट के लिये ओर बढाया जाता है।

वर्श 1984.85 के बजट की डिमांडज फार ग्रांटस पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री मगंल सैन: स्पीकर साहब, अभी बहन जी ने फरमाया कि उन्हें मुख्य मंत्री महोदय ने इस बात का आ वासन दिया है कि बल्लभगढ में टुरिस्ट कम्पलैक्स बना देगे। लेकिन मंत्री महोदय फरमा रहे है कि फरीदाबाद मे हमने आलरेडी टुरिस्ट कम्पलैक्स बना रखा है जोकि बल्लभगढ के नजदीक ही पडता हैं इसीलिये इस तरह का ऐसा कोई विचार सरकार का अभी नही है। आप ही बताऐं कि कौन सी बात को सही माना जायें?

चौधरी कटार सिंह: स्पीकर साहब, मैने इनकार नही किया। मै ने यह बात कहा कि बल्लभगढ के नजदीक फरीदाबाद मे हमने कम्पलैक्स बना दिया है। जोकि बल्लभगढ के नजदीक ही पडता हैं ओर इस से काफी सहूलियत है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, एक्साईज एण्ड टैक ान डिपार्टमैट के लोगों की तरफ 21 करोड़ के एरियर्ज

बकाया है ंओर बजट मे इनहोनें 47 करोड़ रूप्ये के करीब घाटा दिखाया है। अगर यह एरियर्ज वसूल हो जायें तो सरकार को काफी फायदा हो सकता है।

श्री अध्यक्ष: कुलबीर सिंज जी, जो सरकार की पालिसी है वह उन्होनें बता दी है।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री बृजमोहन): स्पीकर साहब, ये मेरे दफतर मे आ जाये मै इनको बता दूंगा।

श्री किताब सिंह: स्पीकर साहब, मेरी भी एक सबमि ान हैं । (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आप बेठिये।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, स मेरा प्वायंट आफ आर्डर है किताब सिंह जी अब पहले बोलने के लिये खडे हुऐ थे। उस वक्त आपने कहा था कि भाई तुम बजट के वक्त जब डिमांडज पर डिस्कसन हो तब बोल लेना। उनका काल अटैन ान मो ान था उस पर ये अपने विचार रखना चाहते थे। ये आपका ध्यान केवल इस ओर दिलाना चाहते है।

श्री अध्यक्ष: अगर आप ने अपनी लिस्ट मे डिप्टी स्पीकर साहब को इनका नाम दिया होता तो वे उस वक्त इनको बुलवा देते । दूसरी बात यह है कि जब मै बैठा तब भी आप मेरे पास इनका नाम भिजवा देते तो भी मै इनको टाईम दे देता।

श्रीमती चन्दावती:

इनका नाम लिस्ट मे था जी। स्पीकर साहब, कल सब से पहले आप इनको बोलने का समय दे दे।

श्री अध्यक्ष: ठीक है जी।

साहेबान अब मै बेरीअस डिमांडज को वोटिंग के लिये पुट करता हूं । अगर हाउस सहमत हो सारी डिमांडज को एक साथ ही ले लिया जाये।

आवाजे: ठीक है जी।

Mr. Speaker: Question is:-

That a sum not exceeding Rs. 115146430 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.2 General Adminstration**

That a sum not exceeding Rs. 115146430 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.2 General Adminstration**

That a sum not exceeding Rs. 385060795 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No3 Home.**

That a sum not exceeding Rs. 1181142365 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.9 Education**

That a sum not exceeding Rs. 886982850 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.10 Medical and Public health.**

That a sum not exceeding Rs. 77393280 for revenue expenditure and Rs. 31605600 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.16 Industries.**

That a sum not exceeding Rs. 156957765 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.20 Forest.**

That a sum not exceeding Rs. 782743200 for revenue expenditure and Rs. 123200000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.23 Transport**

That a sum not exceeding Rs. 7200290 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.1 Vidhan Sabha.**

That a sum not exceeding Rs. 40856425 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.5 Excise and Taxation.**

That a sum not exceeding Rs. 179519080 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.6 Finance.**

That a sum not exceeding Rs. 201159425 for revenue expenditure Rs. 2900000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.7 Other Administrative Services.**

That a sum not exceeding Rs. 27840620 for revenue expenditure and Rs. 2700000 for capital expendtiture be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.11Urban Development.**

That a sum not exceeding Rs. 67303915 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.12 Labour and Employment.**

That a sum not exceeding Rs. 156418215 for revenue expenditure and Rs. 10843000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of

charges under **Demand No.13 Social Welfare and Rehabilitation.**

That a sum not exceeding Rs. 20552440 for revenue expenditure and Rs. 1352452440 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.14 Food and Supplies.**

That a sum not exceeding Rs. 22445380 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.19 Fisheries.**

That a sum not exceeding Rs. 9392175 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No. 24 Tourism.**

That a sum not exceeding Rs. 1225063500 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1984-85 in respect of charges under **Demand No.25 Loans and Advances by State Government.**

The motion was carried.

श्री अध्यक्ष: अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिये एडजर्न किया जाता है।

13.58 बजे

(तत्प चात् सदन वीरवार दिनांक 29–9–1984 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिये स्थगित हुआ।